आपकी बात, निर्भीकता के साथ

# प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 01 अंक : 195 | रांची, शुक्रवार, 28 जून, 2024 (आषाढ़ कृष्ण 08, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये | email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com


# सीबीआई ओएसिस स्कूल के प्राचार्य को लेकर पटना से वापस हजारीबाग पहुंची

**नीट-यूजी पेपर लीक मामला**

- टीम ने बैंक के अधिकारियों और स्कूल के अन्य शिक्षकों से की पूछताछ

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि, हजारीबाग

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम ओएसिस स्कूल के प्राचार्य डॉ. एहसान उल हक को पटना से वापस हजारीबाग ले आयी है। फिलहाल बैंक, कुरियर दफ्तर और संबंधित स्कूल में जाकर जांच कर रही है। बैंक के अधिकारियों और स्कूल के अन्य शिक्षकों से पूछताछ की। इसके बाद जांच एजेंसी की टीम हजारीबाग के सीसीएल चरही गेस्ट हाऊस पहुंची। बता दें कि, सीबीआई के 12 अधिकारी बुधवार को हजारीबाग पहुंचे और स्कूल के प्रधानाध्यापक को अपने साथ पटना ले गयी, जहां उनसे पूछताछ की थी।

**ईओयू की टीम भी आयी थी हजारीबाग** : चार मई को पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र के खेमनीचक स्थित लर्न्ड एवं प्ले स्कूल समेत अन्य स्थानों पर पुलिस ने छापेमारी की थी। यहां उन्हें अधजला नीट-यूजी का प्रश्न-पत्र बरामद किया था। जांच में प्रश्न-पत्र का कोड हजारीबाग के ओएसिस स्कूल का मिला। जिसके बाद ईओयू की टीम ने भी संबंधित स्कूल में आकर जांच की थी। जांच के दौरान पता चला कि पैकिंग के संदिग्ध पॉलीबैग, संबंधित अभ्यर्थी से बरामद मूल प्रश्न पत्र की

पैकिंग और संबंधित पैकिंग ट्रंक में छेड़छाड़ हुआ है।

**प्राचार्य ने खारिज की स्कूल से पेपर लीक होने की बात** : हजारीबाग ओएसिस विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एहसान उल हक ने स्कूल से पेपर लीक होने की घटना को खारिज किया है। कुछ दिन पहले उन्होंने प्रेस वार्ता कर इस बात की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था कि चार मई की रात पटना के खेमनीचक स्थित लर्न एंड प्ले स्कूल में 35 से 40 छात्रों को रखकर प्रश्न पत्र का उत्तर रटाया जा रहा था। हालांकि स्कूल के कोड का अधजला प्रश्न पत्र मिलना जांच का विषय है।

**घटना का वीडियो मौजूद** : डॉ. एहसान का कहना था कि पांच मई की सुबह 7:30 बजे स्टेट बैंक से शहर के पांच परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्र का बक्सा रिसीव किया गया। उस समय एनटीए द्वारा नियुक्त पांचों आब्जर्वर, पांच सेंटर के प्राचार्य, दो बैंक के अधिकारी और एनटीए सीटी कॉर्डिनेटर मौजूद थे। नियम के तहत प्रश्न पत्र का बक्सा रिसीव किया गया। स्कूल में जो प्रश्नपत्र का बॉक्स आता है, वो सात लेयर में कवर्ड होता है। जिसका वीडियो मौजूद है।

## इधर, बिहार से मनीष और आशुतोष को किया गिरफ्तार

**पटना।** नीट-यूजी परीक्षा पेपर लीक मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने गुरुवार को मनीष कुमार और आशुतोष कुमार को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने परीक्षा से पहले उम्मीदवारों को सुरक्षित परिसर उपलब्ध कराया था, जहां उन्हें लीक हुए पेपर के साथ उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराई गयी थी। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, मनीष प्रकाश अपनी कार में उम्मीदवारों को लर्न प्ले स्कूल ले जाने के लिए जिम्मेदार था जबकि आशुतोष छात्रों के लिए सेफ हाउस में परिसर की व्यवस्था करता था, जिन्हें उसके घर में ठहराया जाता था। मनीष को पटना से पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने मनीष की पत्नी को फोन करके उसकी गिरफ्तारी की सूचना दी। यह सीबीआई द्वारा की गई पहली गिरफ्तारी है। इससे पहले बिहार सरकार की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को ही हिरासत में लिया था। मनीष प्रकाश और आशुतोष दोनों को अदालत में पेश किया गया है।

बिहार सरकार ने 2024 नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को बीते तीन दिन पहले सौंप दी थी। आर्थिक अपराध इकाई ने मामले के सभी अपडेट रिकॉर्ड केंद्रीय एजेंसी को सौंप दिए हैं।नीट पेपर लीक मामले में बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि हम कानून ला रहे हैं। केंद्र सरकार ने भी कानून का प्रावधान किया है। इसमें 10 साल की सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है। हम विधानमंडल के अगले सत्र तक इस पर कानून भी लाएंगे और सख्त कार्रवाई के साथ स्पीडी ट्रायल चलाकर 3-6 महीने में आरोपितों को सजा दिलाने का काम करेंगे।

## संक्षिप्त

### सुदेश महतो पहुंचे दिल्ली, अमित शाह से की मुलाकात

**नई दिल्ली।** गुरुवार को आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने नई दिल्ली स्थित संसद भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मौके पर सुदेश महतो ने उन्हें दोबारा देश का गृह एवं सहकारिता मंत्री बनने पर बधाई दी। जानाकारी के मुताबिक सुदेश महतो ने गृहमंत्री अमित शाह के साथ झारखंड राज्य में विकास कार्यों और वर्तमान राजनीतिक हालात पर भी चर्चा की। आजसू अध्यक्ष ने राज्य की जरूरतों और विषयों के बारे में भी केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी। सुदेश कुमार महतो ने कहा है कि लोकप्रिय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गठित एनडीए की सरकार तीसरे कार्यकाल में भी देश में विकास और सफलता के नये आयाम स्थापित करेगी। झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए ये मुलाकात अहम मानी जा रही है।

### झारखंड में वन सेवा के 40 अफसरों की हुई ट्रांसफर-पोस्टिंग

**रांची।** झारखंड सरकार ने वन सेवा के 40 अफसरों की ट्रांसफर और पोस्टिंग की है। इनमें 1991 के भारतीय वन सेवा के अफसर एनके सिंह हैं, जिन्हें कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य प्राणी प्रतिपालक रांची में पदस्थिपित किया गया है। एनके सिंह इससे पहले मुख्य वन संरक्षक विकास और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।आपको बता दें कि वन विभाग में बड़े पैमाने पर अफसरों का तबादला किया गया है। सूची पेज 08 पर

## मुख्यमंत्री ने रांची स्मार्ट सिटी में गौतम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की रखी आधारशिला, कहा

# स्वास्थ्य समेत किसी भी क्षेत्र में निवेश करने वालों को राज्य सरकार करेगी पूरा सहयोग

प्रातःनागपुरी संवाददाता, रांची

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता है। इस दिशा में स्वास्थ्य संरचनाओं को बेहतर करने का प्रयास निरंतर जारी है। वे 27 जून को रांची स्मार्ट सिटी परिसर में गौतम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के शिलान्यास समारोह को बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को अच्छी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में इस मेडिकल कॉलेज का खुलना स्वास्थ्य व्यवस्था के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से निश्चित तौर पर राज्य के विकास को एक नई दिशा मिलेगी।

**अधिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने पर जोर** : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में स्वास्थ्य से संबंधित आवश्यकताओं को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल खोले जाने की जरूरत है।

शेष पेज 08 पर

### जल जीवन मिशन की सभी जलापूर्ति योजनाओं को ससमय पूर्ण करें : सीएम

**रांची।** मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा 27 जून को की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन (हर घर जल) ग्रामीण के अंतर्गत छोटी-बड़ी जितनी भी योजनाएं ली गई हैं, उन योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत अवश्य पूरा करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि वैसे सभी घर जहां नल से जल पहुंचाया गया है, समीक्षा करें कि योजना के तहत लगाए गए नलों में जल की उपलब्धता है या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत आच्छादित सभी घरों में अनिवार्य रूप से पानी पहुंचे, यह सुनिश्चित की जाए।

**समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रही** : मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन प्रत्येक घर में नल से जल पहुंचाने निमित्त एक महत्वपूर्ण योजना है। शेष पेज 08 पर

## नियुक्ति पत्र सौंपकर बोले चंपाई सोरेन: हुनर होने पर रोजगार के मिलेंगे अनेकों अवसर

- युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के लिए सरकार कृत संकल्पित

**रांची।** मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आज अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के विशेष प्रयोजन वाहिनी (एसपीवी) के रूप में कार्य कर रही प्रेझा फाउंडेशन द्वारा संचालित कल्याण गुरुकुल एवं कौशल कॉलेज के 31 छात्र- छात्राओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। झारखंड मंत्रालय में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को भरोसा दिलाया कि उनके कौशल विकास और रोजगार के लिए सरकार कृत संकल्पित है। उन्होंने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

**अपने दायित्वों को निष्ठा के साथ निभाएं** : मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि नियुक्ति पत्र मिलने के साथ आपके दायित्व भी बढ़ गए हैं। आपको अपने घर- परिवार को चलाने के साथ समाज, राज्य और देश के लिए जिम्मेदारी निभानी है। ऐसे में पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें, क्योंकि आपसे बहुत कुछ जुड़ा है।

**सीखने की प्रक्रिया को जारी रखें** : मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से कहा कि संसार में कभी कोई कार्य रुकता नहीं है। ऐसे में बदलते समय के अनुरूप अपने को बनाए रखना जरूरी है। आप अपने कार्यों में निरंतरता के साथ सीखने की प्रक्रिया भी हमेशा जारी रखें। यह आपको और भी आगे ले जाएगा। शेष पेज 08 पर

## हेमंत सोरेन की जमानत पर आज हाईकोर्ट सुना सकता है फैसला

**रांची।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत पर झारखंड हाईकोर्ट शुक्रवार 28 जून को फैसला सुना सकता है। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में यह मामला सूचीबद्ध है। बड़गाईं अंचल जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर 13 जून को सुनवाई पूरी हो गई थी। कोर्ट ने ऑर्डर सुरक्षित रख लिया था।

**13 जून को हाईकोर्ट में हुई थी याचिका पर सुनवाई** : झारखंड हाईकोर्ट में मामला सूचीबद्ध है और उम्मीद की जा रही है कि हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर कोई फैसला कोर्ट सुना सकता है। 13 जून को जब हाईकोर्ट में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी, उस वक्त झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की नेता और हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी कोर्ट रूम में मौजूद थीं।

**दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने ऑर्डर रखा था रिजर्व** : जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में पिछली सुनवाई के दौरान हेमंत सोरेन के वकील ने अपने मुवक्किल को जमानत देने की मांग की थी। शेष पेज 08 पर

## पलामू से नक्सलियों का चिकित्सक गिरफ्तार, लंबे अरसे से थी तलाश

**मेदिनीनगर।** पलामू के नौडीहा बाजार के पाल्हे में दो वर्ष पूर्व हुई पुलिस और टीएसपीसी नक्सलियों की मुठभेड़ में शामिल नक्सलियों के कथित डॉक्टर को पुलिस ने मेदिनीनगर कोर्ट परिसर के समीप से गिरफ्तार किया है।

**2022 से थी पुलिस को थी तलाश** : पुलिस को डॉक्टर की लंबे अरसे से तलाश थी। दरअसल, गिरफ्तार डॉक्टर पर आरोप है कि वह 28 फरवरी 22 को पलामू जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के

सुदूरवर्ती पहाड़ की चोटी पर बसा पालहे गांव में नौडीहा पुलिस के साथ टीएसपीसी नक्सलियों की हुई मुठभेड़ में शामिल था। शेष पेज 08 पर

## एनआईए ने प्रतिबंधित माओवादी संगठन के कार्यकर्ताओं के ठिकानों पर मारा छापा

**रांची।** झारखंड में प्रतिबंधित माओवादी संगठन के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने कार्रवाई की है। बता दें कि, पश्चिमी सिंहभूम जिले में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के कई संदिग्धों और कार्यकर्ताओं के घरों और ठिकानों पर तलाशी ली गई है। इस मामले में जांच एजेंसी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस चार स्थानों पर की गई तलाशी के दौरान मोबाइल फोन,

दस्तावेज समेत कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई।

**जुलाई 2022 में गिरफ्तार किए गए थे तीनों** : एनआईए की यह कार्रवाई प्रतिबंधित माओवादी संगठन के लिए जमीन स्तर पर काम करने वाले तीन लोगों की गिरफ्तारी से जुड़े एक मामले में हुई, जो सीपीआई (माओवादी) के लिए कूरियर के रूप में काम कर रहे थे। एनआईए के बयान में कहा गया है कि तीनों माओवादी कार्यकर्ताओं को जुलाई 2022 में पश्चिमी सिंहभूम जिले के बेरा केंदुडा स्कूल से पकड़ा गया था और उनके पास से एक आपत्तिजनक पत्र मिला था। शेष पेज 08 पर

## सरायकेला एलआरडीसी ऑफिस की क्लर्क रिश्वत लेते गिरफ्तार

**सरायकेला।** सरायकेला-खरसावां जिले के सरायकेला में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने रिश्वत ले रही एक महिला कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। यह महिला कर्मचारी एलआरडीसी कार्यालय में लिपिक यानी क्लर्क है। एसीबी की टीम महिला क्लर्क को जमशेदपुर ले गई है।

**म्यूटेशन करने के बदले क्लर्क ने मांगी थी रिश्वत** : सरायकेला में गुरुवार (27 जून) को एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर इस महिला क्लर्क को गिरफ्तार किया है। स्वागता नंदा नाम की इस महिला क्लर्क ने जमीन का म्यूटेशन करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। स्वागता जब 8,000 रुपए रिश्वत ले रही थी, उसी समय एसीबी की टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद जब स्वागता नंदा को एसीबी की टीम जमशेदपुर ले जाने के लिए ऑफिस से बाहर निकली, तो महिला क्लर्क ने अपने दुपट्टे से अपना चेहरा छिपाने की कोशिश की। स्वागता की गिरफ्तारी के लिए एसीबी की टीम अपने साथ महिला पुलिसकर्मी को लेकर पहुंची थी।

**सिंग सोय ने एसीबी में की थी क्लर्क की शिकायत:** दरअसल, सरायकेला-खरसावां जिले के सिंग सोय ने एक जमीन के म्यूटेशन का आवेदन किया था। इस आवेदन को आगे बढ़ाने के लिए स्वागता नंदा ने सिंग सोय से रिश्वत की मांग की। सिंग सोय रिश्वत देने के पक्ष में नहीं था। काफी मिन्नतों के बाद भी जब स्वागता उसकी जमीन का म्यूटेशन करने के लिए तैयार नहीं हुई, तो उसने एंटी करप्शन ब्यूरो में शिकायत दर्ज करवाई।

**शिकायत की जांच के बाद एसीबी ने बिछाया जाल** : एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सिंग सोय की शिकायत की जांच करवाई। शेष पेज 08 पर

## झामुमो के डॉ. सरफराज अहमद ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

**नई दिल्ली।** झामुमो के राज्यसभा सदस्य डॉ सरफराज अहमद ने गुरुवार को राज्यसभा में शपथ ग्रहण की। बता दें कि, डॉ सरफराज अहमद गिरिडीह के गांडेय विधानसभा सीट से विधायक थे। उन्होंने इस सीट से इस्तीफा देकर सीट को खाली किया था।

**कल्पना सोरेन ने गांडेय सीट से दर्ज की थी जीत** : गांडेय विधानसभा सीट से कल्पना सोरेन ने उपचुनाव में जीत दर्ज की थी। इस सीट से बीजेपी ने दिलीप कुमार वर्मा को प्रत्याशी बनाया था। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन के लिए यह सीट खाली

की गई थी। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन ने लोकसभा चुनाव में झामुमो की ओर से मोर्चा संभाला था। गांडेय विधानसभा सीट झामुमो का गढ़ रहा है और इस सीट पर हुए अब तक के चुनाव में पांच बार झामुमो के उम्मीदवार ने अपनी जीत दर्ज करायी है। शेष पेज 08 पर

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों को किया संबोधित, कहा-

# नीतियों का विरोध व संसद की कार्यवाही को बाधित करना दो अलग-अलग बातें

एजेंसियां, नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए कहा कि नीतियों का विरोध करना और संसद की कार्यवाही को बाधित करना दो अलग-अलग बातें हैं। जब संसद सुचारु रूप से चलती है और स्वस्थ बहस होती है, तो लोगों का प्रशासन पर भरोसा बढ़ता है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के गठन के बाद अपने

पहले अध्यक्षीय भाषण में जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए चुनावों की सराहना की और कहा कि इन चुनावों ने अशांति फैलाने की मंशा रखने वाली विघटनकारी ताकतों को एक कड़ा संदेश दिया है।

राष्ट्रपति ने सभी नवनिर्वाचित सांसदों को बधाई दी और 2024 के लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक कराने के लिए चुनाव आयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की चर्चा आज पूरी दुनिया में है। दुनिया देख रही है कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है।

राष्ट्रपति ने अपने भाषण में सरकार की उपलब्धियों गिनाईं और कहा कि आगामी बजट भविष्य की दूरदर्शिता का दस्तावेज होगा। शेष पेज 08 पर

## संक्षिप्त

### पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलटा, बाल-बाल बचा चालक

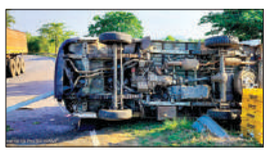

**सोनाहातू।** सोनाहातू प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र की बारेंदा पंचायत के जिन्तुडीह गांव के एयरटेल-जीओ टावर के समीप सिल्ली-रांगामाटी सड़क पर बीती रात करीब 2 बजे एक मिल्क पिकअ वैन खल 02 इट 3470 अनियंत्रित होकर पलट गया। मिल्क पिकअप वैन में करीब 200 लीटर दूध का पैकेट लदा हुआ था, मिल्क पिकअप वैन का चालक सुरक्षित है। मिल्क पिकअप वैन के चालक विनीत कुमार का कहना है कि वह प्रतिदिन चौका से दूध लेकर हजारीबाग जाता है। बीती रात चौका से दूध लेकर जा रहा था। इसी क्रम में पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे करीब 100 लीटर दूध का पैकेट का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही सोनाहातू पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी के सहारे मिल्क पिकअप वैन को उठाया गया। घटनास्थल पर एएसआई राकेश कुमार एवं पुलिस बल मौजूद थे।

### प्रखंडस्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

**खूंटी।** प्रखंड संसाधन केंद्र खूंटी के तत्वावधान में गुरुवार को प्रखंड स्तरीय 63वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता स्थानीय आरसी फुटबॉल मैदान, लोयोला हॉस्टल ग्राउंड और लोयोला स्कूल मैदान में शरू हुई। अंडर 15 बालक और अंडर 17 बालक एवं बालिका वर्ग के मैच गुरुवार को खेले गए। तीनों ग्रुप में 24 स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। अंडर 15 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय अनिगड़ा ने आरसी बालक मध्य विद्यालय खूंटी को 3-0 से पराजित किया और विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

# खूंटी में पीएलएफआई के एरिया कमांडर समेत दो नक्सली गिरफ्तार

संवाददाता

**खूंटी।** प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के एरिया कमांडर विष्णु मांझी के साथ एक अन्य नक्सली सामू डोडराय उर्फ फुटू को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास एक देसी कट्टा, तीन कारतूस, पीएलएफआई के चार पर्चे, चोरी की बाइक (जेएच 01पी 4246) और पांच मोबाइल बरामद किये हैं।

तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने गुरुवार को कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि तोरपा थाना के तेतरटोली के पास दो व्यक्ति एक ग्रे रंग की मोटरसाइकिल से घूम हैं और हथियार रखे हुए हैं। इसमें एक व्यक्ति पीएलएफआई का एरिया कमांडर भी है। एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी टीम जब तेतरटोली के पास पहुंची तब देखा कि दो व्यक्ति ग्रे रंग की मोटरसाइकिल से आ रहे थे। पुलिस

को देखकर दोनों भागने लगे। सशस्त्र बल के सहयोग से दोनों को पकड़ लिया गया।

पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम विष्णु मांझी उर्फ एडी उम्र (20) निवासी जरिया कुटाम थाना तोरपा बताया जबकि दूसरा सामू डोडराय उर्फ फुटू है। सामू भी जरिया कुटाम का ही रहने वाला है। तलाशी के दौरान विष्णु मांझी के पास से एक देसी पिस्तौल और तीन कारतूस के अलावा अन्य सामान बरामद किये गये। एसडीपीओ ने कहा कि यह पुलिस की बड़ी सफलता है। तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय और तपकार के थाना प्रभारी राजू कुमार को पुरस्कृत करने का आग्रह एसपी से किया जाएगा।छापेमारी दल में तोरपा अंचल के पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय, तपकरा के थाना प्रभारी राजू कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक श्यामल कुंभकार, सहायक अवर निरीक्षक रमजानुल हक, आरक्षी चमरा मुंडा, सर्वजीत कुमार, गोपाल भगत रितेश कुमार और रविंद्र कुमार सिंह शामिल थे।

### पहले भी जेल जा चुके हैं दोनों नक्सली

एसडीपीओ ने बताया कि एरिया कमांडर विष्णु मांझी को दो बार पुलिस 17 सीएलए और अन्य धाराओं के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। एक बार सिमडेगा पुलिस और एक बार गुमला पुलिस ने विष्णु मांझी को जेल भेजा था। वह 15 दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर निकला था और फिर से नक्सली गतिविधियों में शामिल हो गया। बताया गया कि विष्णु का बड़ा भाई कार्तिक मांझी भी सक्रिय नक्सली है और इस समय वह जेल की सलाखों के पीछे है। कार्तिक मांझी के खिलाफ 17 सीएलए सहित विभिन्न संगीन धाराओं के तहत विभिन्न थानों में आठ मामले दर्ज हैं। एसडीपीओ ने बताया गिरफ्तार दूसरा उग्रवादी सामू डोडराय उर्फ फुटू भी नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में जेल जा चुका है।

## पांडुपुन्डिंग जलप्रपात में डूबने से दो छात्रों की मौत, एक का शव बरामद

संवाददाता

**खूंटी।** जिले के प्रसिद्ध पांडुपुन्डिंग जलप्रपात में डूबने से सन्नी गुप्ता और आदि कुमार दो छात्रों की मौत हो गई। सन्नी कुमार कोडरमा जिले के चंदवारा निवासी सुभाष कुमार साहू का पुत्र था, जबकि आदि कुमारा रांची के हरमू चौक का रहनेवाला था। सन्नी का शव बरामद कर लिया गया, जबकि आदि का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है।

जानकारी के अनुसार आदि और सन्नी अपने अन्य दस दोस्तों के साथ गुरुवार को अपने मित्र अंकित कुमार का जन्मदिन मनाने तपकारा थाना क्षेत्र के पांडुपुड़िंग जलप्रपात गये थे। जन्मदिन का केक काटने के पहले सभी बारह लड़के नहाने के लिए जलप्रपात में घुस गये। पानी के तेज बहाव के कारण सन्नी डूबने लगा। उसे बचाने के लिए आदि कुमार और अन्य लड़के भी जलप्रपात के गहरे पानी में चले गये, जहां सन्नी के साथ आदि कुमार भी डूब गया। उसके दोस्त किसी प्रकार सन्नी को निकालकर मोटरसाइकिल से ही तोरपा स्थित रेफरल अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर तपकारा के थाना प्रभारी राजू कुमार अन्य पुलिस कर्मियों के साथ पांडुपुड़िंग गये और आदि के शव को खोजने का प्रयास किया, लेकिन शाम हो जाने के कारण शव नहीं मिल सका। शुक्रवार को आदि कुमार के शव की फिर से तलाश की जायेगी। दोनों मृत छात्रों के परिवार वालों को घटना की जानकारी दे दी गई है। समाचार लिखे जाने तक मृतक के स्वजन तोरपा नहीं पहुंचे थे।

## पुलिस ने अज्ञात युवक का शव किया बरामद

संवाददाता

**सिल्ली।** रांची-पुरुलिया मार्ग पर आजसू प्रधान कार्यालय के समीप गुरुवार को सिल्ली पुलिस ने एक 25 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। सिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह 5 बजे सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पहुंची, जहां सड़क पर 25 वर्षीय अज्ञात युवक को गंभीर अवस्था में पड़ा पाया। उसे सिल्ली अस्पताल लाया गया, जहां चिकत्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शरीर पर कई जगह पर चोट के निशान थे। संभवत किसी अज्ञात वाहन की चपेट के आने से घटना घटी होगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया गया। इधर पुलिस घटना की जांच की जा रही है। वहीं पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने उक्त युवक को पिछले कई दिनों से सिल्ली आसपास में घूमते तथा विक्षित जैसा हरकत करते भी देखा है।

## आईना की टीम ने लगाया एग्जिबिशन, लोगों ने खूब की खरीदारी

संवाददाता

**रामगढ़ ।** रामगढ़ शहर के होटल शिवम इन में रांची की महिलाओं का मशहूर ग्रुप आईना के द्वारा लाइफस्टाइल प्रदर्शनी लगाया गया। गुरुवार को इस एग्जीबिशन में आए लोगों ने खूब खरीदारी की। साथ ही यहां की डिजाइनर साड़ियों, इंडो वेस्टर्न डिजाइन और मेकअप के समान की खूब तारीफ हुई। एक्जीबिशन में जीवन की जरूरत से जुड़ी लगभग सभी तरह के समान लगाये गये थे ।

प्रदर्शनी में कोलकाता से नेचुरल स्किन केयर के कास्मेटिक्स के आइटम लगाने वाली नैना अट्टलानी ने बताया हमारे सारे उत्पाद घर में हाथों से बनाये गये हैं। इसमें किसी

भी रसायन का प्रयोग नहीं किया गया । नैना मैवाड़ ने बताया कि कुमकुम, तैलम और विटामिन सी नाईट क्रीम बिलकुल हट के है। जिसकी बाजार में बहुत माँग है । गिरिडीह से सुजाता तयाल की आर्टिफीसियल ज्वैलरी के स्टाल को सराहा गया । छत्तीसगढ़ से अभिलाषा जैन ने डिजाइनदार खूबसूरत साड़ियों को लोगों ने खूब पसंद किया । डिजाइनर ड्रेसेज के स्टाल संचालक राजेश मिश्रा ने बताया कि रामगढ़ में मिले रुझान से हम बहुत खुश हैं ।

इंडो वेस्टर्न के स्टाल की मीनाक्षी ने बताया उनके स्टाइलिस्ट कपड़ों को लोगों ने खूब पसंद किया है ।इसके अलावा माउथ फ्रेश्नर , गिफ्ट्स आइटम , राखी , भारतीय परिधान , फ्यूजन ड्रेसेज आदि अनेक स्टाल लगाए गए थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन मारवाड़ी महिला मंच की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणा जैन व डॉक्टर सौम्या जैन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया । भगवान श्री गणेश पर पुष्पांजलि कर प्रदर्शनी की सफलता की शुभकामनाएँ दी और पहली खरीदारी कर प्रदर्शनी की शुरूआत की । आईना फैशन एंड लाइफ स्टाइल विजन टीम की नीलम मोदी , प्रीति रामसीसरिया, रुचि झुनझुनावाला व अनीता खिरवाल ने बताया पिछले वर्ष मिले रुझान से उत्साहित हो रांची के बाद रामगढ़ में यह प्रदर्शनी लगाई गई।

## जिलास्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

- अंडर 17 में मांडू व अंडर 15 बालक वर्ग में पतरातू बना विजेता

संवाददाता

**रामगढ़।** स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग रांची के तत्वावधान में 26 जून से 28 जून 2024 तक रामगढ़ जिले के कैथा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय 63वी प्री सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर 17 व अंडर 15 बालक वर्ग से गोला ,मांडू, दुलमी पतरातु, चितरपुर और रामगढ़ प्रखण्ड की टीम ने भाग लिया। सभी टीमों के खिलाड़ियों से जिला सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद प्रभात

कुल्लू एवं वार्ड पार्षद देवधारी महतो ने परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। . अंडर 17 बालक वर्ग में विजेता टीम श्रमिक उच्च विद्यालय तोपा मांडू और उप विजेता उत्क्रमित उच्च विद्यालय कुल्ही दुलमी की टीम रही। वहीं, अंडर 15 बालक वर्ग में कैथोलिक आश्रम भुरकुंडा पतरातु की टीम ने गोला कीटीम पर 2-0 से जीत दर्ज किया। इसके उपरांत अतिथियों ने विजेता व उप विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मौके पर देवधारी महतो ने कहा कि खिलाड़ियों की कभी हार नहीं होती हार केवल खेल की होती है। वहीं, जिला सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी आनंद प्रभात कुल्लू ने कहा कि खिलाड़ियों को हर संभव विभाग सहयता करती आई है और आगे भी करेगी। ,मंच का सफल संचालन शिक्षक डॉ सुनील कुमार कश्यप ने संस्कृत में किया जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की । मौके पर संजय कुमार राय, शारीरिक शिक्षक मिथलेश कुमार रविदास,सोनू करमाली, बलबिंदर सिंह, आशीष कुमार दास, कमल महतो, रविन्द्र दुबे, शेखर कुमार, कुलदीप कुमार, राजवीर सिंह,संजय कुमार राय,निरंजन महतो, रौशन करमाली, पुष्पा कुमारी, रिंकी कुमारी, मीनू कुमारी हांसदा, प्रियंका कुमारी, सोनू करमाली ,कमल कुमार महतो , शेखर कुमार ,रविंद्र कुमार रविदास, मनोज तिर्की आदि उपस्थित थे।

## आंगनबाड़ी भवन जर्जर, घटना की आशंका

संवाददाता

**सोनाहातू।** सोनाहातू प्रखंड की बारेन्दा पंचायत के चरकुडीह गांव का आंगनबाड़ी भवन जर्जर स्थिति में है। आंगनबाड़ी केंद्र की छत कई जगह से गिरने की स्थिति में है। केंद्र में एक भी दरवाजा और खिड़की सही नहीं है। जिस कारण कभी भी बड़ी घटना होने की आशंका जतायी जा रही है।

दरवाजा नहीं होने के कारण कभी भी आवारा कुत्ता, बैल, बकरी, प्रवेश कर डेरा जमा लेते हैं। केन्द्र में बाथरूम बनाया गया था, लेकिन देखरेख नहीं होने के कारण बर्बाद हो चुका है। केंद्र की चहारदीवारी भी गिर चुकी है। पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। केन्द्र में सोलर टंकी, तो लगी है, लेकिन मशीन का कहीं आता-

पता नहीं है। विभाग के पदाधिकारी कभी भी केन्द्र का निरीक्षण नहीं करते हैं। सेविका द्वारा केंद्र की मरम्मत का आवेदन कई बार दिया गया है। इधर सोनाहातू प्रखंड विकास पदाधिकारी खगेस कुमार का कहना है कि वर्तमान में आंगनवाड़ी भवन जर्जर होने के कारण किराए के मकान में चलाया जा रहा है। आंगनबाड़ी सेविका लखीमनी देवी का कहना है कि करीब 1 साल से सहायिका के घर में आंगनवाड़ी केंद्र चलाया जा रहा है। विभाग में सीडीपीओ को इस विषय पर आवेदन भी दिया गया था, परंतु अभी तक कुछ कार्रवाई नहीं हुई है। प्रत्येक महीने इसकी रिपोर्ट भी दी जा रही है। सेविका का कहना है कि 1 साल से सहायिका का घर में केंद्र चलाया जा रहा है, लेकिन अभी तक किसी भी तरह का मकान का किराया नहीं मिला है। आखिर आंगनबाड़ी केंद्र के नाम पर किराया किसको दिया जाता है। जानकारी नहीं दी जाती है।

### मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, खूंटी में जिलास्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन

# कार्य कुशलता और क्षमता दिखाते हुए बच्चों को पढ़ाएं शिक्षक : डीसी

संवाददाता

**खूंटी।** निपुण समागम के तहत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) खूंटी में 100 शिक्षकों के चार दिवसीय शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण कार्यशाला के समापन पर गुरुवार को जिला स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, खूंटी में किया गया। टीएलएम मेला का उद्घाटन उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने किया।

मौके पर अनुमण्डल पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, खूंटी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक और अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, उपस्थित थे। जिला स्तरीय टीएलएम मेला में एफएलएन कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों द्वारा प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों को रुचिकर, आकर्षक एवं खेल के माध्यम से सीखने- सिखाने के लिए

विभिन्न प्रकार के निर्मित टीएलएम की प्रदर्शनी की गई। उपायुक्त ने शिक्षकों द्वारा मेले में प्रदर्शित सभी टीएलएम का बारीकी से अवलोकन किया और शिक्षकों से उस टीएलएम के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने के तरीके का भी अवलोकन किया।

उपायुक्त ने शिक्षकों एवं छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जिला स्तर पर आयोजित टीएलएम मेला में शिक्षकों द्वारा काफी आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक टीएलएम का प्रदर्शन किया गया है। इसी प्रकार के टीएलएम का निर्माण सभी विद्यालयों के शिक्षकों को बच्चों के पठन-पाठन के लिए किया जाना है। जिस प्रकार राज्य स्तर से एफएलएन कार्यक्रम प्रारंभिक कक्षाओं के लिए संचालित किया जा रहा है। उसी प्रकार जिला प्रशासन द्वारा छात्रों के अधिगम स्तर में अपेक्षित गुणवत्तापूर्ण सुधार के लिए बेसिक कार्यक्रम सभी प्रखण्डों में संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से बच्चों के अधिगम स्तर में अपेक्षित प्रगति देखने को मिल रही है।

जिला प्रशासन का विशेष ध्यान एफएलएन कार्यक्रम पर है और इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए शिक्षा विभाग को आवश्यक सहयोग भी किया जायेगा।कार्यक्रम की उपलब्धि की समय-समय पर समीक्षा भी की जायेगी। डीसी ने बताया कि कार्य कुशलता एवं कार्य क्षमता को दिखाते हुए शिक्षक बच्चों को शिक्षित करें। सभी शिक्षक सक्रिय रूप से बच्चों के बहुमुखी विकास में भागीदार बनें। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान एवं एक्टिविटी बेस्ड कार्य आवश्यक है। इसमें जिला प्रशासन अपेक्षित सहयोग के लिए तैयार है। यह कार्यक्रम एवं बेहतर शिक्षा हमारी प्राथमिकताओं में से एक है। मेले में टीएलएम सामग्रियों का अवलोकन आरसी बालक मध्य विद्यालय, राजकीय प्राथमिक विद्यालय प्रखण्ड कॉलोनी, उसुर्लाइन बालिका मध्य विद्यालय, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कन्या, खूंटी और डीएवी पब्लिक स्कूल खूंटी के लगभग एक हजार बच्चों ने किया।

## संगठित और असंगठित क्षेत्र में मजदूर अपना पंजीकरण जरूर कराएं: श्रम अधीक्षक

संवाददाता

**खूंटी।** श्रम अधीक्षक कार्यालय में सिंदुआर टोला ग्रामोदय विकास विद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को जिला स्तरीय कायार्शाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन श्रम अधीक्षक बबन कुमार सिंह, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष तनुश्री सरकार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो अलताफा खान और संस्था के सचिव राजेन कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

श्रम अधीक्षक बबन कुमार सिंह ने कहा कि संगठित एव असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का पंजीकरण श्रम विभाग में होता है। मजदूर यदि इस कार्यालय या ऑनलाइन पंजीकरण कराते है और वर्ष में एक बार उसे नवीकरण कराते है, तो बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, विकलांगता, विवाह, आकस्मिक मृत्यु, निःशक्तता के स्थिति में विभाग द्वारा आर्थिक मदद दी जाती है। उन्होंने कहा कि जब इस कार्यालय आये हैं, तो पूरी जानकारी लेकर जाए। तनुश्री सरकार ने कहा कि असुरक्षित पलायन का सबसे ज्यादा दर्द महिलाओ एव बच्चों भुगतना पड़ता है। असुरिक्षत पलायन रोकने के लिए नशापान को रोकना जरूरी है। बहुत हद तक गरीबी एव अशिक्षा के लिए नशापान जिम्मेदार है। नशापान रोकने एव समाज को सशक्त बनाने के लिए महिलाओ को आगे आना होगा। तभी स्वस्थ्य समाज का निर्माण हो सकेगा। मो अलतफा खान ने कहा कि अनाथ, गरीब और जिन बच्चों के माता-पिता गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं, उन बच्चों को स्पॉन्सरशिप से जोड़कर प्रत्येक माह चार हजार की मदद दी जाती है। संस्था के सचिव राजेन कुमार ने कहा कि श्रम विभाग से कई योजनाएं संगठित एव असंगठित मजदूरों के लिए चलाई जा रही है, लेकिन श्रम विभग में पंजीकरण एव नवीकरण समय-समय पर करना आवश्यक है।

## संक्षिप्त

### रांची में विभिन्न जगहों पर नोट और सिक्का विनिमय मेलों का आयोजन

**रांची** : मुद्रा एक्सचेंज की सुविधा के ठोस प्रयास में, भारतीय स्टेट बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, एवं बैंक ऑफ इंडिया ने आरबीआई पटना के सहयोग से, रांची में विभिन्न जगहों पर नोट और सिक्का विनिमय मेलों का आयोजन किया। एक्सचेंज मेले का उद्घाटन आरबीआई के प्रबंधक श्री अजय कुमार पटेल ने किया। उद्घाटन के दौरान उन्होंने लोगों को बताया कि कटे-फटे और गंदे नोटों को बदलने की सुविधा सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध है और जनता को इस तरह की पहल का लाभ उठाने और अपने पुराने या गंदे नोटों को नए नोटों से बदलने के लिए जागरूक किया, जिससे अर्थव्यवस्था के भीतर स्वच्छ मुद्रा के प्रचलन में योगदान हो सके। साथ ही, उन्होंने जनता बताया कि 1 और 2 मूल्यवर्ग के सिक्के वैध मुद्रा हैं और इन सिक्कों को भी स्वीकार करें।

### मौलाना मोबिन रिजवी बने राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष

**रांची** : मौलाना अब्दुल मोबिन रिजवी राष्ट्रीय जनक्रांति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। मोर्चा के संस्थापक केंद्रीय अध्यक्ष आलम अशर्फी ने खुद को मोर्चा मुक्त होते हुए मौलाना रिजवी को पार्टी संगठन चलाने की जिम्मेदारी सौंप दी है। मोर्चा एक रजिस्टर्ड राजनीतिक दल है। निर्वाचन आयोग ने 2014 इसे एक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता दी है। मौलाना रिजवी को मजबूती के साथ संगठन को चलाने के लिए प्रदेश, जिला प्रखंड और पंचायत स्तर पर कमेटियों का गठन करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि मौलाना मोबिन रिजवी पिछले 30 वर्षों से राजनीतिक और सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते रहे हैं।

### धोखाधड़ी मामले में जमीन कारोबारी गिरफ्तार

**रांची** : पिठौरिया थाना पुलिस ने गुरुवार को जमीन कारोबारी दीपक कुमार पाठक को धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पूर्व के मामले में दीपक पाठक को गिरफ्तार किया गया है। वह फरार चल रहा था। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

### नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में दो गिरफ्तार

**रांची** : ओरमांझी थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में ओरमांझी निवासी सुबोध कुमार जयसवाल और हीरालाल महतो शामिल है। इनके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया स्वीफ्ट कार, कपड़ा, मोबाईल, आधार कार्ड, शराब का बोतल सहित अन्य सामान बरामद किया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 19 जून की सुबह डायल 112 के द्वारा सूचना दी गई कि ओरमांझी थाना क्षेत्र के आनंदी गांव स्थित नयाटोली में नाबालिग लड़की जख्मी अवस्था में पडी है। सूचना के बाद महिला पुलिस पदाधिकारी को अन्य पुलिसकर्मियों के साथ वहां पहुंचकर जख्मी नाबालिग को ईलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिस्का, ओरमांझी ले जाया गया, जहां के चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर ईलाज के लिए नाबालिग को रिम्स अस्पताल भेज दिया।

### रांची में सरना झंडा को लेकर विशेष बैठक

**रांची** : केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय कार्यालय 13 आर आई टी बिल्डिंग कचहरी परिसर रांची में सरना झंडा को लेकर विशेष बैठक की गई बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष श्री फूलचंद तिर्की ने किया बैठक में जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री गणेश राम भगत के द्वारा लाल सफेद झंडा सरना झंडा आदिवासी समाज का प्रतीक चिन्ह नहीं है इसलिए आदिवासी झंडा को लगाना बंद करें और सफेद एवं हनुमान झंडा लगाए क्योंकि सभी आदिवासी सनातन हिंदू संस्कृति से जुड़े बताना इस ब्यान को लेकर केन्द्रीय सरना समिति ने कड़ी निंदा की।

# सेना भर्ती रैली शुरू, रांची में 10 अगस्त तक चलेगी

**संवाददाता**

**रांची**। झारखंड के लिए वर्ष 2024-25 के लिए सेना भर्ती रैली 27 जुलाई से 10 अगस्त, 2024 तक रांची में होगी। भर्ती के आयोजन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची उत्कर्ष कुमार और अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में डायरेक्टर रिक्रूटमेंट (रांची) कर्नल विकास भोला एवं भर्ती से सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित रहें।

**तैयारियों को लेकर की गई चर्चा**

बैठक के दौरान सेना भर्ती रैली को लेकर कर्नल विकास भोला ने कहा कि? भर्ती में रांची जिले के युवाओं को सेना में ज्यादा से ज्यादा शामिल करना हमारा लक्ष्य है। रांची जिला के युवा ज्यादा से ज्यादा सेना में भर्ती हो कर अपना भविष्य बनाएं। ये हमारी प्राथमिकता है।

**सभी व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग**

कर्नल विकास भोला ने कहा की रैली के दौरान विधि और व्यवस्था, रैली

**युवाओं के लिए सेना में शामिल होने का सुनहरा अवसर**

ग्राउंड में भर्ती स्थल की चौतरफा सुरक्षा, ग्राउंड में सीजीआई शीट बैरिकेडेड क्षेत्र, 1.6 कि.मी. रन एरिया और निर्धारित विश्राम क्षेत्र के आसपास सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, मेडिकल कवर, रैली स्थल पर एम्बुलेंस के साथ मेडिकल टीम 10 अगस्त तक रैली के सभी दिनों में सुबह 4 बजे से उम्मीदवारों की किसी भी चोट/बीमारी के मामले में देखभाल करने एवं अन्य सभी व्यवस्था उपलब्ध कराने को कहा। जिला प्रशासन ने सारी व्यवस्था उपलब्ध कराने की बात कही।

**दलालों से दूर रहने की सलाह**

अनुमंडल पदाधिकारी (सदर) रांची उत्कर्ष कुमार ने सभी सेना में शामिल होने वाले उम्मीदवारों का शोषण करने वाले दलालों से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने सभी उम्मीदवारों से विशेष रूप से कहा कि? सेना भर्ती पूरी पारदर्शिता से होती है। इसमें जो सभी अर्हता पूरी नहीं करता, उनकी भर्ती किसी भी हालत में नहीं हो सकती है। इसलिए आप उम्मीदवार दलालों से दूर रहेगा। उनके किसी भी झांसे में नहीं आने की जरूरत है।

# राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के गैर जरूरी पदों को करें सरेंडर : मोना गुप्ता

- केन्दीय टीम ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की बेहतरी के लिए दिए कई सुझाव
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में बैठक

**संवाददाता**

**रांची**। नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेन्टर की सलाहकार मोना गुप्ता और लीड कंसल्टेंट स्वाति राय ने 27 जून को नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में राज्य में चल रहे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत कार्यक्रमों को और बेहतर करने के लिए कई सुझाव दिए। इसके पूर्व टीम ने हजारीबाग जिले का भ्रमण किया। बैठक में निदेशक प्रमुख (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ चन्द्र किशोर शाही, उपनिदेशक डॉ वीरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ जॉन एफ कैनेडी, डॉ लाल मांझी, डॉ प्रदीप कुमार सिंह, डॉ डी.पी. सक्सेना ने भी राज्य और केन्द्र के बीच आवश्यक सहयोग एवं समन्वय के लिए अपने विचार रखे।

विदित हो कि नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेन्टर भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए थिंक टैंक के रूप में काम करता है। इसका कार्य राज्यों को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना, उसे संगठित करना, क्षमता निर्माण में नीति और रणनीति विकास में सहायता प्रदान करना है।

श्रीमती मोना गुप्ता ने कहा कि झारखंड रिसोर्स एनवेलप में किए गए बजटीय प्रावधानों की जानकारी सभी कर्मियों को हो। सबसे जरूरी काम को सबसे पहले किया जाय। उन्होंने ह्यूमन रिसोर्स के रेसनलाइजेशन पर बल देते हुए कहा कि गैर-जरूरी पदों को सरेंडर करें। यदि स्थायी बहाली में विलंब हो रहा हो तो जरूरी पदों पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत भर्ती करें, ताकि आम जनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

मोना गुप्ताय ने कहा कि मानव बल के भर्ती के समय उच्च मानदंडों का पालन हो और नियुक्ति के बाद उन्हें कार्य और दायित्व का भी भान हो। उन्होने कर्मचारियों के काम के आकलन के लिए बेंचमार्क बनाने का भी सुझाव दिया। उन्होने कहा कि मानव बल से सिर्फ काम ही न लिया जाए, बल्कि उनके हितों का भी ध्यान रखा जाए। उन्हें समय पर मानदेय मिले। समय-समय पर मानदेय वृद्धि का भी लाभ दिया जाय।

बदलते समय के साथ मानव बल को प्रशिक्षित कर दक्ष भी बनाने की वकालत की। जिलों में अनटाईड फंड को कैसे इस्तेमाल करना है इससे संबंधित प्रशिक्षण की अवश्यकता पर भी ध्यानाकृष्ट कराया। समय-समय पर राज्य कर्मियों के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के भ्रमण, कमियों के आकलन और उसके समाधान से संबंधित प्रतिवेदन देने के लिए परामर्श दिया।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मल्टीसेक्टोरल डिपार्टमेंट है, इसलिए सभी विभागों से समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता को ध्यान में रखने की बात कही। इस मौके पर राज्य कार्यक्रम प्रबंधक अनिमा किस्कु, राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकय मिंज, मानव संसाधन कोषांग परामर्शी अवनी प्रसाद सहित सभी कार्यक्रमों के राज्य परामर्शी, समन्वयक और कार्यक्रम सहायक उपस्थित थे।

## मंत्री के आदेश के बाद बाल संसद में हो रहा स्कॉलरशिप मंत्री का चयन

- बच्चों को छात्रवृत्ति के प्रति जागरूक करना है उद्देश्य

**संवाददाता**

**रांची**। राज्य के सरकारी स्कूलों में संचालित बाल संसद में स्कॉलरशिप मंत्री पद का सृजन किया जा रहा है। अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ के आदेश के उपरांत उपरोक्त पदों का सृजन हो रहा है, ताकि बच्चे छात्रवृत्ति को लेकर जागरूक हो सकें।

**छात्रवृत्ति के लिए जागरूक कर रही**

ऐसी ही एक मंत्री बनी जानकी कुमारी। पूर्वी सिंहभूम के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाली जानकी अब बच्चों को छात्रवृत्ति के लिए जागरूक कर रही है। वह यह सुनिश्चित करती है कि उसके विद्यालय के सभी बच्चों को छात्रवृत्ति प्राप्त हो। ऐसे ही सभी सरकारी विद्यालयों में जानकी जैसे बच्चों को छात्रवृत्ति मंत्री पद पर नियुक्त किया जा रहा है।

**मंत्री ने उपायुक्तों को दिए हैं ये निर्देश**

इससे पूर्व मंत्री दीपक बिरुआ ने जिला के उपायुक्तों को स्कूल स्तर पर कैंप लगाकर मिशन मोड में सभी छात्र- छात्राओं का आधार कार्ड बनाने, आधार कार्ड को बैंक खाता से जोड़ने, केवाईसी कराने, ऑनलाइन जाति और आय प्रमाण पत्र बनाने का कार्य संपन्न करने का निर्देश दिया है।

**स्कॉलरशिप मंत्री की ये है**

**जिम्मेवारी**

विभिन्न विद्यालयों में बनाए जा रहे स्कॉलरशिप मंत्री को सभी छात्रों के लिए पात्रता मानदंड, आवेदन की अंतिम तिथि और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में सटीक और अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराना होगा। उन्हें यह सुनिश्चित करना है कि उनके स्कूल के सभी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन पूरा हो। प्रधानाचार्यों से भी फॉलोअप करना होगा, ताकि किसी अस्वीकृति के बारे में पता चल सके और फिर सुधारात्मक उपाय किए जा सकें। योग्य छात्रों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रशासन के साथ मिलकर काम करना है, ताकि विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करें। आवेदन प्रस्तुतियों का ट्रैक रिकार्ड रखना और छात्रों के साथ फॉलोअप कर प्रक्रिया को पूरा करना भी कार्य दायित्व में शामिल है।

## प्री मॉनसून मेला एक्जिबिशन का आगाज

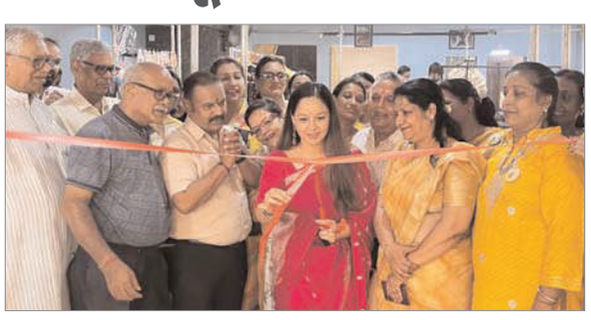

**संवाददाता**

**रांची** : माहेश्वरी महिला समिति रांची के सौजन्य से प्री मोनसून मेला एक्सहिबिशन का आगाज माहेश्वरी भवन पर हुआ। विभिन्न शहर से आई महिला उद्यमियों का हौसला बढ़ाने के लिए मेले में मुख्यअतिथि के रूप में गार्गी मलकानी जो वर्तमान में धारित्री कला केंद्र, रांची की निदेशक हैं, जिसका उद्देश्य झारखंड में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत कथक की जड़ों को मजबूत करना है, जिनका स्वागत महिला अध्यक्ष भारती चितलांगिया,सचिव बिमला फलोर ने किया, साथ ही माहेश्वरी प्रदेश सभा अध्यक्ष राजकुमार मारू, कोषाध्यक्ष शिव शंकर साबू, रांची सभा अध्यक्ष किशन साबू, सचिव नरेंद्र लखोटिया युवा अध्यक्ष विनय मंत्री, सचिव हेमंत माहेश्वरी, मुकेश काबरा* का मेला सयोंजीका निवर्तमान अध्यक्ष विजयश्री साबू, उपाध्यक्ष अनीता साबू, वंदना मारू, कोषाध्यक्ष सरला चितलांगिया ने अभिनंदन किया` सभी ने महादेव शंकर जी को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया` मंच संचालन मेला सयोंजीका विनीता बिहानी ने किया` मीडिया प्रभारी एवं मेला सयोंजीका रश्मि मालपानी ने बताया गार्गी जी ने उमंग मेले में भाग लेने वाले सभी उद्यमियों को शुभकामना दी एवं जीवन में अपने लक्ष्य में आगे बढ़ने के लिए हौसला बढ़ाया` मेला परिसर घूमते हुए सभी से बात की, उनका मनोबल बढ़ाया एवं खरीदारी भी की` मेला सयोंजीका ममता डागा, रंजू मालपानी ने कहा खासकर कम पूंजी में घर बैठे काम कर रही महिलाओं के लिए इस तरह के मंच प्रदान करने के लिए गार्गी जी ने महिला समिति की सभी सदस्य के लिए सराहनीय शब्द कहे। तीन दिवसीय इस मेले में गोल्ड डायमंड के गहने, साड़ी, लहंगा, कुर्ती, गाउन, हैंड मेड जेवलेरी, राखी, क्रॉकरी, केक, के साथ लजीज व्यजन के स्टाल्स लगे है। एग्जिभीशन के सफल आयोजन में पूर्व अध्यक्ष सुमन चितलांगिया एवं रेनू फलोर के साथ शारदा, कुमुद, सीमा, खुशबू, नेहा, रेखा, लक्ष्मी, शिखा, सुमन, भावना, सभी महिला समिति का साथ रहा।

## राज्य के प्रखंड कार्यालयों में आजसू पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

**रांची** : आजसू पार्टी ने हल्ला बोल कार्यक्रम के दूसरे दिन गुरुवार को सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, बिजली आपूर्ति में अनियमितता, मनरेगा मजदूरों को मजदूरी न मिलना, पलायन, मानव तस्करी, प्रशासनिक उदासीनता समेत जनमानस को आ रही अन्य समस्याओं के खिलाफ नगर राज्य के विभिन्न प्रखंड कार्यालयों में जाकर सम्बंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। हल्ला बोल कार्यक्रम के दूसरे दिन बोकारो जिला के चास प्रखंड, लोहरदगा जिला के कुडू प्रखंड, गढ़वा जिला के रंका प्रखंड, सिमडेगा जिला के बोलबा प्रखंड, देवघर जिला के सारवां प्रखंड, साहिबगंज के सदर प्रखंड, गुमला जिला के सदर प्रखंड, जामताड़ा जिला के फतेहपुर प्रखंड कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

## पेड़-पौधे हैं तो जीवन है : बाबूलाल मरांडी

**संवाददाता**

**रांची** : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को खिजरी विधानसभा क्षेत्र के सिकिदिरी मंडल अंतर्गत नवागढ़ पंचायत में भाजपा की ओर से आयोजित एक वृक्ष मां के नाम के तहत पौधारोपण सह बूथ कार्यकर्ता सम्मान, अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित किया।

मरांडी ने कहा प्रकृति हमारी मां है जो समस्त पृथ्वी वासियों की रक्षा करती है। प्रकृति की शोभा पेड़ पौधे, वृक्ष हैं। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाकर हम प्रकृति की सुरक्षा सुनिश्चित करें, तभी प्रकृति हमारे जीवन की रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने स्थापना काल से केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि रचनात्मक कार्यक्रम के साथ

भी जनता की बीच जाती है। भाजपा प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा के लिए संकल्पित है।

मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस वर्ष हमारे पार्टी के प्रेरणा पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस 23 जून से लेकर उनकी जयंती छह जुलाई तक एक पेड़ मां के नाम लगाने के अभियान का आह्वान किया है। पार्टी के बूथ से लेकर राष्ट्रीय स्तर के कार्यकर्ता इस अभियान को सफल बनाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि मां के नाम पेड़ लगाकर हमे उसकी देखभाल की जिम्मेवारी लेनी है, उसे बचाना भी है। उन्होंने जनता एवं कार्यकताओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

**13 कस्तूरबा गांधी बालिका और 5 झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 के नामांकन को लेकर बैठक**

# प्रखंडस्तरीय समिति से अनुमोदित सूची पर विस्तृत चर्चा

- प्रखंडस्तरीय समिति से अनुमोदित सूची पर विस्तृत चर्चा के उपरांत कक्षा 6 हेतु कस्तूरबा विद्यालय के कुल 948 एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कुल 250 छात्राओं के नामांकन की स्वीकृति प्रदान की गयी

**संवाददाता**

**रांची** : उपायुक्त रांची, राहुल कुमार सिन्हा के निदेर्शानुसार आज समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में रांची जिला के 13 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय एवं 5 झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 6 के नामांकन हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सांसद प्रतिनिधि एवं विधायक प्रतिनिधि, जिला शिक्षा पदाधिकारी, रांची, विनय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक मिथलेश केरकेट्टा, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, रांची कौशल किशोर, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी बालिका शिक्षा प्रभारी निशि प्रभा एवं सभी प्रखंड के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं सभी वार्डेन उपस्थित रहे। प्रखंड स्तरीय समिति से अनुमोदित सूची पर विस्तृत चर्चा के उपरांत कक्षा 6 के नामांकन हेतु कस्तूरबा विद्यालय के कुल-948 एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय में कुल -250 छात्राओं के नामांकन की स्वीकृति प्रदान की गई। जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची द्वारा नामांकन का कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया गया। बैठक में समग्र शिक्षा अभियान कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। जिसमें सभी प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। जिला शिक्षा पदाधिकारी रांची द्वारा जिला स्तर से सभी कार्यक्रम को गति प्रदान करने का निर्देश दिया गया।

## विशेष मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन 41 मामलों को सुलझाया गया

**संवाददाता**

**रांची** : झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा माननीय न्यायायुक्त -सह -अध्यक्ष डालसा, रांची के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय, रांची में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान दिनांक 24.06.2024 से शुरू हो गया है। यह मध्यस्थता अभियान दिनांक 28.06.2024 तक चलेगा। वादकारी 28.06.2024 तक मध्यस्थता केंद्र, रांची में आकर मध्यस्थता के माध्यम से वादों को सुलझा सकते है। विशेष मध्यस्थता अभियान में तलाक संबंधी मामले, वैवाहिक पुर्नस्थापना के मामले, दत्तक ग्रहण के मामले, भरण-पोषण के मामले, बच्चों के संरक्षकता एवं अभिरक्षा के मामले, परिवार न्यायालय में लंबित अन्य मामले, दहेज प्रतिषेध अधिनियम के मामले, भा0द0वि0 की धारा-498ए के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, घरेलू हिंसा अधिनियम के अन्य मामलों का निस्तारण मध्यस्थों व अधिवक्ताओं के द्वारा किया जायेगा। उक्त तिथि को वादकारी उपस्थित होकर अपने वादों का निस्तारण करा सकेते हैं।

ज्ञात हो कि विशेष मध्यस्थता अभियान के चौथे दिन कुल 47 (सैंतालिस) मामले विभिन्न न्यायालय से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र रांची में आये थे। इनमें से कुल 41 (ईकतालीस) मामलों को सुलझाने में सफलता मिली और दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये। अन्य मामलों में अभी अंतिम स्तर की बातचीत बाकी है, इसलिए वे मामले विशेष मध्यस्थ के पास अगले स्तर के सुनवाई के लिए लंबित है।

उक्त मध्यस्थता अभियान दिनांक 24.06.2024 से 28.06.2024 तक चलेगा, जिसमें वादकारी अपने वाद को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझा सकते हैं। यह जानकारी डालसा सचिव ने दी।

## संक्षिप्त

### हिन्द मजदूर किसान यूनियन के जोनल सचिव बने निजामुद्दीन

**लातेहार** : राष्ट्रीय मोर्चा से संबद्ध यूनियन हिंद मजदूर किसान यूनियन की बैठक आम्रपाली के सामुदायिक भवन में आयोजित की गयी। बैठक में बालूमाथ निवासी निजामुद्दीन को मेसर्स सी.सी.एल. के थ्री एरिया अर्थात आम्रपाली-चंद्रगुप्त, मगध-संघमित्रा,राजहरा क्षेत्र का सर्वसम्मति से जोनल सचिव चुना गया है। निजामुद्दीन को जोनल सचिव चुने जाने पर जेनरल सेक्रेटरी इन्द्रदेव महतो ने उन्हें हिन्द मजदूर किसान यूनियन के नियमों का पालन करते हुए मजदूर हित एवं उद्योग हित में झारखण्ड प्रदेश के अंतर्गत औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत संगठित असंगठित मजदूरों की समस्याओं को औद्योगिक प्रबंधन तथा प्रदेश के प्रशासनिक पदाधिकारियों से मिल- बैठकर समाधान करने और संगठन को मजबूत बनाने का निर्देश दिया है।

### प्रवेश अग्रवाल लातेहार के नये डीएफओ बने

**लातेहार** : भारतीय वन सेवा के पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल लातेहार के नए वन प्रमंडल पदाधिकारी बनाए गए। इस आशय के अधिसूचना राज्य सरकार ने जारी कर दी है। आईएफएस श्री अग्रवाल के साथ सरकार ने भारतीय वन सेवा के 40 पदाधिकारी का तबादला किया है। लातेहार के निवर्तमान वन प्रमंडल पदाधिकारी रोशन कुमार को सिमडेगा का नया वन प्रमंडल पदाधिकारी बनाया गया है।

### ग्रामीणों ने खुद चंदा करके बनवाया चापाकल

**महुआडांड़/लातेहार** : महुआडांड परहाटोली पंचायत गांव में गुरुवार को किसान टोली के स्थित वर्षो से खराब चापाकल को ग्रामीणों ने टोला में घरो से चंदा कर बनवाया, चापाकल से बहने वाला गंदा पानी की निकासी के लिए नाली श्रमदान कर बनवाया, ग्रामीणों ने बताया वर्षो से ये चापाकल खराब पड़ा था, आस-पास के लोगों को पानी पीने के लिए दूर जाने में दिक्कत होता था। ग्रामीण ने बताया मुखिया से इस जगह नाली निर्माण की मांग कि गई है।

### चतरा लोकसभा चुनाव 2024 परिणाम के पश्चात अभ्यर्थियों के लेखा व्यय की जांच 30 को

**मेदिनीनगर** : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार लोकसभा चुनाव 2024 परिणाम के 26वें दिन एकाउंट रेकांशलिशन मीटिंग का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में चतरा समाहरणालय के सभाकक्ष में दिनांक 30 जून 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे चतरा लोकसभा चुनाव 2024 में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों का लेखा व्यय का जांच किया जायेगा। इस लेखा व्यय जांच में शामिल होने को लेकर चतरा के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने चतरा लोक सभा क्षेत्र से चुनाव में भाग ले चुके कुल 22 प्रत्याशियों से बैठक में शामिल होने को लेकर अनुरोध किया है।

### 13 जुलाई को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत : खुराना

**हजारीबाग** : जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले हजारीबाग व्यवहार न्यायालय के न्याय सदन में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। उक्त बातें डालसा सचिव गौरव खुराना ने अपने कक्ष में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में कही। उन्होंने बताया कि 24-28 जुन तक स्पेषल ड्राईव न्याय सदन में चलाया जा रहा है। इस दौरान कुटुम्ब न्यायालय से संबंधित 20 वादों का निष्पादन किया गया है। साथ ही कई मामलों में सराहणीय पहल चल रहा है। सकारात्मक परिणाम आने कि पूरी सम्भावना है। उन्होंने आगे बताया कि 29 जुन को विषेष लोक अदालत का आयोजन किा जायेगा। इस लोक अदालत में भूमि व राजस्व संबंधित विवादों का निष्पादन किया जायेगा। श्री खुराना ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सकारात्मक प्रयास से आज वादों का त्वरित निष्पादन किया जा रहा है। जिसमें दोनों पक्षों का समय और धन की बचत हो रही है। उन्होंने आम लोगों से अपील किया कि सुलहणीय वाद का त्वरित निष्पादन के लिए लोक अदालत में जरूर आये।

## अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न, दिये गये कई निर्देश

# को-ऑर्डिनेशन लेवल को इंप्रूव करें अधिकारी : डीसी

**संवाददाता**

**हजारीबाग** : केन्द्र एवं राज्य प्रायोजित कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही अड़चनों को समन्वय बनाकर दूर करने के उद्देश्य से अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक गुरुवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त नैन्सी सहाय ने कहा कि स्वीकृत योजनाओं को सही समय पर धरातल पर उतारने एवं अंतिम व्यक्ति तक इसका लाभ पहुचाने के लिए कर्त्तव्यबोध के साथ सभी विभाग आपस में समन्वय बनाकर कर कार्य करें। मौके पर उन्होंने सेवा अधिकार गारंटी अधिनियम के तहत झारसेवा के माध्यम से प्रदत्त सेवाओं की समीक्षा के क्रम में अंचल एवं प्रखण्ड स्तर से शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कार्यों हेतु निर्गत जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्रों के निर्गत करने में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों पर उपायुक्त ने कार्रवाई की बात कही। उन्होंने कहा कि अधिनियम के धाराओं के तहत लापरवाह अधिकारियों पर जुर्माना वसूलने की चेतावनी दी साथ ही कहा कि प्रमाण पत्र किसी व्यक्ति के भविष्य, रोजगार से जुड़ा महत्वपूर्ण दस्तावेज है अतः संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समयसीमा के अंदर प्रमाण पत्रों का निष्पादन करें। उन्होंने प्रखंड कार्यालयों के कार्यप्रणाली में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया। सरकारी योजनाओं के धरातल पर उतारने हेतु व्यक्तिगत इच्छाशक्ति का परिचय देने को कहा। लोक कल्याण से जुड़े जनता दरबार में आए मामलों के निरस रवैए पर उपायुक्त ने खासी नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारीयों को फटकार लगाई। अंचलाधिकारियों को भूमि विवादों को निबटारे में गंभीर होकर सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया। साथ ही कार्यकारी एजेंसियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि संबंधित मामलों के लिए राजस्व शाखा एवं अंचलाधिकारियों से समन्वय कर योजनाओं को यथाशीघ्र शुरू करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिला स्तर से स्वास्थ्य केन्द्रों, स्कूलों का सुदृढ़िकरण, आगंनबाड़ी केन्द्रों का जीर्णोद्धार व मॉडलीकरण आदि महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं जिसका क्रियान्वयन विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है उन कार्यों कि नियमित मॉनेटरिंग करने का निर्देश दिया

एवं कॉर्डिनेट कर अड़चनों को दूर करते हुए कार्यों में गति लाने का निर्देश दिया। पर्यटन के लिए बरकट्ठा के सूर्य कुंड के पास पार्क निर्माण एवं पदमा के कुछ क्षेत्रों को पर्यटन अधिसूचित भूमि चिन्हित किया गया है इस संबंध में संबंधित अंचलाधिकारियों को जल्द भू प्रतिवेदन भेजने का निर्देश दिया। कल्याण विभाग द्वारा वनाधिकार पट्टा का रिपोर्ट भेजने को कहा। सामाजिक सुरक्षा विभाग के द्वारा पेंशनधारियों का भौतिक सत्यापन मामले पर अपेक्षाकृत कम सत्यापन कराने वाले प्रखंडों बरकट्ठा, चलकुशा, विष्णुगढ़,डाडी के बीडीओ को गंभीरता पूर्वक कार्य संपादन का निर्देश दिया। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशनधारियों का शतप्रतिशत आधार सीडिंग कार्य को गंभीरता से लेते हुए पूर्ण करने का निर्देश दिया ताकि डुप्लीकेट पेंशनधारियों की पहचान हो सके।

समाज कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न प्रखंडों में आंगनवाडी केंद्रों के लिए भवन निर्माण हेतु भूमि का सत्यापन प्रतिवेदन अविलंब भेजने का निर्देश दिया। पीएम अभिम योजना से जिले में स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कराया जाना है, इसलिए बरकट्ठा,चूरचू, बरही,बड़कागांव एवं विष्णुगढ़ अंचलाधिकारियों को भूमि प्रतिवेदन जल्द भेजने को कहा ताकि निर्माण कार्य को प्रारंभ कराया जा सके। केंद्रो प्रायोजित योजना पीएम अभिम पर गंभीरता से कार्य करने को कहा। पेयजल विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन योजना की नियमित समीक्षा ब्लॉक लेवल पर करने का निर्देश सभी बीडीओ को दिया।

पशुपालन विभाग द्वारा सभी प्रखंडों से गोचर भूमि का रिपोर्ट उपलब्ध कराने सहित बरही प्रखंड के गौरीयाकर्मा के जमीन मापी की रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा। जेएसएलपीएस के महिला समूहों के लिए सभी प्रखंडों में क्लस्टर केंद्र की स्थापना किए जाने हेतु प्रखंडों के पुराने सरकारी भवनों को चिन्हित करने का निर्देश सभी बीडीओ को दिया।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने बताया कि सिकल सेल कैंपेन चलाया जाना है जिसके अंतर्गत एनीमिया की जांच की जाएगी। इस अभियान के सफल संचालन हेतु शिक्षा विभाग,स्वयं सहायता समूहों व जलसहिया के द्वारा सभी स्कूलों में अमीनिया जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। वहीं बारिश के मौसम में डायरिया के प्रकोप को कम करने के लिए साफ सफाई का विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने राज्य सरकार की फ्लैग्शीप योजनाओं के लिए लाभूक एवं योजना स्थल का चयन कर योजनाओं को समय पर प्रारंभ करने का निर्देश दिया। वहीं लोक शिकायत, जनशिकायत, उपायुक्त के जनता दरबार के माध्यम से लोगों की शिकायतों का निष्पादन के लिए प्राप्त आवेदनों को भी प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर संबंधित कार्यालयों में जनता की शिकायतों को निर्धारित तिथि को सुनने व उसके समाधान करने का निर्देश दिया। वहीं केन्द्र सरकार द्वारा प्रायोजित महत्वकांक्षी जलजीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल से जल के क्रियान्वयन में किये जा रहे कार्यों की गुणवत्ता, प्राप्त शिकायतों को दूर करने, योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए अधिकारीगण को नियमित क्षेत्र भ्रमण करने का निर्देश दिया साथ ही प्रखण्डों के नामित वरीय अधिकारियों को भी सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के धरातलीय कार्य पर निरीक्षण करने की बात कही। मौके पर उपायुक्त ने सभी कार्यकारी एजेंसियों को जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में गतिरोध अथवा व्यवधान उत्पन्न करने वाले व्यक्ति, तत्वों पर सरकारी कार्यों में व्यवधान डालने की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर पीएम आवास, पथ निर्माण, लघु सिंचाई, सिंचाई, पशुपालन, शिक्षा, उत्पाद सहित विभिन्न विभागों के अद्यतन समीक्षा करते हुए कार्य को गति देने का निर्देश दिया गया।

## संगठन सशक्तीकरण के तहत कांग्रेसी कार्यकर्ता आगे बढ़ें : चैतु उरांव

**संवाददाता**

**गुमला** : संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु जिला अध्यक्ष चैतु उरॉव सिसई प्रखंड के लालमाटी, कुसुमटोली, जामपानी, नगर गुनाटोली, गांवों का भ्रमण कर कार्यकताओं एवं ग्रामीणों से मुलाकात किया। मौके पर चैतु उरॉव ने कहा कि आप सभी कार्यकताओं के मेहनत से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को जित दिलाया है मैं आप सभी को जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देता हूं। सभी लोगों को संगठन सशक्तिकरण अभियान के तहत जागरूक करते हुए कहा कि आप सभी समय-समय पर

कोंग्रेसी कार्यकर्ता ग्रामीणों के साथ बैठकर अपने एवं गांव के विकास हेतु ग्राम सभा के माध्यम से अपने गांवों का कार्य योजना तैयार कर संबंधित विभाग को एवं पदाधिकारी को समर्पित करें , जिससे कि गांव का सर्वांगीण विकास हो पाए साथ ही साथ समय-समय पर अपने गांव क्षेत्र में क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हो और ग्रामीणों की समस्या को निराकरण हेतु आवश्यक पहल करे। ग्रामीणों द्वारा अपने समस्याओं से अवगत कराते हुए बतलाया कि सिसई प्रखंड के विभिन्न गांव में ऑनलाइन जमीन संबंधित एंट्री नहीं हो पाया है जिसे विशेष संज्ञान में लिया गया। साथ ही पेयजल, सरनाघेराव, धूमकुरिया, अखरा, पीसीसी पथ, अबुआ आवास, निर्माण हेतु ग्रामीणों ने अपनी बात रखें, चैतु उरॉव ने कहा कि मैं संबंधित पदाधिकारी को अवगत करते हुए आपके समस्याओं का निराकरण जल्द किया जाएगा। बैठक में विशेश्वर मुंडा, बिहारी भगत, तरुण गोप,देवा साहु, रवि उरॉव, बन्दी उरांव, शिबु उरांव, भदवा उरांव, गोयंदा उरॉव, शनिचर उरॉव, महेश्वर उरॉव, कर्मा उरांव, दिनंबधु उरांव, सहित काफी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

## उपायुक्त ने की जन शिकायत कोषांग की समीक्षा बैठक

**संवाददाता**

**लातेहार** : उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जन शिकायत कोषांग /जनता दरबार से प्राप्त आवेदनों की समीक्षात्मक बैठक का अयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने जनता दरबार से प्राप्त शिकायतों एवं उनके निष्पादन की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि लोगों की समस्याओं को त्वरित गति से समाधान करना ही जनता दरबार का उद्देश्य है। जनता दरबार से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत संज्ञान लें एवं शिकायत के निष्पादन की सूचना शिकायतकर्ता को मिले, ताकि लोगों का विश्वास जिला प्रशासन पर बनी रहे। उप विकास

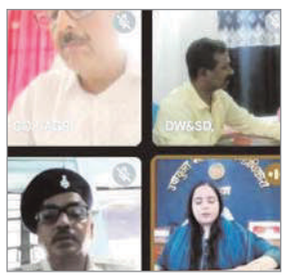


आयुक्त कार्यालय से संबंधित आये शिकायतों के निष्पादन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लंबित मामलों की जानकारी ली एवं शिकायतों के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिए।जिला योजना कार्यालय, डीएमएफटी से संबंधित प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए शिकायतों के निष्पादन की सूची बनाकर देने का निदेश दिया। महुआडांड़ अनुमंडल स्तर पर लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ को निर्देशित करते हुए कहा कि मामला किस स्तर से लंबित है इसकी जानकारी रिपोर्ट दें। प्रखंड विकास पदाधिकारी के स्तर पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के क्रम में प्राप्त शिकायतों और उनके निष्पादन की जानकारी लेते हुए लंबित मामलों का उपायुक्त ने जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त द्वारा प्रभारी पदाधिकारी, जन शिकायत कोषांग को निर्देश दिया गया कि जिले में शिकायत से संबंधित सारे संचिकाओं का निष्पादन यथाशीघ्र की जाए।

## वरिष्ठ भाजपा नेता भरत प्रसाद का निधन

**संवाददाता**

**मनिका/लातेहार** : मनिका के वरिष्ट भाजपा नेता सह मनिका ग्राम के ग्राम प्रधान भरत प्रसाद का बुधवार को राज हॉस्पिटल रांची में इलाज के दौरान मौत हो गई।जिसके बाद उनके पार्थिव शरीर को गुरुवार को उनके निवास स्थान मनिका में लाया गया जहां उनके पार्थिव शरीर को देखने आस पास के सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। उनका अंतिम संस्कार मनिका के दोमुहन घाट पर किया गया। जहां उनके एक मात्र पुत्र टूनमुन कुमार ने उन्हें मुखाग्नि दिया। इनके शव यात्रा में भाजपा नेता राजधानी यादव, पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह,भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष छोटू राजा,सांसद प्रतिनिधि लव दुबे, पूर्व जिप सदस्य महेश सिंह, जिप सदस्य बलवंत सिंह, प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी, राजद नेता रघुपाल सिंह,कांग्रेस विधायक प्रतिनिधि दरोगी यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जनता शामिल हुए।बताया जाता है की दस दिन पूर्व इनकी तबियत ज्यादा खराब हो गई थी जिसके बाद इन्हे राज हॉस्पिटल रांची में इलाज के लिए भर्ती किया गया था। पारिवारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ये शुगर बीमारी से ग्रस्त थे जांच के दौरान इनके दोनो किडनी का फेल होना बताई गई जिसके बाद इन्हे डायलेसिस पर रखा गया था।

इसी दौरान इलाज के क्रम में ही बुधवार को इनका निधन हो गया। इनके निधन से पूरा परिवार शोक में डूब गया ।

## कचरा प्रबंधन, ओडीएफ सहित शौच मुक्त की स्थिति को बनाये रखने पर हुई चर्चा

**संवाददाता**

**हजारीबाग** : उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देश पर पेयजल एवं स्वच्छता समिति की तत्वावधान में स्वच्छ भारत मिशन की बैठक समाहरणालय सभागार में गुरूवार को सम्पन्न हुई। मौके पर निदेशालय से आये राज्य परामर्शी श्री आजाद ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के प्रमुख उद्देश्य गांवों को खुले में शौच मुक्त की स्थिति को बनाए रखना और ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रो में साफ-सफाई के स्तर में सुधार लाकर उन्हें ओडिएफ-प्लस गांव यथा स्वच्छता, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन युक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि, हजारीबाग जिले में ग्राम स्तर पर स्वच्छता, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के आधार पर गांव को 5 स्टार रेंटिंग तक देकर गांव यथा स्वच्छता, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन युक्त घोषित करने का 1 दिसम्बर, 2024 तक लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के तहत जिले में पेयजल एवं स्वच्छता यथा खुले में शौचमुक्त, ठोस एवं तरल

कचरा प्रबन्धन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, जलीय महामारी प्रबंधन, गोबरधन, महामारी स्वच्छता प्रबधन सहित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करते हुए अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। इस अवसर पर सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को ग्राम स्तर पर निर्मित संरचनाओं को सुदृढ़ करते हुए ओडीएफ प्लस के कार्यों में 15वें वित्त की राशियों को व्यय कर संदर्भित योजनाओं के लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही निर्मित सामुदायिक स्वच्छता परिसर के संचालन एवं निरंतर उपयोगिता बनी रहे यह सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही लक्ष्य प्राप्ति के बाद गांव स्तर पर उपलब्ध उक्त सुविधाओं के आधार पर 1, 3 एवं 5 स्टर देकर ग्राम स्तर पर ओडीएफ प्लस घोषित करने का निर्देश दिया गया। इस क्रम में गांव स्तर पर छूटे हुए लाभूकों को चिन्हित करते हुए शौचालय निर्माण करने सहित यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि गांव में ठोस कचरा, एवं तरल कचरा नहीं दिखे तथा इस प्रबधन सुव्यवस्थित ढंग से हो।

ओडीएफ प्लस के तहत इस आधार पर होगा गांव की रेटिंग्स

गांव स्तर पर स्वच्छता आदि से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर रेटिंग्स दी जायेगी जिनमें सिंगल स्टार गांव के सभी घरों में क्रियाशील शौचालय की सुविधा हो, गांव के सभी स्कूल/आंगनबाड़ी केंद्रों और पंचायत घर में कार्यात्मक शौचालय की सुविधा, जिसमें पुरूष एवं महिला के लिए अलग-अलग शौचालय सहित ठोस या फिर तरल कचरा प्रबंधन युक्त होने पर।

## प्रखंड के चार विद्यालयों को मिली माध्यमिक उत्क्रमण की स्वीकृति

**संवाददाता**

**विष्णुगढ़** : विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत गाल्होबार पंचायत स्थित राजकीय मध्य विद्यालय को झारखंड सरकार स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा उत्क्रमण की स्वीकृति मिली। विष्णुगढ़ प्रखंड में चार विद्यालय जैसे गाल्होबार, मड़मो, उचाघाना एवं भेलवारा मध्य विद्यालयों को माध्यमिक (उच्च) विद्यालयों में उत्क्रमण कि स्वीकृति हुई। जिससे गाल्होबार माध्यमिक (उच्च) विद्यालय में कक्षा 9वीं में प्रारंभ नामांकन प्रवेश हेतु विद्यार्थियों के बीच स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विष्णुगढ़ पूर्वी जिला परिषद सदस्य सरजू पटेल, पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि छोटी शर्मा, पंसस प्रतिनिधि लखन महतो, उपमुखिया इरफान अंसारी, पूर्व मुखिया डॉ० रीतलाल महतो, हरित लाल महतो, कुर्बान अंसारी, पूर्व वार्ड सदस्य राजू राम, कयूम अंसारी इत्यादि पंचायत के जनप्रतिनिधियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया गया। साथ ही विद्यार्थियों को पुष्प गच्छ देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रभारी प्रदीप राम ने बताया है कि गाल्होबार राजकीय मध्य विद्यालय को उत्क्रमण किया गया, जिससे अब से विद्यालय में 9वीं और 10वीं की कक्षाएं प्रतिपादित किया गया। सत्र 2024-25 में 9वीं कक्षा में 149 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। पूर्वी जिप सदस्य सरजू पटेल ने कहा कि गांव में कोई माध्यमिक (उच्च) विद्यालय नहीं रहने के कारण उच्च शिक्षा पठन पाठन के लिए बहुत दिक्कत होती थी, उत्क्रमण के बाद अब कोई दिक्कत नहीं होगी।

बच्चों को कहीं दूसरे विद्यालय नहीं जाना पड़ेगा। इस विद्यालय को उत्क्रमण कराने की मांग को लेकर पंचायत के विभिन्न जनप्रतिनिधियों की काफी सराहनीय भूमिका रही है। विद्यालयों के उत्क्रमण होने पर छात्राएं सहित अभिभावकों में काफी खुशी देखी गई, साथ ही सरकार का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

# स्थानांतरण को लेकर शिक्षकों की बैठक, चरणबद्ध आंदोलन की तैयारी

**संवाददाता**

**पाकुड़**। प्राथमिक शिक्षकों का अंतर जिला स्थानांतरण जल्द से करने को लेकर पाकुड़ के शिक्षकों की बैठक रानी ज्योर्तिमय स्टेडियम में गुरुवार को हुई। एकीकृत गृह जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ के प्रदेश प्रभारी सह जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार राय ने इसकी अध्यक्षता की।

इस अवसर पर श्री राय ने कहा कि प्राथमिक शिक्षकों का स्थानांतरण शुरू नहीं होने से शिक्षक-शिक्षिकाओं में आक्रोश गहराता जा रहा है। काफी मशक्कत के बाद शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष, 2023 में पोर्टल के माध्यम से विशेष परिस्थितियों में नौकरी कर रहे शिक्षक-शिक्षिकाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया। एक ही पोर्टल पर प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित किया गया।

जिला स्थापना समिति द्वारा काफी जांच पड़ताल के बाद चिन्हित शिक्षक शिक्षिकाओं की सूची राज्य निदेशालय को भेजा गया। लोकसभा चुनाव के पहले माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षकों का स्थानांतरण कर दिया गया। लोकसभा चुनाव का हवाला देते हुए प्राथमिक शिक्षा निदेशक शशि प्रकाश सिंह द्वारा कहा गया कि आप सभी लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराएं। चुनाव के बाद प्राथमिक शिक्षकों का स्थानांतरण

कर दिया जाएगा।

चुनाव के बाद फिर से प्राथमिक शिक्षा निदेशक द्वारा एक पत्र जारी कर कहा गया कि शिक्षकों द्वारा पोर्टल पर आवेदन करने में आवश्यक कागजातों को अपलोड नहीं किया गया है। उसे फिर से अपलोड करना होगा। इसके लिए 28 जून से 7 जुलाई तक तिथि तय की गई है। जिला स्थापना की बैठक 11 से 14 जुलाई के बीच करने का आदेश दिया गया है। ऐसी स्थिति में अंतर जिला स्थानांतरण लटकता हुआ नजर आ रहा है।

सदस्यों ने कहा कि जब जिला स्थापना से शिक्षकों की सूची राज्य को भेज दी गई है, ऐसी स्थिति में फिर से जिला स्थापना समिति की बैठक का आदेश समझ से परे है। शिक्षकों का कहना है कि कागजात अपलोड नहीं होने पर आवेदन स्थापना समिति से कैसे अग्रसारित किया गया है। ऐसे में विभाग को चाहिए था कि सिर्फ आवेदन में त्रुटि या जो अपलोड नहीं है, उस कागजातों को अपलोड करने का आदेश दिया जाना सही रहता।

शिक्षकों ने निर्णय लिया कि निर्धारित तिथि तक स्थायनांतरण का काम पूरा नहीं होने पर सभी चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। मौके पर शिक्षक नेता अतिकुर रहमान, कपूर कुमार महतो, बिजय नंदन त्रिवेदी, शंभू शरण यादव, रोहित कुमार मंडल, मनोज मंडल, पुष्पा किंडो, चन्द्रशेखर मंडल, उत्तम मंडल, जन्मजय महतो, दीपक प्रसाद, सुबोध कुमार महतो, रमजान अंसारी, मुबारक अली, अमर मूर्मू, हेमंत कुमार महतो, उत्तम पाल, सुनील कुमार मंडल, किशोर कुमार, प्रदीप कुमार, इकबाल अंसारी मौजूद थे।

## संक्षिप्त

### एनटीपीसी के स्वप्नेंदु बने डीवीसी के नए तकनीकी सदस्य

**बोकारो थर्मल** । केंद्र सरकार विद्युत मंत्रालय द्वारा एनटीपीसी के जीएम स्वप्नेंदु कुमार पांडा को डीवीसी में नये मेंबर टेक्निकल के पद पर गुरुवार को नियुक्त किया है। एनटीपीसी के एसके पांडा को कार्यभार संभालने की तारीख से पांच साल के कार्यकाल के लिए या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, मेंबर टेक्निकल नियुक्त किया गया है। इस आशय की अधिसूचना केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के सेक्शन ऑफिसर विशाल सिंह ने गुरुवार को जारी की है।

### बगैर केवाईसी की दुकानों का आवंटन होगा रद्द

**बोकारो थर्मल** । बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी के डीजीएम बीजी होलकर ने गुरुवार को आदेश जारी कर स्थानीय मार्केट स्थित डीवीसी के सभी दुकानदारों को अपना केवाईसी करवाने का निर्देश जारी किया है। जारी आदेश में डीजीएम ने कहा है कि बोकारो थर्मल कॉलोनी क्षेत्र में स्थित दुकानों का केवाईसी काफी दिनों से लंबित है और इसके प्रति प्रबंधन गंभीर है। सभी दुकानदारों को सलाह दी जाती है कि अपने आवंटित दुकान से संबंधित दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन डीवीसी सिविल विभाग के भू-सम्पदा कार्यालय में सशरीर उपस्थित होकर दिनांक 1 जुलाई से 10 जुलाई तक सुबह 10 बजे से 1 बजे के समयांतराल में अवश्य करा लें। यदि उपरोक्त समय सीमा के भीतर जो दुकानदार अपने दुकान का केवाईसी नहीं करातें है, तो ऐसा दुकानों का आवंटन निरस्त कर दिया जायेगा।

## सेप्टेज प्लांट निर्माण के खिलाफ हंगामा और पथराव मामले में युवक की गिरफ्तारी पर बवाल

# लोगों ने तीन घंटे तक किया थाने का घेराव

▸ एसडीपीओ को भी जाने से रोका

संवाददाता

**बोकारो** । चास के कालापत्थर से सेप्टेज प्लांट के निर्माण के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध अब भारी विरोध का रूप ले चुका है। 25 जून को हंगामा तथा चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त (एएमसी) की गाड़ी पर हुए पथराव मामले में चास मुफ्फसिल पुलिस ने कालापत्थर के युवक को बुधवार की रात गिरफ्तार किया। इसके विरोध में गुरुवार सुबह सैकड़ों ग्रामीणों ने काफी बवाल काटा। उन्होंने चास मुफस्सिल थाने का घेराव कर लिया। ग्रामीण नारेबाजी करते हुए थाना पहुंचे, तो पुलिसकर्मियों ने थाना का मुख्य गेट बंद कर दिया। इसपर ग्रामीण गेट पर ही बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। थाना घेराव में महिलाओं की संख्या अधिक थी। थाना प्रभारी श्यामल कुमार मंडल ने ग्रामीणों को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन युवक को छोड़ने की मांग पर ग्रामीण अड़े रहे और केस वापस लेने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का नेतृत्व स्थानीय कुछ नेता कर रहे थे। इसकी सूचना मिलने पर चास, चीराचास, हरला, पिंड्राजोरा सहित अन्य थानों की पुलिस पहुंची और उग्र ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी थाना गेट के सामने से हटने का नाम नहीं ले रहे थे। इसके बाद नेता ग्रामीणों के साथ गेट के समक्ष बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसे देखते हुए चास थाना प्रभारी खुर्शीद आलम ने उन्हें टोका और भाषण देने से मना किया, लेकिन ग्रामीण भाषण जारी रखने के लिए हल्ला करने लगे। करीब 10.23 बजे चास एसडीएम ओमप्रकाश गुप्ता, चास एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह दल-बल के साथ थाना पहुंचे और भीड़ को हटाते हुए थाना के अंदर जाने का प्रयास करने लगे। यह देख ग्रामीणों ने नारेबाजी शुरू कर दी और गेट जाम रखते हुए अधिकारियों को अंदर जाने से रोक दिया। इस पर अधिकारियों को वापस लौटना पड़ा। इस दौरान एसडीएम की भाजपा नेता डॉ. प्रकाश सिंह के साथ बहस भी हुई। पुलिस लाइन से अतिरिक्त फोर्स मंगाई गई। अधिकारियों ने उग्र भीड़ देख सुरक्षा के तौर पर हेलमेट व बॉडी कवर आदि पहन लिया और सड़क की घेराबंदी करने लगे, साथ ही भीड़ हटाने के लिए लाठी चार्ज की चेतावनी दी। अधिकारियों ने पांच लोगों का प्रतिनिधिमंडल बनाकर वार्ता के लिए एसडीएम कार्यालय चलने को कहा और भीड़ को भी गेट खाली करने का निर्देश दिया। ग्रामीण वार्ता के लिए राजी हुए और आधा दर्जन से अधिक लोग वार्ता के लिए एसडीएम कार्यालय चास पहुंचे। करीब 11.30 बजे ग्रामीण थाना गेट से हट गए।

एसडीएम कार्यालय में प्रशासन व ग्रामीणों के बीच वार्ता के बाद एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने कहा कि ग्रामीणों को साफ-साफ बता दिया गया है कि पथराव के मामले में दर्ज की गई प्राथमिकी वापस नहीं होगी। इसमें जिसका-जिसका भी नाम है, वह कोर्ट से बेल ले लें। वहीं सेप्टेज प्लांट स्थापित हो या नहीं हो, इसके लिए ग्रामीण डेलीगेशन बनाकर डीसी से मिलें और उनसे ही आदेश लें। बता दें कि पथराव मामले में 26 जून को चास सीओ दिवाकर दुबे ने चास मु. थाना में 10 नामजद व 100 अज्ञात महिला-पुरुष के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें भागवत गोराईं, अमर चक्रवर्ती, रवि गोप, अनिल गोप, ठाकुर दास गोप, राजन रजवार, बबलू रजक, जीवन गोप, रेणू कुमार, संतोष कुमार गोप नामजद आरोप हैं। 26 जून की रात को ही इनमें से भागवत गोराईं को पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार की थी, जिसे गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

## स्कूल के मैदान में मिली अज्ञात युवक की लाश, हत्या की आशंका

संवाददाता

**बोकारो** । गुरुवार अहले सुबह बीएस सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर 2ए स्थित बोकारो इस्पात विद्यालय के मैदान में एक व्यक्ति की लाश दिखने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। दरअसल, सुबह मैदान में टहलने आए लोगों ने एक अज्ञात व्यक्ति की लाश देखी। शव की स्थिति देखकर पत्थर से कूचकर उसकी हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शव देखने से मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष के आसपास बताई गई है। घटनास्थल के पास से पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया बड़ा सा पत्थर भी जब्त किया है और फॉरेंसिक टीम के सहारे जांच में जुट गई है। साथ ही, आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच कर रही है। खबर लिखने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस मिसिंग ट्रैक से मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। सिटी थाना प्रभारी के अनुसार घटनास्थल को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि हत्या कहीं और कर शव को यहां लाकर फेंक दिया गया है। पुलिस हर बिन्दु पर गहनता से जांच में जुटी हुई है।

### रेलवे के जीएम ने लिया विकास कार्यों का जायजा, कहा-

## बोकारो रेलवे स्टेशन पर बनेंगे दो नए प्लेटफार्म, बढ़ेंगी यात्री सुविधाएं

संवाददाता

**बोकारो** । दक्षिण-पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्र ने गुरुवार को बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने कहा कि बोकारो रेलवे स्टेशन पर दो नए प्लेटफार्म का निर्माण होगा। अमृत भारत योजना के तहत 100 करोड़ रुपए की लागत से स्टेशन भवन सहित बोकारो रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जाएगा। यात्री सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 12 मीटर चौड़े फुटओवर ब्रिज का निर्माण जल्द ही किया जाएगा। आरओएच डीपो में कार्यरत कर्मचारियों को मालगाड़ियों की शंटिंग में और ड्यूटी आने-जाने में हो रही परेशानी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व रेलवे जोन में बोकारो रेलवे स्टेशन का महत्वपूर्ण स्थान है। एम्प्टी यार्ड का डेवलपमेंट और विस्तार कार्य चल रहा है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक शेड और इस्पात नगर रेलवे स्टेशन में भी डेवलपमेंट कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं, रांची-बोकारो मेन लाइन के बगल में स्थित गुड्स शेड में चल रहे क्रेशर मशीन पर रोक लगाने की बात कही। कहा कि मेन लाइन को किसी प्रकार का डिस्टर्ब ना हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाए।

इस दौरान जीएम श्री मिश्र ने निरीक्षण के दौरान बेहतर टीम वर्क के लिए कर्मियों को नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सबसे पहले उन्होंने बोकारो लोको इलेक्ट्रिक शेड का निरीक्षण किया। जहां बेहतर कार्य के लिए 30 हजार रुपए नगद राशि देकर पूरी टीम को पुरस्कृत किया। वहीं, इस्पात नगर इलेक्ट्रिक शेड को 20 हजार रुपए पुरस्कार दिया। इसके अलावा आरओएच डीपो को 20 हजार रुपए देकर कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया।

## हेवी ब्लास्टिंग के खिलाफ ग्रामीणों ने खनन-स्थल पर किया विरोध प्रदर्शन

▸ धमाके से घर की दीवारों में पड़ रहीं दरारें, हादसे की संभावना

संवाददाता

**बोकारो**। सीसीएल कथारा कोलियरी एक नंबर माइंस में हुए हैवी ब्लास्टिंग से आक्रोशित कमल टोला के ग्रामीणों ने माइंस के कार्य स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया।

यहां पंचायत समिति सदस्य चंद्रदेव यादव एवं ग्रामीण चंद्रशेखर यादव ने प्रबंधन के अधिकारियों से कहा कि जब से माइंस का कार्य प्रारंभ हुआ है। तब से प्रत्येक दिन हैवी ब्लास्टिंग की जा रही है। ब्लास्टिंग के कंपन से घरों में दरारें पड़ने लगी है। वहीं तालाब, डीप बोरिंग का जलस्तर पहले से ओर ज्यादा नीचे चले जाने का खतरा बढ़ चुका है। अभी मिट्टी में ब्लास्टिंग करने का यह असर है तो पत्थर में ब्लास्टिंग होने से और ज्यादा भयावह स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कमल टोला सहित आसपास के ग्रामीण डरे सहमे हुए हैं। जिस तरह कोलियरी प्रबंधन हैवी ब्लास्टिंग कर रही है। इससे यहां के ग्रामीणों की जान खतरे में है।

समय रहते हैवी ब्लास्टिंग पर रोक नहीं लगाई गई तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं ग्रामीणों की मांग थी कि माइंस में संचालित आउटसोर्सिंग के कार्य में कमल टोला के ग्रामीणों को प्रबंधन रोजगार उपलब्ध कराए।

अन्यथा सकारात्मक पहल नहीं होने पर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन किया जाएगा। इधर देर शाम सीसीएल कथारा कोलियरी पीओ कार्यालय में प्रबंधन ने ग्रामीणों के साथ बैठक की। पीओ दुर्गेश कुमार सिन्हा ने ग्रामीणों को आश्वस्त कराया कि किसी भी हालत में हैवी ब्लास्टिंग नहीं होगी। ब्लास्टिंग होने वाले वाइब्रेशन को बहुत हद तक कम करने के लिए तकनीकी यंत्र का सहारा लिया जाएगा। इस मौके पर खान प्रबंधक कृष्ण मुरारी सहित चंद्रशेखर यादव, मुकेश यादव, दशरथ यादव, कुशलाल यादव, परमेश्वर रजवार, नागेश्वर यादव, चरकू गोप, राजू यादव आदि लोग मौजूद थे।

## कार वाशिंग गैराज से बाल श्रमिक मुक्त

संवाददाता

**बोकारो** । उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर गठित जिला धावा दल ने गुरुवार को श्रम विभाग के नेतृत्व में बोकारो के सेक्टर 9 के पिंटू कार वाशिंग गैराज से 13 वर्षीय एक बाल श्रमिक को मुक्त कराया। जिला धावा दल का नेतृत्व श्रम अधीक्षक प्रवीण कुमार ने करते हुए कहा कि बाल मजदूरी कराना कानूनन अपराध है।

इसके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। बोकारो जिले में बाल मजदूरी तथा बाल तस्करी को रोकने के लिए अभियान जारी है। उन्होंने

कहा कि बाल शोषण के मामले की जानकारी कोई भी जिला टास्क फोर्स को दे सकता है।

उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया की रेस्क्यू किए गए बाल श्रमिक को बाल कल्याण समिति बोकारो के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। जिसे बाल गृह चास भेजा जा रहा है। इस दौरान श्रम विभाग से सुबल चंद्र गोप, नीरज सिन्हा, संतोष सिंह, सहयोगिनी के फुलेंद्र रविदास, अनिल कुमार हेंब्रम शामिल थे।

## प्रधान जिला जज ने जानीं अधिवक्ताओं की समस्याएं

संवाददाता

**बोकारो** । बोकारो के प्रधान जिला जज अनिल कुमार मिश्रा आज बोकारो के अधिवक्ताओं से मिलने वकालतखाना गए। उनके साथ बोकारो के प्रभारी जज इंचार्ज अभिनंदन पांडेय, डालसा सचिव अनुज कुमार भी मौजूद थे।

अधिवक्ताओं ने उनका स्वागत फूल माला से किया। पुस्तकालय में आयोजित अभिनंदन समारोह में प्रधान जिला जज ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अधिवक्ता ऑफिसर ऑफ दी कोर्ट होते है और उनका मान-सम्मान होना चाहिए। बेंच और बार को समन्वय के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि सभी को सुलभ न्याय मिल सके। इस अवसर

पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने प्रधान जिला जज से अधिवक्ताओं को हो रही समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट किया। गिरि ने जिला जज से रेलवे कोर्ट बोकारो को धनबाद से बोकारो लाने में सहयोग करने की अपील की इस पर जिला जज ने सकारात्मक पहल का भरोसा दिया। इस अवसर पर बोकारो जिला अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी वासुदेव गोस्वामी, महेश चौधरी, सोमनाथ शेखर, प्रेम कुमार, विकास तापड़िया, अतुल कुमार, रूपेश कुमार, कामदेव पाठक, नवीन कुमार, सृष्टि धर सिंह, माया सिंह,संपूर्ण चंद्र लायक, मृत्युंजय मल्लिक, दिनेश शर्मा, सुबोध कुमार, दीपक कुमार समेत सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे। प्रधान जिला जज ने संघ परिसर का अधिवाकावो के साथ भ्रमण भी किया।

## तेजनारायण बने यूपी कबड्डी लीग के टेक्निकल डायरेक्टर

**बोकारो** । कबड्डी के क्षेत्र में इस्पातनगरी बोकारो सहित झारखंड का नाम विश्वपटल पर रोशन करने वाले खिलाड़ी तेजनारायण माधव को एक और बड़ी जिम्मेदारी मिली है। आगामी 11 से 25 जुलाई को आयोजित उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग में उन्हें टेक्निकल डायरेक्टर बनाया गया है। नोएडा के इनडोर स्टेडियम में होनेवाली उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग में कुल आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें यमुना योद्धा, नोएडा निन्जा, काशी किंग्स, अवध रामदूत, ब्रज स्टार्स, संगम चैलेंजर्स, अयोध्या वॉरियर्स और गंगा किंग्स ऑफ मिजार्पुर शामिल हैं। प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण सोनी चैनल पर किया जाएगा। बता दें कि तेजनारायण ने प्रो-कबड्डी लीग में टीवी अंपायर के तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खेलो इंडिया 2020 (आसाम) के वह टूनार्मेंट डायरेक्टर भी रह चुके हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न कबड्डी प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षण के साथ-साथ तकनीकी पदाधिकारी के रूप में अपने दायित्वों का कुशल निर्वहन किया है। बोकारो के कबड्डी खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों ने उन्हें यूपीकेएल में तकनीकी निदेशक बनाए जाने पर बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी हैं।

## डिंपल कौर को मिला स्टार रोटेरियन ऑफ द ईयर अवार्ड

### प्रोत्साहन से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा : नारंग

संवाददाता

**बोकारो** । रोटरी क्लब चास का वार्षिक अवॉर्ड फंक्शन रोटरी भवन चीराचास में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों को उनके साल भर के कार्यों का मूल्यांकन करते हुए पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मनप्रीत कौर ने एक पौधा भेंट कर मुख्य अतिथि अन्नू नारंग का स्वागत किया।

रोटरी क्लब चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पुरस्कार या सम्मान से व्यक्ति की कार्य क्षमता बढ़ती है, साथ ही उनका आत्मविश्वास तथा मनोबल भी बढ़ता है। डॉ सुमन ने भी अपने विचार व्यक्त किये। डॉ परिंदा सिंह ने आज के दिन के महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्व जिलापाल महेश केजरीवाल ने रोटरी के उद्देश्य एवं सेवा कार्यों को विस्तार पूर्वक बताया। 100% उपस्थिति, सक्रिय भागीदारी, बेस्ट फैलोशिप के अलावा विशिष्ट पुरस्कार की श्रेणी में डॉ श्रवण, डिंपल कौर, संजय बैद, डॉ सुमन कुमार, नरेंद्र सिंह, कुमार अमरदीप, विनोद चोपड़ा, मंजीत सिंह, मुकेश अग्रवाल, माधुरी सिंह, विपिन अग्रवाल को मुख्य अतिथि अन्नू नारंग के हाथों पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डिंपल कौर को स्टार रोटेरियन ऑफ द ईयर से पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि रोटेरियन अन्नू नारंग ने अपने संबोधन ने कहा कि सदस्यों के महत्वपूर्ण योगदान और उपलब्धियों की सराहना होनी चाहिए। मेहनत और समर्पण को सम्मान देने से दूसरे सदस्यों में इसकी भावना बढ़ती है। ललिता चोपड़ा ने एक स्मृति चिन्ह मुख्य अतिथि को भेंट किया। मंच का संचालन श्वेता रस्तोगी ने किया। जबकि, संजय बैद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम में धनबाद से आए पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप नारंग, राजन गंडोत्रा, महेश केजरीवाल, रोटरी जिला 3250 की सचिव अंजू गंडोत्रा, चेंबर अध्यक्ष प्रदीप सिंह, मनोज चौधरी, विनय सिंह, डॉ संजीव, रितु अग्रवाल, डॉ पुष्पा, कल्याणी गुप्ता, कमल तनेजा, धनेश बांका, संजय रस्तोगी शिवानी तनेजा, गौरव रस्तोगी, भवनीत सिंह, डॉ निशांत, उषा कुमार सहित विभिन्न क्लबों से आए सदस्य उपस्थित थे।

# डीवीसी कर्मियों के लिए कार्यशाला आयोजित

### राजभाषा के विकास के लिए हिन्दी को बढ़ावा देना जरूरी : परियोजना प्रधान

संवाददाता

**बोकारो थर्मल** । बोकारो थर्मल स्थित दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) के विद्युत ताप केन्द्र के तकनीकी भवन में डीवीसी अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए एक-दिवसीय राजभाषा कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन डीवीसी के वरीय महाप्रबंधक सह परियोजना प्रधान सह आनंद मोहन प्रसाद, महाप्रबंधक ओएंडएम एस. भट्टाचार्य, उपमहाप्रबंधक बीजी होलकर, नरेश मुरास्कर, अखिलेन्दु सिंह, शैलेश कुमार, कार्यशाला में आमंत्रित वक्ता डॉ. संजय जायसवाल, प्रो. विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल के डॉ मधु सिंह, प्रोफेसर, खुदीराम बोस सेंट्रल कॉलेज,

कोलकाता के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। परियोजना प्रधान द्वारा आमंत्रित वक्ताओं को संजीवनी पौधा एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बीजी होलकर ने सभी अधिकारी एवं कर्मचारी का स्वागत करते हुए राजभाषा के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया। परियोजना प्रधान श्री प्रसाद ने राजभाषा कार्यशाला पर कहा कि हम सभी को अपने प्रतिदिन के कार्यालयीन कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देना होगा तभी राजभाषा का सही विकास एवं प्रसार होगा। आमंत्रित वक्ता डॉ. संजय जायसवाल ने हिंदी भाषा की सहजता एवं सरलता के बारे में बताया एवं साथ ही साथ स्वयं द्वारा रचित कुछ कविताएं भी सुनाई। डॉ मधु सिंह द्वारा हिदीं भाषा के वैश्वीकरण के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि हमारी हिंदी भाषा न सिर्फ भारत में, बल्कि विश्व के कई देशों में बोली व समझी जाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि हमारी हिंदी फिल्मों द्वारा भी विश्वभर में हिंदी का विकास एवं प्रसार होता है। कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग की प्रबंधक अंजू बोपाई, उप प्रबंधक तनीषा शिल्वी, सहायक प्रबंधक अनुराग सिन्हा एवं अविनाश कुमार सिन्हा, शैलेन्द्र कुमार,सुरजीत सिंह, उपप्रबंधक (सतर्कता) तारीक सईद, प्रबंधक (वित्त) एमके चौधरी, एसके ओझा, दीनानाथ शर्मा, संजय राय, मनोज सिंह, केरल टुडू, वेणुधर बेहरा, शाहिद इकराम इत्यादि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी रवि सिन्हा द्वारा किया गया।

## बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण का कार्य तेज

**बोकारो** । बोकारो स्टील प्लांट की स्थापना के शुरूआती दौर से लेकर दशकों तक लोगों का आशियाना बने एलोरा हॉस्टल के दिन अब पूरे हो चुके हैं। 100 कमरों वाले एलोरा हॉस्टल को बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण के लिए जमींदोज किया जा रहा है। एलोरा हॉस्टल को बुलडोजर से ध्वस्त करने का काम गुरुवार से शुरू कर दिया गया है। जल्द ही यहां पर बने मकान से लेकर हॉल तक को गिराकर जमीन का समतलीकरण किया जाएगा, ताकि एयरपोर्ट की बाउंड्री का निर्माण कार्य इस जगह तक पूरा हो सके। बीएसएल नगर सेवा विभाग के सहायक प्रबंधक जितेंद्र कुमार का कहना है कि हवाई अड्डा का विस्तारीकरण करना है। इसको लेकर इस जगह को खाली कराने का काम शुरू कर दिया गया, ताकि जल्द से जल्द एयरपोर्ट के विस्तारीकरण का काम पूरा हो सके और यहां से उड़ान सेवा शुरू हो सके।

# वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिए जिम्मेदार कौन?

ललित गर्ग

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन-प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है।

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का ह्यजहरह्न अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान ह्यहेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूटह्न की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दशार्ता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर

डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर ह्यबेहद खराबह्न की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं।

## संपादकीय

### संसद में फिर हंगामे के आसार

शायद ही किसी को यह उम्मीद रही होगी कि इस बार की संसद सहज, सामान्य और सुव्यवस्थित तरीके से चलेगी। लेकिन यह अनुमान नहीं था कि पहले ही दिन दूध में खटाई पड़ जाएगी और संसद के भावी कार्यकाल का विद्रूप चेहरा शुरूआत में ही दिखाई देने लगेगा। प्रधानमंत्री जब अपने उद्बोधन में यह अपेक्षा कर रहे थे कि विपक्षी दल सकारात्मक रुख अपनाएं, सार्थक बहस करें, जिम्मेदार रहें बजाय इसके कि वे अनावश्यक नाटक, शोरगुल या हंगामा करें, तो उन्हें पूरा भरोसा रहा होगा कि विपक्ष वही करेगा जो उसने पिछले सत्र में किया था। उनका सहयोग का आह्वान स्वयं उन्हें ही अपूरणीय लग रहा होगा। विपक्ष ने पहले ही दिन प्रदर्शित कर दिया कि वह संसद को शांति से नहीं चलने देगा, किसी भी तरह का सहयोग का तो प्रश्न ही उठता। पहले प्रोटेम स्पीकर के नाम को लेकर विवाद खड़ा किया गया और उसके बाद लोकसभाध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी चुनौती खड़ी कर दी गई। आजादी के बाद यह दूसरा मौका है जब लोकसभाध्यक्ष का निर्वाचन चुनाव के जरिए होने जा रहा है। एनडीए के उम्मीदवार ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष के उम्मीदवार कांग्रेस के आठ बार के सांसद के. सुरेश होंगे। यह दीगर बात है कि ममता बनर्जी की पार्टी ने बिना उनसे पूछे के. सुरेश की उम्मीदवारी पर अपना ऐतराज दर्ज करा दिया है। प्रधानमंत्री ने भी शायद भावी स्थितियों को भांप लिया है, इसलिए उन्होंने आपातकाल के पचास वर्ष होने का स्मरण करके विपक्ष विशेषकर कांग्रेस पर प्रहार करने का मौका हाथ से जाने नहीं दिया। उधर, विपक्ष ने भी पेपर लीक घोटाले, रेल दुर्घटना, गर्मी के कारण हुई लोगों की मौतें आदि मुद्दों के साथ-साथ बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने का मन बना रखा है। इससे साफ संकेत मिलता है कि लोक सभा शांतिपूर्ण ढंग से नहीं चलेगी। विपक्ष जितना मजबूत हुआ है, सरकार पर विपक्ष का प्रहार भी उतना ही मजबूत होगा। नहीं लगता कि प्रधानमंत्री मोदी सहित सत्ता पक्ष का कोई भी नेता अपनी बात बिना हंगामा झेले शांतिपूर्ण ढंग से कह पाएगा। यह वह स्थिति है जो देश के सामान्य नागरिक को चिंतित करती है। लेकिन इसका कोई समाधान उसके पास नहीं है। आम आदमी चाहता है कि संसद में हंगामे की बजाय विचारपूर्ण बहस सुने। काश, आम आदमी की यह मंशा विपक्ष पहुंच पाती और संसद के व्यर्थ के हंगामों से थोड़ी सी राहत की सांसें ले पाती।

## चिंतन-मनन

### प्रोध का जवाब प्रोध नहीं

एक बार एक ब्राह्मण ने महात्मा बुद्ध को अपने घर आकर, भोजन करने का निमंत्रण दिया। जब बुद्ध वहां पहुंचे तो उन्होंने पाया कि ब्राह्मण ने उन्हें किसी अन्य मकसद से वहां बुलाया था। ब्राह्मण उनकी निंदा करने लगा और उन्हें अपशब्द कहने लगा। बुद्ध ब्राह्मण के वचनों के वार चुपचाप सहते रहे। अंत में बुद्ध ने कहा,हे ब्राह्मण जी, क्या आपके घर में मेहमान आते रहते हैं? हां, आते हैं। ब्राह्मण ने उत्तर दिया। बुद्ध ने पूछा,जब मेहमान आते हैं तो आप उनके लिए क्या भोजन बनाते हैं? ब्राह्मण ने उत्तर दिया,हम एक बड़े भोज की तैयारी करते हैं। बुद्ध ने पूछा, अगर वे नहीं आते तो आप क्या करते हैं? ब्राह्मण बोला, हम भोज स्वयं खा लेते हैं। बुद्ध बोले,अच्छा, तुमने मुझे भोजन पर बुलाया पर तुमने मेरा स्वागत कठोर वचनों और आलोचना से किया। लगता है कि जो भोज तुम मुझे परोसने वाले थे, वह इसी का है। मैं तुम्हारे द्वारा परोसे भोजन को नहीं खाना चाहता। कृपया इसे वापस ले लो और स्वयं खाओ। बुद्ध ने महसूस किया कि जो भोज उन्हें दिया गया था, वह खाद्य पदार्थों का नहीं, बल्कि गालियों का था। उन्होंने वापस मुड़कर ब्राह्मण का तिरस्कार करने और उसे अपशब्द कहने के बजाय उसके प्रोध को स्वीकार नहीं किया। बल्कि वे उस स्थान से चले गए। इस प्रकार, प्रोध उसी के साथ रहा जो उसे प्रकट कर रहा था। महात्मा बुद्ध के शिष्य यह देख रहे थे। बुद्ध ने उन्हें सलाह दी, कभी उस रूप में बदला न लो जिस रूप में सलूक आपके साथ हुआ हो। घृणा कभी घृणा से खत्म नहीं होती। कई बार हमारा सामना ऐसे लोगों से होता है जो हमें बुरा-भला कहते हैं। उनके स्तर पर उतरने की जगह हमें उनके उपहारों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। तब उनका प्रोध उनके साथ ही रहेगा। जब हम घटना स्थल से हट जाएंगे तो वे अपने आपको, अपने प्रोध के साथ अकेला पाएंगे। वे चकित होंगे कि उनके प्रोध के बावजूद हम प्रेममय बने रहे।

# बहुत जरूरी है वृक्षारोपण

वृक्ष आपको चैन की सांस दे सकता है। चूँकि वन हमारी भूमि के फेफड़े हैं। पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। अधिक वृक्षारोपणऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है वृक्षों ने हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीजें खाना और ऑक्सीजन दिया है। न सिर्फ यह दो चीज बल्कि वृक्षों के कारण ही हमें रहने को घर, दवाइयाँ, और कई प्रकार के अन्य औजार प्राप्त होते हैं। आज विश्व भर में बढ़ते जनसंख्या के कारण और लोगों द्वारा पेड़ो को काटने के कारण आज पेड़ो की आवश्यकता बढ़ते चले जा रही है। इस आधुनिक युग के जीवन काल के कारण मनुष्य पेड़ो को बहुत तेजी से काट रहे हैं जिसके कारण आने वाले कुछ वर्षों में मनुष्य को बहुत सारे कठिनाइयों से गुजरना पड़ सकता है। पेड़-पौधे हर समाज के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। हमारे आस-पास के जगहों जैसे गलियों, पार्क, खेल के मैदान, और बगीचे में पेड़ पौधे स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं और वातावरण को हरा-भरा और शांत रखते हैं। वृक्षों से आस-पास का वातावरण सुन्दर और स्वच्छ रहता है जिससे जीवन जीने का स्तर बढ़ जाता है। पेड़-पौधों की छाव में अपने परिवार के साथ बैठ कर समय बिताने का एक अलग ही आनंद होता है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में सड़क के दोनों तरफ पेड़ पौधे लगाने से सूरज की किरण को पेड़ रोकते हैं जिससे गर्मी के महीनों में शहर का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। पेड़-पौधें मनुष्य को स्वच्छ वायु और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, साथ ही जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, और वन्य जीवन की सुरक्षा करते है। प्रकाश संश्लेषण या फोटोसिंथेसिस प्रोसेस के दौरान पेड़ पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ले लेते हैं और ऑक्सीजन को छोड़ते हैं। यही ऑक्सीजन मनुष्य को सांस लेने और जीवित रहने में मदद करता है। अमेरिका के कृषि अनुसंधान विभाग का कहना है की एक एकड़ जंगल से लगभग 6 टन कार्बन डाइऑक्साइड खत्म होता है और 4 टन ऑक्सीजन वायु को पेड़ो के माध्यम से प्राप्त होता है। इतने ऑक्सीजन से 18 से 20 लोग आराम से 1 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। साथ ही पेड़ पौधे, गाड़ियों और कारखानों से उत्पत्ति होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड गैस को भी खींच लेते हैं और ऑक्सीजन में बदल देते हैं। गर्मी के महीनों में लंबे वृक्ष सूरज की तपती किरण को धरती तक पहुंचने से रोकते है जिससे धरती का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। बारिश के महीने में पेड़-पौधे के जड़ मजबूती से मिट्टी को पकड़ कर रखते हैं इससे मृदा अपरदन नहीं हो पाता है। ना सिर्फ धरती के ऊपर बल्कि धरती के अंदर के पानी को भी पेड़ पौधों के जड़ पकड़ कर रखते हैं जिससे बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा नहीं हो पाती है। प्रति वर्ष कई टन पत्ते पेड़ों से गिरते हैं जिनसे अगर हम चाहें तो प्राकृतिक खाद बना सकते हैं। कई जीव-जंतु जैसे बकरी, हाथी, कोआला, बंदर, जिराफ आदि अपना पूरा जीवन पेड़ पौधों के पत्ते खाकर गुजारते हैं। कई लाख प्रजाति के पक्षी पेड़-पौधों पर रहते हैं। हर कोई व्यक्ति पेड़ पौधों को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि पेड़ पौधे देखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत होते हैं। सभी पेड़ पौधे देखने में सुंदर और अपनी जगह एक अलग ही रूप रंग और आकार के होते हैं। हमारे देश भारत में वृक्षों की पूजा की जाती है और उन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है। कुछ महत्वपूर्ण पेड़ पौधे जैसे बरगद, पीपल, आम, बेल, केला कुछ आसान उदाहरण है जिनका हमारे देश में बहुत ही अधिक आध्यात्मिक मूल्य है। पेड़ पौधे हमारे जीवन और पर्यावरण में एक शांत और आरामदायक वातावरण को बनाये रखते हैं। आज के इस आधुनिक युग में जब हर जगह नए शहर बन रहे हैं और घर बन रहे हैं ऐसे में पेड़ पौधों का व्यावसायिक मूल्य बहुत ही अधिक हो चुका है। आज भी विश्व के कई हिस्सों मैं लकड़ी को खाना पकाने के रूप में सबसे पहला ईंधन माना जाता है। पेड़ से हमारा घर बनता है, फर्नीचर मिलता है, कई प्रकार के औजार बनते हैं पर लाखों छोटे-मोटे उपयोगी घरेलू चीजें बनती है। पेड़ पौधों से हमें खाने के लिए फल, बादाम भी मिलते हैं जो इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कुछ पेड़ो के अंदरुनी भाग से लैटेक्स प्राप्त होता है जिससे रबर बनाया जाता है। इसे लाखों महत्वपूर्ण रोज के कार्य हैं जो पेड़-पौधों के बिना असंभव हैं। आज मनुष्य स्वयं के स्वार्थ के लिए पेड़ो को तेजी से कटता चले जा रहा है। अत्यधिक पेड़ काट देने के कारण ग्लोबल वार्मिंग, एसिड बारिश और ग्रीन हाउस इफेक्ट जैसे मुश्किलों का सामना मनुष्य को करना पड़ रहा है। आज पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों को बचाना बहुत ही आवश्यक हो गया है। धीरे-धीरे पूरे विश्व भर की जनसंख्या बढ़ती चली जा रही है जिसके कारण लोगों को रहने के लिए नए घर बनाने पढ़ रहे हैं और इसी कारण पेड़ो को बहुत तेजी से काटा जा रहा है। कई जगहों पर बड़े-बड़े कल कारखाने बनाने के लिए लोग बड़े-बड़े जंगलों को साफ कर रहे हैं जो की आने वाले समय में कई प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकता है। शहरी इलाकों में पेड़ो की कमी के कारण गाड़ियों से निकलने वाला प्रदूषित वायु आसमान में ही मंडराता रहता है।

– संजय गोस्वामी

# एमएसपी घोषणा से दलहन-तिलहन में बढ़ेगी आत्मनिर्भरता

केन्द्र सरकार की खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा से दलहन और तिलहन के उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए। देश में तिलहन और दलहन का उत्पादन पिछले सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है पर अभी भी देश दलहन और तिलहन के क्षेत्र में घरेलू जरूरत पूरी होने जितना उत्पादन हो नहीं पा रहा है। हालांकि अब धीरे-धीरे दलहन तिलहन का उत्पादन बढ़ने लगा है और केन्द्र सरकार 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश की विदेशी निर्यात पर पूरी निर्भरता कम होने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। केन्द्र सरकार की आगामी खरीफ के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा से यह साफ हो जाता है कि सरकार दलहन और तिलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सही व योजनावद्ध तरीके से कदम बढ़ा रही है।

सरकार का लक्ष्य है कि 2027 तक दलहन के क्षेत्र में इस हद तक आत्मनिर्भर हो जाए कि विदेशों से एक दाना भी दाल का आयात नहीं करना पड़े। एक मोटे अनुमान के अनुसार दुनिया भर में कुल उत्पादित दालों अर्थात दलहनी फसलों में भारत की भागीदारी 25 प्रतिशत के लगभग है। 2027 तक यह लक्ष्य अर्जित करने के लिए हमें 28 फीसदी का आंकड़ा छूना होगा। देश के कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के संयुक्त प्रयास से देश में कृषि उत्पादन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सरकार द्वारा भी इस दिशा में लगातार प्रयास जारी है और जिस तरह के परिणाम सामने आ रहे हैं वे निश्चित रूप से सकारात्मक और उत्साहवर्द्धक है।

न्यूनतम समर्थन मूल्यों में लगातार बढ़ोतरी और तिलहनी-दलहनी फसलों की खरीद के आश्वासन से किसानों का दलहन-तिलहन के प्रति रुझान बढ़ा है। केन्द्र सरकार ने खरीफ फसल की धान एवं ज्वार की दो किस्मों सहित 16 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर एक बार फिर किसानों को बड़ी राहत दी है। केन्द्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य के अनुसार सर्वाधिक बढ़ोतरी नाइजरसीड यानी कि राम तिल पर की गई है तो दालों में अरहर/तुअर की दाल के एमएसपी में भी 550 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

वैसे सरकार द्वारा खरीफ की सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय और किसानों को प्रोत्साहित करने वाली बढ़ोतरी की है।

न्यूनतम समर्थन मूल्यों की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह रहा है कि किसानों को कम से कम उनकी लागत का पूरा मूल्य मिल सके। देश में पहली बार 1966-67 में केवल गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। एक अगस्त, 1964 में तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। इसके बाद सरकारों ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने की और कदम बढ़ाए। केन्द्र सरकार द्वारा सीएसीपी यानी कि कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाने लगी। आज देश में 23 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। इसमें 7 गेहूं, धान आदि अनाज फसलें, 5 दलहनी फसलें, 7 तिलहनी फसलों 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है।

नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की सिफारिश गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी सीधे गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा की जाती है। मुख्यतौर से अनाज की खरीद भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से और दलहन व तिलहन की खरीद नेफैड द्वारा राज्यों की सहकारी संस्थाओं और अन्य खरीद केन्द्रों के माध्यम से की जाती है। केरल सरकार ने 16 तरह की सब्जियों के बेस मूल्य तय कर सब्जी उत्पादक किसानों को बड़ी राहत देने की पहल की है तो हरियाणा सरकार भी केरल की तरह हरियाणा सरकार भी सब्जियों का बेस मूल्य तय करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। किसानों के लिए सर्वाधिक चर्चित एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने को लेकर भी प्रमुखता से जोर दिया जाता रहा है।

एमएस स्वामीनाथन आयोग ने 2004 में अपनी सिफारिश में न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का एक फामूर्ला सुझाया था कि उत्पादन लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक एमएसपी घोषित की जाए। हांलाकि सरकार का दावा है कि खरीफ 2024 के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 2018-19 की बजट घोषणा के अनुरूप अखिल भारतीय औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया गया है। सरकारी दावों की बात की जाए तो बाजरा की उत्पादन लागत पर 77 प्रतिशत तो तूअर पर 59 प्रतिशत, मक्का पर 54 प्रतिशत, उड़द पर 52 प्रतिशत तो बाकी अन्य फसलों पर भी उत्पादन लागत पर 50 प्रतिशत मार्जिन होने का अनुमान व्यक्त किया गया है।

दरअसल देश में तिलहन और दलहन उत्पादन के लिए सरकारें गंभीर रही हैं। 1986 में सैम पित्रोदा की अध्यक्षता में टीएमओ यानी कि तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन का गठन किया गया था। इस मिशन के माध्यम से देश में तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाना था। राजस्थान सहित देश के प्रमुख उत्पादक राज्यों में तिलहन उत्पादन बढ़ाने के समन्वित प्रयास किए गए। राजस्थान में तो सहकारी क्षेत्र में तेल मिलें भी लगाई गई और तिलहन सोसाइटियां गठित कर उनका संघ भी बनाया गया।

तेल मिलों का संचालन भी इसी संघ को दिया गया पर कालांतर में तिलम संघ की तेल मिलें तो बंद हो गईं वहीं तिलम संघ अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए आज भी जूझ रहा है। कमोबेश यही स्थिति अन्य प्रदेशों में भी रही है। खैर यह विषयांतर हो गया पर 1990 में दलहन को भी इस तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन के दायरे में लाया गया। इसके बाद 1992-93 और 95-96 में पाम ऑयल और मक्का को भी इस तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन के दायरे में लाकर इनके उत्पादन को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। 2021 से मिशन पॉम ऑयल भी सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। इसके माध्यम से सरकार ने 15 राज्यों में पॉम ऑयल के उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए।

इस मिशन के तहत 2025-26 में पूर्वोत्तर राज्यों में 3.28 लाख हैक्टेयर में और पूर्वोत्तर के इतर राज्यों में 3.22 लाख हैक्टेयर में पॉम ऑयल की खेती का रकबा पहुंचाने का लक्ष्य रख कर सरकार चल रही है। खैर दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि देश को तिलहन और दलहन की पैदावार में बढ़ोतरी कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना और समयपूर्व एमएसपी घोषित करना सही दिशा में बढ़ता प्रयास है तो दूसरी और न्यूनतम घोषित दर किसानों को मिले ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है। इसके लिए खरीद व्यवस्था को चाक-चौबंद और खरीद तंत्र को मजबूत बनाना होगा। – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

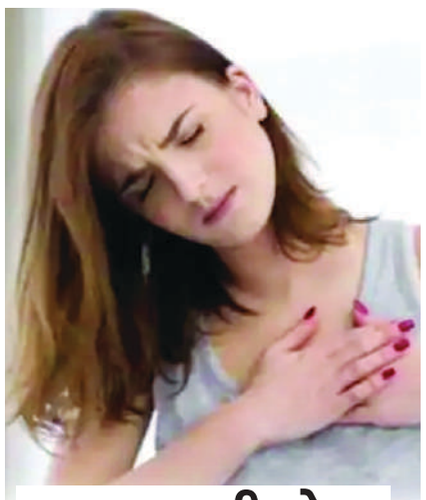

# जान भी ले सकती है विटामिन डी की अधिक मात्रा

**विटामिन डी शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है लेकिन इसकी अधिक मात्रा लेने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। एम्स की रुमेटोलोजी प्रमुख के अनुसार, विटामिन डी की अधिक मात्रा जान ले सकती है। संतुलित मात्रा जरूरी है।**

विटामिन डी सप्लीमेंट की मदद से हड्डी मजबूत करने के चक्कर में एक व्यक्ति अपनी जिंदगी दांव पर लगा बैठा। डॉक्टर ने उसे सप्ताह में एक बार विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने को कहा, लेकिन वह इसे हर रोज इस्तेमाल करने लगा। लगातार उल्टी की शिकायत लेकर वह अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टर हैरान रह गए। अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक आगरा के रहने वाले इस व्यक्ति के रक्त की जांच कराई गई। पता चला कि क्रिएटनिन और कैल्शियम का स्तर ज्यादा बढ़ गया है। विस्तृत जांच करने पर पता चला कि उसके शरीर में विटामिन डी की मात्रा बहुत अधिक हो गई। इसके बाद उसका जरूरी उपचार किया गया। चिकित्सकों के मुताबिक, विटामिन डी का सप्लीमेंट अधिक लेने से मरीज की किडनी पर गंभीर असर पड़ा है। उसने चिकित्सकों को बताया कि कुछ दिन पहले उसके टखने की हड्डी टूट गई थी। तब एक डॉक्टर ने सप्ताह में एक बार विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने की सलाह दी, लेकिन वह रोज लेने लगा। इससे वह बीमार हो गया।

## फेफड़ों को नुकसान

अधिक विटामिन डी का सेवन खून में कैल्शियम, फॉस्फेट के स्तर को बढ़ा देता है। इनसे बने क्रिस्टल फेफड़ों में जमा होने की आशंका रहती है। इससे फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

## विटामिन डी क्यों जरूरी

विटामिन डी के अभाव में शरीर में कैल्शियम का पूरा फायदा नहीं मिल पाता। इससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। विटामिन डी की कमी शुगर का स्तर भी बढ़ाती है। सूरज की किरणों और खाने की कुछ चीजों को छोड़कर तमाम खाने में विटामिन डी नहीं मिल पाता। इसलिए चिकित्सक परीक्षण के बाद इसकी गोलियां और पाउडर लेने की सलाह देते हैं।

## विटामिन डी की कितनी मात्रा है जरूरी

हर व्यक्ति के रक्त में 30 से 70 नैनो ग्राम प्रति मिलीलीटर विटामिन डी की मात्रा जरूरी होती है। शरीर में विटामिन डी की मात्रा 20 से 30 नैनो ग्राम प्रति मिलीलीटर के बीच है तो कमी मानी जाती है। अगर यह 20 से नीचे और 70 से ऊपर है तो तुरंत चिकित्सक के पास जाना चाहिए।

# शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर कामकाज के लिए जिंक जरूरी

**जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने, घाव भरने और गर्भावस्था, बचपन और जवानी में शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व है। जिंक की कमी का अगर समय पर इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा माना जाता है कि पुरुषों को रोजाना 11 मिलीग्राम जिंक चाहिए जबकि महिलाओं को 8 मिलीग्राम की आवश्यकता होती है।**

शरीर को स्वस्थ रखने और बेहतर कामकाज के लिए सभी पोषक तत्वों की जरूरत होती है। अक्सर देखा गया है कि लोग अक्सर सिर्फ प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन जैसे पोषक तत्वों की बात करते हैं। आपको बता दें कि शरीर के सभी अंगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जिंकभी बहुत जरूरी होता है। जिंक की कमी तब होती है, जब शरीर में मिनरल जिंक की पर्याप्त मात्रा नहीं होती है। जिंक इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने, घाव भरने और गर्भावस्था, बचपन और जवानी में शरीर के विकास के लिए जरूरी पोषक तत्व है। जिंक की कमी से त्वचा में भारी बदलाव हो सकते हैं, जो पहले एक्जिमा की तरह दिखते हैं। समस्या यह है कि यह दाने आसानी से ठीक नहीं होते हैं। इसके अलावा आपको बाल झड़ना, नाखूनों में परिवर्तन, दस्त, संक्रमण, चिड़चिड़ापन महसूस करना, भूख में कमी, नपुंसकता, आंखों की समस्या, वजन घटना, घाव जो जल्दी ठीक नहीं होते हैं या स्वाद और गंध की कमी महसूस होना। हेल्थ डायरेक्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जिंक की कमी का अगर समय पर इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके गंभीर लक्षणों में संक्रमण, हाइपोगोनाडिज्म, वजन घटना, तनाव-चिंता, जिल्द की सूजन, स्वाद बिगड़ना, रतौंधी, भूख में कमी, घाव भरने में देरी और खून में अमोनिया का लेवल बढ़ना शामिल है। चलिए जानते हैं कि इस जरूरी पोषक तत्व की कमी पूरी करने के लिए आपको किन-किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

## अंडे खाएं

अंडे में मध्यम मात्रा में जिंक होता है और यह आपके दैनिक लक्ष्य को पूरा करने में आपकी मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, 1 बड़े अंडे में दिन की जरूरत का लगभग 5% जिंक होता है। यह 77 कैलोरी, 6 ग्राम प्रोटीन, 5 ग्राम स्वस्थ वसा और बी विटामिन और सेलेनियम सहित कई अन्य विटामिन और खनिजों के साथ आता है।

## जिंक की कमी दूर करने के लिए खाएं फलियां

छोले, दाल और बीन्स जैसे फलियों में जिंक की पर्याप्त मात्रा होती है। 100 ग्राम पकी हुई दाल में रोजाना की जरूरत का लगभग 12% जिंक होता है। यह चीजें प्रोटीन और फाइबर का भी बेहतर स्रोत हैं।

## मांस जिंक का बढ़िया स्रोत

लाल मांस जिंक का बढ़िया स्रोत है। 100 ग्राम (3.5-औंस) मीट में 4.8 मिलीग्राम जिंक होता है, जो रोजाना की जरूरत का 44% है। इतने मांस में 176 कैलोरी, 20 ग्राम प्रोटीन और 10 ग्राम वसा पाया जाता है।

## कुछ सब्जियां भी हैं फायदेमंद

सामान्य तौर पर, फल और सब्जियां जिंक के खराब स्रोत होते हैं। हालांकि, कुछ सब्जियों में उचित मात्रा होती है और यह आपकी दैनिक जरूरतों में योगदान कर सकती हैं, खासकर यदि आप मांस नहीं खाते हैं। एक मिलीग्राम प्रति बड़े आलू से आपको रोजाना की जरूरत का 9% जिंक मिल सकता है। हरी बीन्स से लगभग 3% मिल सकता है। इनके अलावा आपको जिंक की कमी पूरी करने के लिए शैलफिश, कुछ तरह के सीड्स, नट्स, साबुत अनाज और डार्क चॉकलेट का भी सेवन करना चाहिए।

## जिंक का तगड़ा स्रोत हैं डेयरी उत्पाद

पनीर और दूध जैसे डेयरी खाद्य पदार्थ जिंक सहित कई पोषक तत्व प्रदान करते हैं। दूध और पनीर में इसकी उच्च मात्रा होती है। उदाहरण के लिए, 100 ग्राम पनीर में रोजाना की जरूरत का 28% जिंक होता है जबकि एक कप दूध में लगभग 9% होता है।

## शरीर को रोजाना कितना जिंक चाहिए

पुरुषों को रोजाना 11 मिलीग्राम जिंक चाहिए जबकि महिलाओं को 8 मिलीग्राम की आवश्यकता होती है। यदि आप गर्भवती हैं, तो आपको प्रति दिन 11 मिलीग्राम की आवश्यकता होगी, और यदि आप स्तनपान करा रही हैं, तो आपको 12 मिलीग्राम की आवश्यकता होगी।

# बार-बार बढ़ जाता है बच्चे का टॉन्सिल तो ना करें लापरवाही

**बच्चों में टॉन्सिल का इंफेक्शन होना काफी कॉमन है। जिसे लेकर कई बार पैरेंट्स लापरवाही बरतते हैं और ये समस्या बच्चे को लंबे समय तक परेशान करती रहती है। दरअसल, टॉन्सिल एक तरह का फिल्टर है जो गले के आखिरी हिस्से में होता है। ये किसी भी तरह के वायरस और बैक्टीरिया को सीधे गले से शरीर में पहुंचने से रोकता है। अगर ये वायरस गले से अंदर चले जाते हैं जिसकी वजह से टॉन्सिलाइटिस की समस्या हो जाती है। जिसमे टॉन्सिल सूज जाते हैं और गले में तेज दर्द होता है। ये दर्द बोलने, खाना खाने, थूक निगलने में बहुत तकलीफ देता है। जरूरी है कि बच्चे के गले में हो रही इस तरह की परेशानी पर उसे फौरन डॉक्टर के पास ले जाकर इलाज करवाएं और समय पर दवा देने के साथ ही इन बातों का ध्यान रखें।**

## गले में टॉन्सिल बढ़ने के लक्षण

- गले में तेज दर्द और टॉन्सिल का लाल नजर आना
- बुखार, सिर में दर्द, कान में दर्द
- भूख ना लगना
- थूक निगलने में गले में दर्द होना
- टॉन्सिल पर सफेद या पीला परत दिखना
- गले में छाले और खाना निगलने में दिक्कत
- गर्दन के साथ ही जबड़े में सूजन
- बोलने में परेशानी
- गर्दन में अकड़न

## टॉन्सिल बढ़ने पर ना करें ये काम

बच्चे के गले में बार-बार टॉन्सिल उभर आता है तो सबसे पहले उसकी दवाईयों का कोर्स पूरा करें। केवल आराम मिलने से दवा बंद ना करें। जब तक कि डॉक्टर ना बोलें।

- ठंडा पानी बिल्कुल ना पिलाएं।
- ठंडा जूस, कोल्डड्रिंक, आइसक्रीम, ठंडे ड्रिंक से परहेज करें।
- ज्यादा देर तक नहाने ना दें, खासतौर पर रात के वक्त उसे नहलाने से परहेज करें।
- बच्चा अगर खाना खाता है तो उसे दूध और दही बिल्कुल ना दें।
- सिर पर तेल ना लगाएं।
- सीधे एसी, कूलर या पंखे के सामने ना लेटाएं। जिससे कि ठंडी हवा लगे।
- दिन में ना सुलाएं।

## टॉन्सिल बढ़ने पर करें ये काम

बच्चे का टॉन्सिल बार-बार बढ़ जाता है तो एक्सपर्ट के सुझाए इन कामों को करें।

- गले में सूजन होने पर गार्गल करवाएं। गुनगुने एक गिलास में एक चुटकी नमक और एक चम्मच हल्दी डालें और गार्गल करवाएं।
- गले, चेहरे और सीने पर कपूर के तेल की मसाज करें।
- सीने में जकड़न महसूस हो तो स्टीम दें।
- गर्म चीज जैसे सूप पीने को दें। इसमे काली मिर्च डालें।
- बहुत ठंडे पानी से ना नहलाएं और सिर के पानी को जल्दी से पोछ दें।

**अधिकतर लोगों को सुबह उठने के बाद थकान महसूस होने लगती है। ऐसा कई बार न्यूट्रिशन की कमी के कारण हो सकता है। जब हम गलत लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं, तब ऐसा ज्यादा होता है।**

# सुबह की इस थकान को दूर करने के लिए इन चीजों को खाने की आदत बनाएं

**अगर सुबह अच्छी हो तो सारा दिन अच्छा जाता है। हालांकि, अधिकतर लोगों को सुबह उठने के बाद थकान महसूस होने लगती है। ऐसा कई बार न्यूट्रिशन की कमी के कारण हो सकता है। जब हम गलत लाइफस्टाइल को फॉलो करते हैं, तब ऐसा ज्यादा होता है। ऐसे में सुबह की इस थकान को दूर करने के लिए आप कुछ चीजों को सुबह खाने की आदत बना सकते हैं।**

## कद्दू के बीज

कद्दू के बीज में मेग्नीशियम, कॉपर, जिंक होता है। इस बीज में हाइपोग्लाइसेमिक प्रॉपर्टीज होती हैं, जिसकी वजह से आपका शुगर लेवल कम हो सकता है। हालांकि, इनमें ट्रिप्टोफन होता है, जो एक एमिनो एसिड ये आपके शरीर में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन बनाता है। ऐसे में आप अपने सुबह इन बीजों को भी खा सकते हैं।

## अखरोट

सुबह उठकर अखरोट खाने से आपकी एनर्जी को बूस्ट करने में मदद मिल सकती है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3, जिंक, सेलेनियम, प्रोटीन और विटामिन बी की भरपूर मात्रा भी आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करती है।

## खजूर

खजूर खाने के कई सारे फायदे होते हैं। इन्हें खाने से आपको हेल्दी शुगर मिलती है। वहीं इसमें डायट्री फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। इन्हें खाने से पाचन में मदद मिलती है। ऐसे में आप सुबह खजूर खाकर भी अपनी एनर्जी को बूस्ट कर सकते हैं।

## बादाम

वेट लॉस के साथ बादाम हड्डियों और आपके मूड के लिए भी अच्छा होता है। यही वजह है कि इसे सुपरफूड कहा जाता है। यह ब्लड फ्लो में एंटीऑक्सिडेंट के स्तर को काफी बढ़ाता है, ब्लड प्रेशर को कम करता है और ब्लड फ्लो में सुधार करता है। आप भीगे हुए बादाम को सुबह खा सकते हैं।

## इस बात का रखें ख्याल

जब आप सुबह उठते हैं तो उसके तुरंत बाद ही आपको एक गिलास पानी पीना चाहिए, ऐसा करने से आप पूरी तरह से हाइड्रेटेड रहते हैं। कई बार सुबह की थकान डिहाईड्रेशन के कारण भी होती है।

## संक्षिप्त

### गोपालगंज : निजी क्लिनिक में प्रसव के दौरान महिला की गयी जान, परिजनों ने की तोड़फोड़

**गोपालगंज।** शहर के आंबेडकर चौक के पास गुरुवार की सुबह ऑपरेशन के दौरान एक गर्भवती की मौत हो गयी। मरीज की मौत होने के बाद डॉक्टर और क्लिनिक के कर्मी फरार हो गये। वहीं, मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गये और क्लिनिक में हंगामा करते हुए तोड़फोड़ करने लगे। मृत महिला की पहचान पूजा देवी के रूप में हुई, जो कुचायकोट थाना क्षेत्र के भोपतापुर गांव निवासी संजय शर्मा की पत्नी थी।

### रिटायर्ड शिक्षक की गोली मारकर हत्या

**जानकीनगर (पूर्णिया)।** जिले के जानकीनगर थानाक्षेत्र के चोपड़ा बाजार वार्ड नंबर 04 में एनएच 107 से सटे दरवाजे पर सो रहे रिटायर्ड शिक्षक रामनारायण यादव की बीती रात गोली मारकर हत्या कर दी गयी। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को यह पता चला कि रात 11:20 बजे बाइक से आये अज्ञात अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि परिजनों को सुबह में उस वक्त घटना की जानकारी हुई, जब रोजाना की तरह मृतक को चाय देने के लिए उसकी बहू आयी। मृतक को सीने और पेट में गोली लगी थी। मृतक के बड़े पुत्र विपिन कुमार यादव ने पड़ोस के ही एक परिवार पर घटना के पीछे होने की आशंका प्रकट की है।

### दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प में तीन घायल

**सिकंदरा (जमुई)।** लछुआड़ थाना क्षेत्र के सबलबीघा गांव में बुधवार की रात दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गयी। झड़प में एक पक्ष के तीन लोग घायल हो गये। परिजनों ने घायलों को सिकंदरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। घटना को लेकर गांव में माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। पुलिस गांव में कैंप कर रही है। घायलों के द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर लछुआड़ थाना में आवेदन दिया गया है। आवेदन के मुताबिक बुधवार की रात करीब 8.45 बजे लगभग 15 की संख्या में एक पक्ष के लोग गाली-गलौज करते हुए आ रहे थे।

# लालबकेया नदी के फुलवरिया घाट पर बना डायवर्सन ध्वस्त

संवाददाता, बैरगनिया (सीतामढ़ी)

बैरगनिया प्रखंड क्षेत्र के पश्चिमी छोर पर स्थित पूर्वी चंपारण को अलग करने वाली लालबकेया नदी के फुलवरिया घाट पर बना डायवर्सन ध्वस्त हो गया है। डायवर्सन के माध्यम से हो रहा आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में रुक-रुक कर लगातार हो रही बारिश के कारण लालबकेया नदी में उफान व तेज बहाव से गुरुवार को दोपहर में फुलवरिया घाट पर बना डायवर्सन ध्वस्त हो गया। इससे वाहनों सहित पैदल यात्रियों का
आना-जाना बंद हो गया है। इधर, फुलवरिया घाट पर निर्माणाधीन सड़क पुल का पश्चिम एप्रोच रोड अब तक नहीं बन पाया है। फिर भी लोग जान जोखिम में डालकर निर्माणाधीन पुल होकर ही पैदल व बाइक से आना जाना शुरू कर दिये हैं। पूर्वी चंपारण सहित बैरगनिया के पश्चिमी तरफ से आने वाले यात्री व बाइक सवार, बाइक को धक्का देकर पुल पर चढ़ा रहे हैं। फिर अपने गंतव्य को जा रहे हैं। पिछले तीन दिनों से मिट्टी तथा कीचड़ भरे जाने के कारण बस, ट्रक, जीप सहित अन्य बड़े वाहनों का फुलवरिया घाट डायवर्सन से आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। नेपाल के तराई क्षेत्र व भारतीय सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण डायवर्सन से लेकर बैरगनिया इंडो-नेपाल सड़क तक पहुंचने में चारों तरफ कीचड़ भर जाने से पूर्वी चंपारण व बैरगनिया के बीच वाहनों का परिचालन बैरगनिया प्रखंड से जमुआ घाट पर बने सड़क पुल होकर सपही, भंडार गांव होते हुए भंडार चौक तथा वहां से ढाका, पताही, मधुबन, मोतिहारी सहित पूर्वी चंपारण ही नहीं, बिहार के विभिन्न शहरों में लोग आ- जा रहे हैं। जमुआ घाट सड़क पुल होकर यात्रा करने में 10 किलोमीटर की अधिक दूरी तय करनी होती है। इसलिए ही लोग फुलवरिया घाट होकर आना जाना ज्यादा उपयुक्त समझते हैं।

### मधुबनी में ठनके से पांच लोग झुलसे, भैंस की मौत

**बिस्फी (मधुबनी)।** प्रखंड क्षेत्र की जगवन पूर्वी पंचायत के कटैया व दामला गांवों के बीच धनही चौर में ठनका गिरने से भैंस की मौत हो गयी। वहीं, गदीश सदाय, श्याम सदाय, सिताई सदाय, राहुल मंडल, कन्हाई सदाय झुलस गये। घटना बुधवार को झमाझम बारिश होने के दौरान घटी। घायल सभी जगवन पंचायत के चमोलिया टोल के निवासी हैं। भैंस नारायण सदाय की बताई जा रही है। नारायण सदाय अन्य लोगों के साथ भैंस चराने गया था। जब सभी लोग बारिश में ही घर वापस आ रहे थे तभी ठनका गिर पड़ा। पशुपालन चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। सुधांशु ने कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा किसानों को राहत देने की प्रक्रिया की जायेगी।

## हाइवा के धक्के से ऑटो चालक की मौत, विरोध में सड़क जाम

**सूर्यगढ़ा (लखीसराय)।** थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह सड़क पर रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला। घटना लखीसराय-सूर्यगढ़ा एनएच 80 पर रतनुपुर गांव जेएमके चिमनी भट्ठा के समीप हुई। जहां एक अनियंत्रित हाइवा ने सड़क किनारे खड़े यात्री ऑटो में पीछे के भाग में टक्कर मार दिया।

उस दौरान ऑटो का चालक गाड़ी खड़ा कर यात्री उतार रहा था। घटना में सूर्यगढ़ा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर पंचायत वार्ड संख्या नौ खेमतरनी स्थान गांव निवासी जोगी यादव के 50 वर्षीय पुत्र सह ऑटो चालक मलेट्री यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। वहीं दो-तीन अन्य यात्रियों के भी जख्मी होने की सूचना है। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने एनएच 80 को लगभग 30 मिनट तक जाम रखा। इससे आवागमन बाधित रहा।

## पेज एक का शेष

### स्वास्थ्य समेत किसी...

राज्य में आज भी देश के मानक स्तर से कम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल हैं। ऐसे में यहां नए मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले दिनों में यहां निजी अथवा पीपीपी मोड पर कई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खुलेंगे, जिसका फायदा यहां के लोगों को मिलेगा।

**निवेशकों को पूरा सहयोग करेगी सरकार :** मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य समेत किसी भी क्षेत्र में जो निवेशक यहां निवेश करने के इच्छुक हैं। उन्हें सरकार की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। वे अपना प्रस्ताव दें, सरकार पूरी गंभीरता से विचार करेगी। निवेशकों को सरकार की नीति के अनुरूप इंसेंटिव भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विकास की गति तेज करने के लिए यह कदम उठाए जा रहा है।

**इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़े :** मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी बेहतर इलाज के लिए लोग दूसरे राज्यों और बड़े शहरों का रुख करते हैं। वहां महंगा इलाज होने की वजह से उनके आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है। सरकार की कोशिश है कि यहां के लोगों को अपने ही राज्य में बेहतर और आधुनिक चिकित्सीय जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध करा सकें। इस दिशा में मेडिकल कॉलेज और विभिन्न अस्पतालों को अपग्रेड किया जा रहा है। जांच की आधुनिकतम मशीन उपलब्ध कराने के साथ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा नए अस्पतालों के खुलने से लोगों को इलाज करने के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

**ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर बनाएं :** मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के ग्रामीण और सुदूर इलाकों से लेकर शहरों तक लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करना हमारी प्रतिबद्धता है। इस दिशा में स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत कर रहे है। सरकार इसके लिए तो कार्य कर ही रही है, लेकिन निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों को भी इसके लिए आगे आना होगा। वे ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करें ताकि ग्रामीणों को इलाज के लिए अन्यत्र इधर-उधर जाना नहीं पड़े। सभी के सहयोग से हम राज वासियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में सफल होंगे।

**शिलान्यास कार्यक्रम में ये अधिकारी मौजूद :** शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, रांची यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हाम, राइट पाथ फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ अभिजीत कुमार भी मौजूद थे।

### जल जीवन मिशन...

हमारी सरकार पूरी तत्परता के साथ पेयजल समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने सरकार द्वारा संचालित सभी जलापूर्ति परियोजनाओं को निर्धारित समय पर पूरा कर राज्य में सुलभ पेयजल उपलब्धता तथा कनेक्शन कार्यों में गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं का संचालन एवं रखरखाव बेहतर तरीके से हो इस निमित्त विशेष सतर्कता बरतते हुए कार्य करें।

**पेयजल संकट से बचने के लिए विशेष कार्य योजना बनाएं :** मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर स्वीकृत नए नलकूपों के कार्य प्रगति में तेजी लाएं। खराब पड़े नलकूपों की मरम्मत कार्य भी अवश्य कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के मौसम में लोगों को शुद्ध पेयजल की समस्या किसी भी हाल में नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि भविष्य में पेयजल संकट से बचने के लिए विभाग विशेष कार्य योजना भी बनाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत इंटागढ़ तथा डूडरा कमलपुर में विश्व बैंक संपोषित जलापूर्ति योजना 2023 में ली गई थी, परंतु एजेंसी की लापरवाही के वजह से यह योजना पूरी नहीं हो सकी, जिस एजेंसी द्वारा लापरवाही बरती गई है विभाग उस पर कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा नई स्वीकृति कराकर इस जलापूर्ति योजना को पूर्ण कराया जाए।

**पेयजल से संबंधित शिकायतों का निराकरण शीघ्र करें :** मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विगत दिनों विभिन्न माध्यमों से ऐसी खबरें मिली रही हैं कि राज्य के कुछ जिलों में चूंआ, तालाब, कुआं आदि जल स्रोतों से ग्रामीण पीने का पानी ला रहे हैं, जिन-जिन क्षेत्रों में ऐसी खबरें मिल रही है वहां जांच कराकर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। पेयजल से संबंधित जो भी शिकायतें विभाग को मिल रही हैं उसका निराकरण हर हाल में करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसी सभी बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजनाएं जिसे माह सितम्बर-अक्टूबर 2024 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, उन सभी योजनाओं को माह जुलाई-अगस्त 2024 तक हर हाल में पूरा करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के भीतर कुछ ऐसे पहाड़ हैं जहां से झरना गिरता है उन जगहों पर भी जलापूर्ति योजनाएं ली जा सकती हैं। ऐसे पहाड़ों को चिन्हित कर कार्य योजना बनाएं।

**शौचालय निर्माण योजना को अबुआ आवास से जोड़ें :** मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत बनाए जा रहे शौचालय निर्माण योजना को अबुआ आवास योजना से जोड़ें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण के लिए मात्र 12 हजार रुपए राशि दी जाती है। अधिकारी इसकी भी समीक्षा करें कि इतनी राशि में गुणवत्तापूर्ण शौचालय बनाया जा सकता है या नही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार अबुआ आवास के लाभुकों को एक बेहतर शौचालय देने के लिए प्रतिबद्ध है जो लम्बे समय तक उपयोग में लाया जा सके। मुख्यमंत्री ने गोबरधन परियोजना अंतर्गत निर्मित गोबरगैस प्लांट की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। ग्रामीणों को गोबरगैस प्लांट के फायदे की जानकारी उन तक पहुंचाएं।

**मुख्य सचिव सहित ये अधिकारी मौजूद :** बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, तेजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव राजेश शर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, अभियंता प्रमुख ब्रजनंदन कुमार, मुख्य अभियंता, मुख्यालय शिशिर कुमार सोरेन सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

### नियुक्ति पत्र सौंपकर...

**दूसरे युवाओं को भी प्रेरित करें :** मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां जिन छात्र- छात्राओं को नियुक्ति पत्र मिला है, उनमें ज्यादातर ग्रामीण परिवेश के हैं। ऐसे में आप उनके लिए किसी न किसी रूप में प्रेरणा स्रोत बनेंगे। आपकी सफलता ग्रामीण युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब आपके पास हुनर होगा, तो रोजगार के अनेकों मौके मिलेंगे।

**विदेश की कंपनियों में मिली नौकरी :** प्रेझा फाउंडेशन द्वारा संचालित कौशल कॉलेज और कल्याण गुरुकुल के जिन विद्यार्थियों को आज नियुक्ति पत्र मिला, उनमें कल्याण गुरुकुल के 13 विद्यार्थियों का चयन दुबई की एक कंपनी, नर्सिंग की चार छात्राओं का चयन हैदराबाद के एक बड़े अस्पताल, कलीनरी के छह विद्यार्थियों का चयन राजस्थान और आठ विद्यार्थियों का हैदराबाद के एक बड़े होटल के लिए हुआ है।इस अवसर पर मंत्री दीपक बिरुवा, मुख्यमंत्री के सचिव अरवा राजकमल, सचिव कृपानंद झा और प्रेझा फाउंडेशन के मुख्य परियोजना पदाधिकारी एम कुमार मौजूद थे।

### हेमंत सोरेन की...

लेकिन, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील ने इसका जोरदार विरोध किया। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय ने ऑर्डर रिजर्व रख लिया था।

**सिब्बल की दलीलों का ईडी के वकील ने किया था विरोध :** हेमंत सोरेन को जमानत देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ ईडी का केस गलत है। यह पूरी तरह से जमीन विवाद का मामला है। यह कोई आपराधिक कृत्य नहीं है। उनके मुवक्किल को बेवजह इस मामले में फंसाया गया है। उनकी गिरफ्तारी भी गैरकानूनी है। कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि ईडी जबरन यह साबित करने में जुटा है कि इस जमीन पर हेमंत सोरेन का कब्जा है।

ईडी के वकील ने जमानत याचिका का किया विरोध : वहीं, ईडी के वकील एसवी राजू ने कपिल सिब्बल की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बड़गाईं अंचल की 8.5 एकड़ जमीन के मालिक बन बैठे। एसवी राजू ने कोर्ट यह भी याद दिलाया कि हेमंत सोरेन ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर अपनी गिरफ्तारी को गलत बताया था, लेकिन कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को सही माना। इसलिए उन्हें जमानत नहीं मिलनी चाहिए।

### पलामू से नक्सलियों...

गिरफ्तार आरोपी पाटन थाना क्षेत्र के भुडुवा निवासी सुनील पासवान उर्फ डॉक्टर को नौडीहा बाजार की पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

**कई अन्य घटनाओं का किया खुलासा :** डीएसपी नौशाद आलम प्रेस वार्ता कर बताया कि 2022 के मुठभेड़ कांड को बाद तत्कालीन नौडीहा थाना प्रभारी रंजीत प्रसाद यादव ने 15 नामजद और अन्य अज्ञात लोगों के विरूद्ध नाजायज मजमा बना कर अवैध आग्नेयास्त्र से लैस होकर पुलिस बल को निशाना बनाकर गोली चलाने, अवैध आग्नेयास्त्र, नक्सली पर्चा रखने एवं बरामद होने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया था। उन्होंने बताया कि पकड़े गये आरोपी ने पुलिस के समक्ष अपना अपराध स्वीकार करते हुए कई अपराधिक घटनाओं का खुलासा भी किया है। कांड के कई अन्य आरोपी पहले ही जा चुके हैं जेल : बता दें कि, इस कांड में पूर्व में छतरपुर थाना क्षेत्र के विषयपुर के सुरेंद्र भुइयां और मनातू थाना क्षेत्र के टंडवा कुसहा के अमरेश सिंह को गिरफ्तार कर पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। वहीं, कुंदा थाना क्षेत्र के बधार गांव के प्राथमिकी अभियुक्त रोहित कुमार भूईयां उर्फ रवि भुइयां, मनातू थाना क्षेत्र के नौडीहा के बच्चन जी उर्फ बसंत जी उर्फ दिवाकर जी, मुनकेरी छतरपुर के मंटू जी उर्फ तालकेश्वर यादव को अलग-अलग कांडों से पुलिस ने इस कांड में रिमांड भी किया है।

### एनआईए ने प्रतिबंधित...

इसके कारण एनआईए ने जिले के अन्य संदिग्ध कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की।

**एक हफ्ते पहले भी एनआईए ने की थी छापेमारी :** एनआईए ने इस जांच को पिछले साल अगस्त में अपने हाथ में लिया था, जो अब भी जारी है। वहीं इससे पहले 20 जून को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने झारखंड में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के क्षेत्रीय समिति सदस्य की गिरफ्तारी के सिलसिले में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया था। एनआईए ने इस मामले में बताया था कि फरार कमांडरों, जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और एमएसएस और एएमएम जैसे फ्रंटल संगठनों के सदस्यों के घर और ठिकानों पर दो दिनों तक तलाशी ली गई।

**30 जून को दर्ज मामले में ली गई तलाशी :** एनआईए के मुताबिक पिछले साल 30 जून को दर्ज मामले में झारखंड के गिरिडीह और बोकारो जिले में फैले लगभग 19 अलग-अलग ठिकानों पर तलाशी ली गई। इस तलाशी के दौरान, एनआईए ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य सामग्री बरामद की गई थी। वहीं एनआईए की जांच से पता चला था कि माओवादियों ने गिरिडीह जिले के दूरदराज के इलाकों में सड़क निर्माण परियोजनाओं से भारी मात्रा में लेवी वसूली है।

### सरायकेला एलआरडीसी...

जांच में प्रथम दृष्टया उसकी शिकायत सही पाई गई। इसके बाद एसीबी की टीम ने स्वागता को रंगे हाथ गिरफ्तार करने के लिए जाल बिछाया। एसीबी की योजना के तहत सिंग सोय स्वागता नंदा को रिश्वत देने के लिए एलआरडीसी ऑफिस पहुंचा।

**जैसे ही 8000 रुपये लिए, एसीबी ने किया गिरफ्तार :** ऑफिस में मौजूद स्वागता नंदा को सिंग सोय ने 8,000 रुपए की रिश्वत दी। जैसे ही स्वागता ने ये रुपये सिंग सोय के हाथों से लिए, वहां पहले से सादे वेश में मौजूद एसीबी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उसे धर दबोचा। टीम उसे जमशेदपुर ले गई है। अब आगे की पूछताछ और अन्य कार्रवाई वहीं होगी।

### नीतियों का विरोध...

इसमें बड़े आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के साथ ही अनेक ऐतिहासिक कदम भी देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। यही कंप्टीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के संकल्प ने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना दिया है। 10 साल में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर पांचवें नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने औसतन 8 प्रतिशत की रफ्तार से विकास किया है और ये ग्रोथ सामान्य समय में नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि बीते 10 वर्ष में ऐसे अनेक रिफॉर्म हुए हैं, जिनका बहुत लाभ देश को आज मिल रहा है। जब ये रिफॉर्म किए जा रहे थे, तब भी इनका विरोध किया गया था, नकारात्मकता फैलाने की कोशिश की गई थी, लेकिन ये सारे रिफॉर्म समय की कसौटी पर खरे साबित हुए हैं। उन्होंने इस संबंध में 10 साल पहले भारत के बैंकिंग सेक्टर को डूबने से बचाने के लिए सरकार द्वारा बैंकिंग रिफॉर्म का उल्लेख किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि, सरकार डिजिटल इंडिया और डाक नेटवर्क का उपयोग कर दुर्घटना और जीवन बीमा का कवरेज बढ़ाने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों में सुधार प्रक्रिया जारी रहनी चाहिए, ताकि वे युद्ध के लिए तैयार रहें। बैंकों की मजबूती उन्हें ऋण आधार बढ़ाने तथा राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि में योगदान करने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में अधिक भागीदारी की मांग करने वाली महिलाओं को महिला आरक्षण कानून से सशक्त बनाया गया है। पूर्वोत्तर में विकास के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, सरकार एएफएसपीए को धीरे-धीरे हटाने के लिए भी काम कर रही है। सरकार पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए काम कर रही है। पिछले 10 वर्षों में कई पुरानी समस्याओं का समाधान किया गया।

राष्ट्रपति ने लोकसभा में पहली बार चुन कर आये सदस्यों और पुराने सदस्यों से संसद के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि आज का समय हर प्रकार से भारत के लिए अनुकूल है। इस समय का अधिक से अधिक लाभ देश को मिले, ये दायित्व सरकार के साथ-साथ संसद के हर सदस्य का भी है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की सरकार और संसद क्या निर्णय लेती है, क्या नीतियां बनाती हैं, इस पर पूरे विश्व की नजर है। राष्ट्रपति ने कहा, "नीतियों का विरोध और संसदीय कामकाज का विरोध, दो भिन्न बातें हैं।"

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति सरकारी योजनाओं से अछूता न रहे। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आप 140 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का माध्यम बनेंगे।

उन्होंने कहा कि अक्सर विरोध परक मानसिकता और संकीर्ण स्वार्थ के कारण लोकतंत्र की मूल भावना का बहुत अहित हुआ है। इसका प्रभाव संसदीय प्रणाली पर भी पड़ता है और देश की विकास यात्रा पर भी पड़ता है। देश में कई दशकों तक अस्थिर सरकारों के दौर में कई सरकारें चाहते हुए भी न रिफॉर्म कर पाईं और न ही आवश्यक निर्णय ले पाईं। भारत की जनता ने निर्णायक बनकर इस स्थिति को बदला है।

नीट-यूजी पेपर लीक और अन्य परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि आरोपों की उच्च स्तरीय जांच हो रही है। सरकार दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समाधान तक पहुंचने के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर देशव्यापी ठोस उपाय करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकारी भर्ती हो या फिर परीक्षाएं, किसी भी कारण से इनमें रुकावट आए, ये उचित नहीं है। इनमें शुचिता और पारदर्शिता बहुत ज़रूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने परीक्षाओं के दौरान अनुचित साधनों के इस्तेमाल के खिलाफ सख्त कानून बनाया है।

राष्ट्रपति ने 25 जून, 1975 को लागू हुए आपातकाल का स्मरण करते हुए कहा कि आपातकाल संविधान पर सीधे हमले का सबसे बड़ा और काला अध्याय था। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार भी भारत के संविधान को सिर्फ राजकाज का माध्यम भर नहीं मानती, बल्कि हमारा संविधान जन-चेतना का हिस्सा हो, इसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। इसी ध्येय के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि अब भारत के उस भूभाग, जम्मू-कश्मीर में भी संविधान पूरी तरह लागू हो गया है, जहां आर्टिकल 370 की वजह से स्थितियां कुछ और थीं। राष्ट्रपति ने देश के भीतर और बाहर मौजूद विघटनकारी ताकतों से सदस्यों को आगाह करते हुए कहा कि आज की संचार क्रांति के युग में विघटनकारी ताकतें, लोकतंत्र को कमजोर करने और समाज में दरारें डालने की साजिशें रच रही हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी का दायित्व है कि इस चुनौती से निपटने के लिए नए रास्ते खोजें।

### झामुमो के डॉ. सरफराज...

**गिरिडीह में उत्सव का माहौल :** इसके खुशी में इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार की शाम झामुमो नेता मो. आलम के नेतृत्व में गिरनिया मोड़ स्थित पार्टी कार्यालय के पास आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलाई। मौके पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो अकबर, गोपिन मुर्मू , बीस सूत्री अध्यक्ष ध्रुवदेव पंडित, मो. शमशेर, मो. याकूब , वाहिद खान, मो. जाकिर, मालो खान, मो. ताज, रितेश पाठक, कुंदन पाठक आदि मौजूद थे।

### झारखंड में वन सेवा के...

| अफसरों के नाम | कहां थे | अब कहां मिली पोस्टिंग |
|---|---|---|
| 1. एन के सिंह | प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास | प्रधान मुख्य संरक्षक वन्यप्राणी और मुख्य वन्य प्राणी प्रतिपालक, रांची |
| 2. संजीव कुमार | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कैम्पा, रांची | सदस्य सचिव, झारखंड राज्य जैव विविधता पर्षद, रांची |
| 3. रवि रंजन | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, सिंहभूम | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, कैम्पा, रांची |
| 4. यतीन्द्र कुमार दास | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, रांची | अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास, रांची, प्रबंध निदेशक , झारखंड राज्य वन विकास निगम लिमिटेड (अतिरिक्त प्रभार) |
| 5. जब्बार सिंह | क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, रांची | निदेशक भगवान बिरसा जैविक उद्यान, रांची (अतिरिक्त प्रभार) |
| 6. स्मिथा पंकज | राज्य वन वृक्ष विज्ञानी,क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, सिंहभूम | वन संरक्षक, कार्यनियोजना अंचल, जमशेदपुर (अतिरिक्त प्रभार) |
| 7. पी0आर0 नायडू | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, रांची | राज्य वन वृक्ष विज्ञानी झारखण्ड, रांची तथा वन संरक्षक, कार्य नियोजना अंचल, रांची (अ. प्रभार) |
| 8. अरविन्द कुमार | वन प्रमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा वन प्रमंडल, लोहरदगा | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, चतरा (वेतनमान में वृद्धि) |
| 9. राज कुमार साह | वन प्रमंडल पदाधिकारी, देवघर वन प्रमंडल | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, बोकारो (वेतनमान में वृद्धि) |
| 10. अशोक कुमार गुप्ता | वन प्रमंडल पदाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रमंडल, सिमडेगा | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, देवघर(वेतनमान में वृद्धि) |
| 11. उमेश साहनी | वन प्रमंडल पदाधिकारी, वन्य प्राणी प्रमंडल, रांची | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, दुमका(वेतनमान में वृद्धि) |
| 12. ममता प्रियदर्शी | वन प्रमंडल पदाधिकारी, जमशेदपुर वन प्रमंडल | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, हजारीबाग(वेतनमान में वृद्धि) |
| 13. महालिंग | केन्दीय प्रतिनियुक्त को वन संरक्षक | सिर्फ वेतमान में वृद्धि |
| 14. ओम प्रकाश | वन प्रमंडल पदाधिकारी, निदेशन एवं प्रशासन, रांची | वन संरक्षक, योजना अंचल, रांची(वेतनमान में वृद्धि) |
| 15. शशि कुमार | वन प्रमंडल पदाधिकारी, दक्षिणी वन प्रमंडल, गढ़वा | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, मेदिनीनगर(वेतनमान में वृद्धि) |
| 16. शिव कुमार प्रसाद | प्रमंडलीय प्रबंधक, लघु वन पदार्थ परियोजना प्रमण्डल, गढ़वा | वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, गढ़वा (वेतनमान में वृद्धि) |
| 17. बी0 भास्करण | वन प्रमंडल पदाधिकारी, सामाजिक वन प्रमंडल, देवघर | वन प्रमंडल पदाधिकारी, विश्व खाद्य कार्यक्रम, चाईबासा |
| 18. सबा आलम अंसारी | वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल, वन प्रमंडल पदा., जमशेदपुर वन प्रमण्डल जमशेदपुर | वन संरक्षक, गज परियोजना, जमशेदपुर एवं वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल, जमशेदपुर तथा वन संरक्षक प्रादेशिक अंचल, चाईबासा (अ. प्रभार) |
| 19. प्रवेश अग्रवाल | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल, गिरीडीह वन प्रमंडल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमंडल, लातेहार | वनप्रमण्डलपदाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, लातेहार (अतिरिक्त प्रभार) |
| 20. अभिषेक कुमार | उप वन संरक्षक, गज परियोजना जमशेदपुर | वन प्रमंडल पदाधिकारी, लोहरदगा |
| 21. सौरभ चन्द्रा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग | वन प्रमंडल पदाधिकारी, पाकुड़ |
| 22. दिलीप कुमार यादव | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गढ़वा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, खूंटी |
| 23. मनीष तिवारी | वन प्रमंडल पदाधिकारी, साहेबगंज | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गिरीडीह |
| 24. विकास कु उज्जवल | वन प्रमण्डल पदाधिकारी , सिमडेगा वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग | वन संरक्षक, कार्यनियोजना अंचल, हजारीबाग (अतिरिक्त प्रभार) |
| 25. सत्यम कुमार | वन प्रमंडल पदाधिकारी, चाईबासा | वन प्रमंडल पदा., मेदिनीनगर |
| 26. सूरज कुमार सिंह | वन प्रमंडल पदाधिकारी, कोडरमा | वन प्रमंडल पदाधिकारी वन्यप्राणी प्रमण्डल, हजारीबाग |
| 27. आदित्य नारायण | वन प्रमंडल पदाधिकारी सरायकेला-खरसांवा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, चाईबासा |
| 28. अभिषेक भूषण | वन प्रमंडल पदाधिकारी, कोल्हान वन प्रमंडल पदाधिकारी, देवघर | वनप्रमण्डलपदाधिकारी, सामाजिक वानिकी प्रमण्डल, देवघर (अ. प्रभार) |
| 29. रौशन कुमार | वन प्रमंडल पदाधिकारी, लातेहार | वन प्रमंडल पदाधिकारी, सिमडेगा |
| 30. बंकर अजिंक्य देवीदास | वन प्रमंडल पदाधिकारी, जामताड़ा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, प्रचार एवं प्रसार प्रमंडल, रांची |
| 31. सौमित्र शुक्ला | वन प्रमंडल पदाधिकारी, सामाजिक वन प्रमंडल, लातेहार | वन प्रमंडल पदाधिकारी कोडरमा |
| 32. कुलदीप मीना | वन प्रमंडल पदाधिकारी, खूंटी | वन प्रमंडल पदाधिकारी, कोल्हान वन प्रमंडल, चाईबासा |
| 33. अवनीश कु चौधरी | वन प्रमंडल पदाधिकारी, वन्य प्राणी प्रमंडल, हजारीबाग | वन प्रमंडल पदाधिकारी वन्यप्राणी प्रमण्डल, रांची |
| 34. राहुल कुमार | उप वन संरक्षक, परियोजना समन्वयक इकाई, झारखंड | वन प्रमंडल पदाधिकारी, जामताड़ा सहभागीवन प्रबंधन परियोजना, रांची |
| 35. मौन प्रकाश | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गोड्डा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, हजारीबाग |
| 36. अंकित कुमार सिंह | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गोड्डा (अतिरिक्त प्रभार) |
| 37. आलोक कुमार वर्मा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, पोड़ाहाट | वन प्रमंडल पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावा |
| 38. एबिन बेनी अब्राहम | संलग्न पदाधिकारी, गढ़वा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गढ़वा |
| 39. प्रबल गर्ग | संलग्न पदाधिकारी, दुमका | वन प्रमंडल पदाधिकारी, साहेबगंज |
| 40. अंशुमान | सम्प्रति संलग्न पदाधिकारी चाईबासा | वन प्रमंडल पदाधिकारी, गढ़वा |

## पैसा कमाने के चक्कर में साइबर ठगी में फंसी ईशा जायसवाल, पाकिस्तान तक तार

पटना । लड़की हूं तब क्या हुआ? रोटी बनाने से लेकर रोटी कमाने तक की हिम्मत रखती हूं। पूर्वी चंपारण निवासी 23 साल की ईशा जायसवाल ने 1 दिसंबर 2023 को डायलॉग के साथ रील बनाई। शादीशुदा ईशा ने जब डेढ़ साल पहले ससुराल छोड़ा, तब रोटी कमाने की चिंता होने लगी। लेकिन, इसके लिए ईशा ने गलत रास्ता चुन लिया। इंस्टाग्राम पर रोटी कमाने की फिक्र में ही करीब सालभर पहले वह 24 साल के नेस्ताक आलम के संपर्क में आई। नेस्ताक 4 साल से साइबर ठगी की दुनिया में सक्रिय था। आलम ने पहले ईशा को गर्लफ्रेंड बनाया, फिर अपने काले कारनामों का राजदार भी बना लिया। आलम को ईशा को साथ लाने में कई फायदे दिख रहे थे। ईशा भी पैसों की लालच में नेस्ताक का साथ देने को तैयार हो गई। लेकिन, अब कटिहार पुलिस ने दोनों को पटना से अरेस्ट किया है। साथ ही इनके साइबर ठगी गैंग के पाकिस्तान तक के कनेक्शन का खुलासा हुआ है।

## एक जुलाई को काला दिवस मनायेगी पश्चिम बंगाल की बार काउंसिल

कोलकाता । देश में 1 जुलाई से लागू होने वाले तीन नए अपराधिक कानून लागू होने जा रहे हैं। इसके विरोध में पश्चिम बंगाल बार काउंसिल द्वारा 1 जुलाई को काला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। बार काउंसिल ने सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया है। 1 जुलाई से भारतीय न्याय संहिता 2023 लागू होने जा रही है। भारतीय नागरिक न्याय सहायता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को लेकर देश में एक नया विवाद शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल बार काउंसिल द्वारा 1 जुलाई को काला दिवस मनाने का निर्णय लिया गया है। बार काउंसिल आफ इंडिया द्वारा सभी बार एसोसिएशन से नए आपराधिक कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन से दूर रहने की अपील की है। बार काउंसिल आफ इंडिया ने सभी वकीलों को भरोसा दिलाया है। वह नए कानून के बारे में उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता के साथ विचार कर रहा है। अत: देश भर के वकील विरोध प्रदर्शन से दूर रहें।

## नेपाल में लैंडस्लाइड और बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत, कई घायल

### –अब तक पिछले 17 दिनों में 28 लोगों की मौत हो चुकी है

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी मुल्क नेपाल में इस समय बारिश ने तबाही मच रखी है। नेपाल के कई इलाकों में भारी बारिश, लैंडस्लाइड और बिजली गिरने से करीब 14 लोगों की मौत हो गई है। आठ लोग लैंडस्लाइड में मारे गए हैं, जबकि पांच की मौत बिजली गिरने से हुई है। वहीं, एक की बाढ़ के कारण मौत हो गई है। अलग-अलग घटनाओं में दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अब तक कुल 44 घटनाएं दर्ज की गई हैं। 1 लैंडस्लाइड की घटना में दो लोग अभी भी लापता हैं, जबकि 10 लोग घायल हैं। रिपोर्ट में नेपाल के गृह मंत्रालय के रिकॉर्ड के मुताबिक कहा गया है कि मानसून के सक्रिय होने के बाद से अब तक पिछले 17 दिनों में 28 लोगों की मौत हो चुकी है। मानसून से 33 जिले प्रभावित हुए हैं। इन 17 दिनों में 147 घटनाएं सामने आई हैं। पिछले दिनों में बिजली गिरने की घटनाओं में करीब 13 लोगों की मौत हुई है जबकि लैंडस्लाइड से 14 लोगों जान गवां चुके है। बता दें कि इस साल नेपाल में मानसून समय पर पहुंचा है और देश में भारी बारिश के कारण मौतों का सिलसिला जारी है। हर साल नेपाल में बाढ़ से हजारों लोग प्रभावित होते हैं, जबकि लैंडस्लाइड और संपत्ति की तबाही के कारण सैकड़ों लोग विस्थापित भी हो जाते हैं।

## पापा के डांटने पर किशोर ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को मारी गोली, मौत

### – मेरठ के बड़े व्यापारी का है बेटा, सुसाइट नोट भी मिला

मेरठ। यूपी के मेरठ में एक 14 साल के किशोर ने पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर से कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उसके पिता व्यापारी हैं और इस समय कारोबार के लिए कनाडा गए हुए हैं। आत्महत्या करने से पहले किशोर ने सुसाइड नोट छोड़ा है जिसमें उसने लिखा– पापा ने मुझे मोबाइल चलाने पर डांटा है। पापा आप मुझे मोबाइल नहीं दिलाते। मम्मी का मोबाइल यूज करने को कहते हूं और बुलेट नहीं दिलाते। पुरानी बाइक मॉडिफाई नहीं कराते हो। परिवार के लोग मुझे प्यार नहीं करते हैं। इसलिए मैं जा रहा हूं...। घटना बहसूमा थाना क्षेत्र के रामराज गांव की है। व्यापारी नितिन चौधरी का बड़ा बेटा 10वीं में पढ़ता है। कक्षा 9 में कम नंबर आए थे। मंगलवार को पिता ने फोन कर अंगद को पढ़ाई करने के लिए डांटा था। इससे नाराज होकर उसने ये कदम उठाया। एसपी देहात ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। किशोर की बॉडी बेड पर पड़ी थी। चारों ओर किताबें बिखरी हुई थीं। किशोर के हाथ में रिवाल्वर थी। उसकी जेब से सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने पिता के प्यार न करने, मोबाइल चलाने पर डांटने और बाइक न देने की बातें लिखी हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

## जहरीली शराब से मरने वालों के परिजनों को मिलनी चाहिए नौकरी : एससी आयोग

कल्लाकुरिची। तमिलनाडु में कल्लाकुरिची जहरीली शराब का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में अब तक 63 लोगों को मौत हो चुकी है और 88 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब एससी आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना ने पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवारों के लिए नौकरी, घर और शिक्षा भत्ते की मांग करते हुए कहा, सभी मृतक बहुत गरीब थे और अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके परिवारों को नौकरी, घर और उनके बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता दिया जाना चाहिए। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त कार्रवाई की मांग करता है कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। अवैध शराब के कारण पिछले साल हुई मौतों के आंकड़ों का हवाला देते हुए मकवाना ने अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की और कहा, क्षेत्र में अवैध शराब का निर्माण और बिक्री लंबे समय से चल रही थी। लेकिन प्रशासन और सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया, पिछले साल राज्य में इसी तरह की त्रासदी में 23 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकांश मृतक एससी/एसटी समुदाय के हैं। किशोर मकवाना ने राज्य में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए तमिलनाडु सरकार की आलोचना की। किशोर मकवाना ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन लोगों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की जिनका इलाज चल रहा है।

## मणिपुर में सुरक्षाबलों ने बरामद किया भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद

इंफाल। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व और विष्णुपुर जिलों के कुछ हिस्सों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा बलों को अभियान के दौरान 11 ग्रेनेड, छह आईईडी, पांच .303 राइफल, तीन डेटोनेटर, एक कार्बाइन, एक बंदूक, विभिन्न प्रकार के बम और गोला-बारूद के अलावा चार वॉकी-टॉकी और दो रेडियो मिले। राज्य पुलिस ने एक बयान में कहा कि ये बरामदगी ''पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए तलाशी अभियान'' के दौरान की गई। इम्फाल पूर्वी जिला घाटी क्षेत्र में है जबकि विष्णुपुर जिले का कुछ हिस्सा पहाड़ी क्षेत्र में है। पुलिस ने बताया कि विष्णुपुर जिले में हाई कैनाल के पास केइनौ मैनिंग में तलाशी अभियान के दौरान एक 'एसएमजी कार्बाइन', नौ एमएम की एक पिस्तौल, नौ ग्रेनेड, दो 'स्मोक बम' और विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद बरामद हुए। इम्फाल पूर्वी जिले के सनसाबी नतुम चिंग की पहाड़ी पर एक अन्य अभियान के दौरान पांच .303 राइफल, 12 बोर की दो बंदूकों सहित अन्य सामान बरामद किए गए। इस बीच असम राइफल्स ने कहा कि बुधवार को जिरीबाम जिले में उपद्रवियों ने एक खाली पड़े घर को आग लगाने का प्रयास किया इसके बाद अर्धसैनिक बल ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और मणिपुर पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त तलाशी अभियान चलाया।

# आपातकाल का जिक्र टाल सकते थे लोस स्पीकर, यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक

### – राहुल गांधी व गठबंधन के नेताओं ने की ओम बिरला से मुलाकात

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और उनके द्वारा आपातकाल का उल्लेख किये जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। राहुल गांधी ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से राजनीतिक है और इसे टाला जा सकता था। कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संसद में बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। राहुल गांधी ने सदन में स्पीकर द्वारा आपातकाल लागू किये जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। अध्यक्ष ओम बिरला ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता घोषित किया और इसके बाद उन्होंने अन्य गठबंधन सहयोगी नेताओं के साथ स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की।

क्या राहुल गांधी ने सदन में उठाए जा रहे आपातकाल के मुद्दे पर चर्चा के सवाल पर वेणुगोपाल ने कहा कि हमने संसद के कामकाज के बारे में चर्चा की है। बेशक, यह मुद्दा भी उठा। कांग्रेस नेता ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी ने इस मुद्दे के बारे में अध्यक्ष बिरला को जानकारी दी और कहा कि इसे अध्यक्ष के संदर्भ से टाला जा सकता था। यह स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक संदर्भ है। लोकसभा स्पीकर बनने के तुरंत बाद बिरला ने बुधवार को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा संविधान पर हमला बताते हुए आपातकाल लगाने की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पढ़कर खलबली मचा दी थी, जिसके बाद सदन में कांग्रेस सदस्यों ने इसका कड़ा विरोध किया था।

स्पीकर बिरला ने कहा कि 26 जून 1975 को देश को आपातकाल की क्रूर वास्तविकताओं का एहसास हुआ, जब कांग्रेस सरकार ने विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया था, मीडिया पर कई प्रतिबंध लगा दिए थे और न्यायपालिका की स्वायत्तता पर भी अंकुश लगा दिया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता का पदभार संभालने के बाद यह राहुल गांधी की लोकसभा अध्यक्ष से पहली मुलाकात थी। उनके साथ सपा के धर्मेंद्र यादव, द्रमुक की कनिमोझी, शिवसेना (सपा) की सुप्रिया सुले और टीएमसी के कल्याण बनर्जी के अलावा कुछ अन्य नेता भी मौजूद थे।

## सुनीता विलियम्स और बुश विल्मोर छह जुलाई को लौटेंगे धरती पर

**वाशिंगटन।** भारतीय मूल की नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुश विल्मोर अभी भी अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं। कुछ हफ्ते पहले ही वह स्टेशन पहुंचे थे। उनके लौटने की दो बार तारीख टल चुकी है लेकिन, अब खुशखबरी है कि नासा ने उनकी वापसी की तारीख का ऐलान कर दिया है। दरअसल, बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी दिक्कत आने से विमान अंतरिक्ष में ही फंस गया है। सुनीता और बुश को लेकर बोइंग का स्टारलाइनर कैप्सूल ने पांच जून को धरती से उड़ान भरी थी और छह जून को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरा था। तकनीकी दिक्कत आने से विमान अभी भी स्टेशन में ही फंसा है। उसमें आई खराबी के कारण अंतरिक्ष यात्रियों की धरती पर वापस आने की योजना अधर में लटकी है। नासा ने सीआईडी रिटर्न को तीन बार रीशेड्यूल किया है।

सुनीता विलियम्स और उनके साथी की स्पेस सेंटर से वापसी अब तय हो गई है। नासा के क्रू मैनेजर स्टीव स्टिच का कहना है कि स्टारलाइनर को 45 दिनों तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में डॉक किया जा सकता है। नासा के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि सुनीता और बुश की धरती पर लौटने की तारीख छह जुलाई तय की गई है। नासा के टैक्नीकल स्टॉफ का कहना है कि विमान के थ्रस्टर्स ज्यादा गर्म हो गए और हीलियम का भार वहन हुआ। मिशन प्रबंधन टीम डेटा की जांच कर रही है। छह जून को स्टारलाइनर के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में लैंडिंग के बाद यात्रियों को पता लगा कि पांच हीलियम लीक हो गए हैं और पांच थ्रस्टर्स ने काम करना बंद कर दिया है। एक वाल्व पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। इसी कारण अंतरिक्ष में चालक दल को मरम्मत में ज्यादा समय लग रहा है।

## भाजपा की हरियाणा सरकार ने गरीबों व सैनिकों को ठगा : सैलजा

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि बड़े-बड़े दावे और वायदे कर वाहवाही लूटने वाली भाजपा सरकार ने गरीबों व सैनिकों के साथ बड़ी ठगी की है। इनके सिर पर छत देने का वायदा करने वाले रुपये लेने के बावजूद उन्हें आज तक फ्लैट नहीं दे सके हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड ने साल 2014 में डिफेंस, आर्थिक रूप से कमजोर व गरीबों के लिए फ्लैट स्कीम लांच की थी। इसमें डिफेंस की 11 स्कीम और बीपीएल व ईडब्ल्यूएस की 07 स्कीम शामिल थी। अपने घर की आस में लोगों ने इन स्कीमों में बढ़चढक़र हिस्सा भी लिया, लेकिन आज तक किसी को भी फ्लैट नहीं मिल पाया। कुमारी सैलजा ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड ने लोगों से 200 करोड़ से अधिक रुपये एकत्रित कर इनका प्रयोग फ्लैट बनाने की बजाए किन्हीं अन्य कार्यों में किया। लोगों ने रुपये मांगने शुरू किए तब हरियाणा सरकार ने हाउसिंग बोर्ड की खराब आर्थिक स्थिति का हवाला देना शुरू कर दिया। आज तक लोगों के जमा रुपये ब्याज सहित लौटाने पर कोई कदम नहीं उठाया गया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि ईडब्ल्यूएस परिवारों के लिए हिसार व करनाल में तथा बीपीएल परिवारों के लिए धारूहेड़ा, सोनीपत, पानीपत व फरीदाबाद में फ्लैट बनाए जाने थे। लेकिन, इन सभी 07 स्कीमों को रद्द किया गया। इसके विपरीत मोदी सरकार का दावा था कि 2022 तक देश के हर व्यक्ति को घर मुहैया जाएगा, लेकिन हरियाणा में रुपये लेने के बावजूद गरीबों को छत नसीब नहीं हो पाई है।

लोकसभा सांसद ने कहा कि डिफेंस के जेसीओ रैंक तक के सैनिकों व अर्धसैनिक बल के जवानों के लिए झज्जर, गुडग़ांव, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, पिंजौर, रेवाड़ी, रोहतक, पलवल, सांपला आदि जगहों पर फ्लैट बनाए जाने थे। लेकिन, इनमें से कहीं पर भी कोई ईंट तक नहीं लगी। झज्जर सेक्टर-6 और फरीदाबाद सेक्टर-56 में जरूर कुछ फ्लैट बने हैं, लेकिन ये अभी इस स्थिति में नहीं हैं कि इन्हें अलॉट किया जा सके।

# तमिलनाडु विधानसभा में अवैध शराब को लेकर एआईएडीएमके का हंगामा

### – स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष पलानीस्वामी समेत विधायकों को किया निलंबित

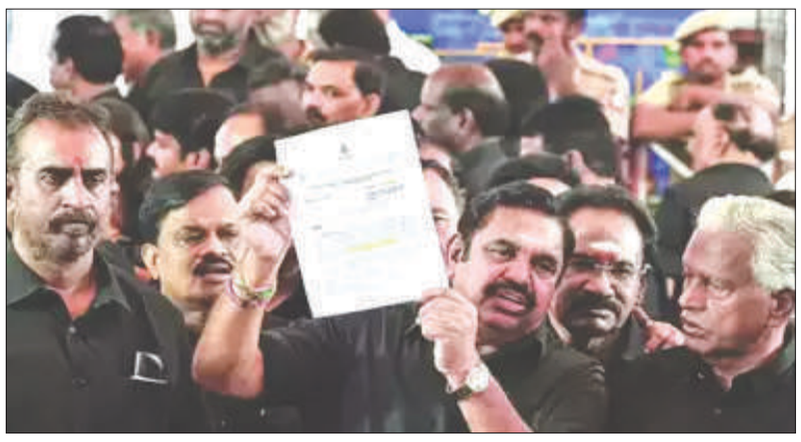

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ईके पलानीस्वामी समेत एआईएडीएमके के विधायकों को सदन की कार्यवाही में रुकावट डालने की वजह से मौजूदा सत्र से निलंबित कर दिया है। निलंबित हुए विपक्षी दल के सदस्य काली टी-शर्ट पहनकर आज सदन पहुंचे और उन्होंने कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी मामले को फिर से उठाने का प्रयास किया और इस मुद्दे पर बातचीत के लिए कार्य स्थगन की मांग की, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि वह इस मामले पर फैसला लेंगे।

अन्नाद्रमुक के विधायक ज्वलंत मुद्दे पर जल्द से जल्द बातचीत कराने को लेकर सदन में खड़े होकर प्रदर्शन करने लगे। अध्यक्ष ने हंगामा कर रहे सदस्यों को अपनी सीट पर बैठने का कई बार अनुरोध किया। इसके बाद भी सदस्य हंगामा करते रहे। इसके बाद अध्यक्ष ने उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया। इसके बाद सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर अन्नाद्रमुक के सदस्यों के मौजूदा सत्र के अंतिम दिन 29 जून तक शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया। निलंबन के फैसले के बाद अध्यक्ष ने अन्नाद्रमुक के सदस्यों पर सदन में समस्या खड़ी करने और बहस में भाग लेने के इच्छुक नहीं होने का आरोप लगाया। अप्पावु ने कहा कि अन्नाद्रमुक के व्हिप ने यह मुद्दा उठाने के लिए नोटिस दिया था, लेकिन वह मेरा जवाब सुनने के लिए तैयार नहीं थे। इसके बजाय उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान कार्यवाही में बाधा डाली और अपने आचरण से सदन की मर्यादा भंग की है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि हालांकि सदन कल्लाकुरिची शराब त्रासदी पर बातचीत को तैयार है, लेकिन पलानीस्वामी ही इसके लिए तैयार नहीं हैं। स्टालिन ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे वह सदन छोड़कर बाहर जाने और मीडिया से बात करने में ज्यादा रुचि रख रहे हैं। विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बातचीत में पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि मुख्य विपक्ष को कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का मुद्दा उठाने से रोकने का जानबूझकर प्रयास किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हम पिछले पांच दिनों से इस मुद्दे को उठाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक इजाजत दी जाएगी, लेकिन जब हमने नियमों के मुताबिक काम किया तो उन्होंने इजाजत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि क्या विधानसभा में सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के लिए अलग-अलग नियम हो सकते हैं।

## क्या भारत की संसद में 'जय संविधान' नहीं बोला जा सकता? प्रियंका गांधी ने क्यों पूछा ये सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या संसद में 'जय संविधान' का नारा लगाने की अनुमति है, साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोगों को असंसदीय नारे लगाने से नहीं रोका गया। उनका बयान तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद आया। थरूर ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर अंग्रेजी में शपथ ली और समापन ÷जय हिंद, जय संविधान÷ के साथ किया।

विपक्षी सदस्यों ने थरूर के 'जय संविधान' के नारे को दोहराया, जिससे अध्यक्ष को उन्हें याद दिलाने के लिए प्रेरित किया गया कि वे पहले से ही संविधान पर अपनी शपथ ले रहे हैं। हरियाणा से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने दलील दी कि स्पीकर को आपत्ति नहीं जतानी चाहिए थी। स्पीकर ने पलटवार करते हुए कहा, 'किस पर आपत्ति करनी है और किस पर नहीं, इस पर सलाह न दें। बैठ जाओ।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि क्या भारत की संसद में 'जय संविधान' नहीं बोला जा सकता? संसद में सत्ता पक्ष के लोगों को असंसदीय और असंवैधानिक नारे लगाने से नहीं रोका गया, लेकिन विपक्षी सांसद के 'जय संविधान' बोलने पर आपत्ति जताई गई।

कांग्रेस नेता ने आगे लिखा कि चुनावों के दौरान सामने आया संविधान विरोध अब नये रूप में सामने है ? जो हमारे संविधान को कमजोर करना चाहता है। उन्होंने कहा कि जिस संविधान से संसद चलती है, जिस संविधान की हर सदस्य शपथ लेता है, जिस संविधान से हर नागरिक को जान और जीवन की सुरक्षा मिलती है, क्या अब विपक्ष की आवाज दबाने के लिए उसी संविधान का विरोध किया जाएगा? 18वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार को सभी नवनिर्वाचित सांसदों के शपथ ग्रहण के साथ शुरू हुआ और 3 जुलाई तक चलेगा। दो दिवसीय शपथ ग्रहण समारोह के बाद, 26 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव हुआ।

## महाराष्ट्र में लाडली बहना और लाडला भाई योजना लागू की जाए, उद्धव ठाकरे ने दिया सुझाव

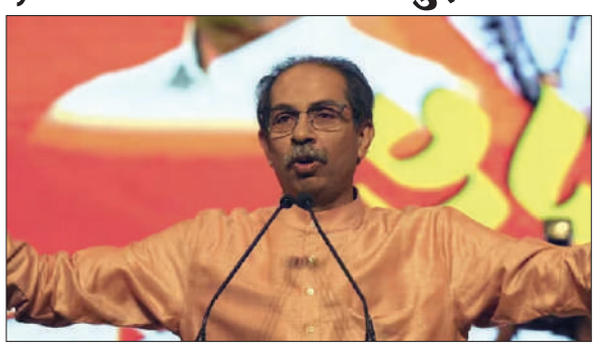

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को राज्य में लाडली बहना जैसी योजना लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले का समर्थन किया और पुरुषों के लिए भी इसी तरह की नीति की मांग की। उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि चूंकि सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें से एक मध्य प्रदेश की तरह लाडली बहना योजना है, मैं इसका स्वागत करता हूं और पूछता हूं कि इस योजना को लड़कों के लिए भी बढ़ाया जाए। भेदभाव क्यों? लड़कियों और लड़कों दोनों को इसका लाभ मिलना चाहिए।

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन शिवसेना (एकनाथ शिंदे), राकांपा (अजित पवार) और भाजपा शामिल हैं। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए इस योजना को शुरू करने की योजना बना रहे हैं। पिछले साल मध्य प्रदेश चुनाव में बीजेपी की सत्ता में वापसी के पीछे लाडली बहना योजना को माना जाता है। योजना के तहत महिलाओं को मासिक आधार पर 1,200 रुपये से 1,500 रुपये मिलने की उम्मीद है। उम्मीद है कि एकनाथ शिंदे शुक्रवार (28 जून) को पेश होने वाले राज्य बजट में इस योजना की घोषणा करेंगे। उद्धव ठाकरे ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कृषि ऋण की पूर्ण माफी और इसे लागू करने की भी मांग की।

ठाकरे ने कहा कि कृषि ऋण की पूर्ण माफी तुरंत होनी चाहिए और इसे राज्य चुनाव से पहले लागू किया जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने एनईईटी विफलता और अयोध्या राम मंदिर में पानी रिसाव की रिपोर्टों का संदर्भ देते हुए केंद्र और राज्य सरकार को लीकेज सरकारें भी कहा। उन्होंने कहा कि (महाराष्ट्र विधानसभा का) मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है, लेकिन लोग इस सरकार को 'टाटा, बाय-बाय' कह रहे हैं। इस सरकार द्वारा कल बजट की घोषणा की जाएगी। हम उनसे उम्मीद करते हैं कि वे हमें बताएंगे कि उन्होंने महाराष्ट्र पर कितना पैसा खर्च किया।

# लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बता दिया, भारत हिंदू राष्ट्र नहीं : सेन

### –नोबेल पुरस्कार विजेता ने सरकार को घेरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कुछ लोग हिंदू राष्ट्र,हिंदू राष्ट्र का राग अलाप रहे हैं। जबकि हकीकत यह है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया है कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है। यह बात नोबेल पुरस्कार विजेता अमृत्य सेन ने एक कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार उन्हें सही नहीं लगता है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की पूर्व सरकारों और भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली मौजूदा एनडीए सरकार को भी कई मुद्दों पर घेरा। मीडिया से बातचीत में सेन ने कहा, भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है, यह बात चुनाव परिणामों में साफ हो गई है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत को एक हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार सही है। फैजाबाद लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी की हार को लेकर उन्होंने कहा कि देश की असली पहचान को दबाने के पूरे प्रयास किए गए थे।

उन्होंने कहा, भारत को हिंदू राष्ट्र दिखाने के लिए... इतना पैसा खर्च कर राम मंदिर बनाना, जो महात्मा गांधी, रविंद्रनाथ टैगोर और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के देश में नहीं होना चाहिए था। यह भारत की असली पहचान को नजरअंदाज करने के प्रयास को दिखाता है और इसे तत्काल बदलना चाहिए। 90 वर्षीय सेना का कहना है कि भार में बेरोजगारी बढ़ रही थी और प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को नजरअंदाज किया जा रहा था।सेन ने कहा, हम हर चुनाव के बाद बदलाव देखने की उम्मीद करते हैं। (भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार) के समय में जैसा पहले हुआ कि कई लोगों को बगैर ट्रायल के जेल में डाल दिया और अमीर और गरीब में दूरी बढ़ती गई। ये सब जारी है और इसके रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा, जब मैं छोटा था, तो मेरे कई रिश्तेदारों को बगैर ट्रायल के जेल में डाल दिया गया था।उन्होंने आगे कहा, हमें उम्मीद थी कि भारत इससे आजाद होगा। यह सब नहीं रुका, इसके लिए कांग्रेस भी जिम्मेदार है। उन लोगों ने इसे नहीं बदला..., लेकिन यह मौजूदा सरकार में ज्यादा हो रहा है। उन्होंने कहा कि नया कैबिनेट पिछले की कॉपी ही है। सेन के अनुसार, ...मंत्रियों को वही विभाग मिले हैं। थोड़े बदलाव के बावजूद राजनीतिक रूप से ताकतलवर अब भी ताकतवर बने हुए हैं।

# अफगानिस्तान को हरा पहली बार टी-२० विश्वकप के फाइनल में पहुंचा द. अफ्रीका

**टरूबा (एजेंसी)।** गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन और उसके बाद रीजा हेंड्रिक्स नाबाद (29) तथा कप्तान एडन मारक्रम नाबाद (23) रनों की शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका टी-20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में मुकाबले में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में पहुंच गई है। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसका कोई भी बल्लेबाजी दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे नहीं टिक सका। केवल अजमतउल्लाह उमरजई ने सर्वाधिक (10) रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका।

दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने अफगानिस्तान की पूरी टीम को 11.5 ओवर में 56 रन पर समेट दिया। यह टी-20 विश्वकप सेमीफाइनल मैच में ऑल आउट होने का किसी टीम का सबसे न्यूनतम स्कोर है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से माकर यानसन और तबरेज शम्सी ने तीन-तीन विकेट लिए। कगिसो रबाडा और एनरिक नॉटर्जे ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। मामूली 57 रनों के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में एक विकेट पर 60 रन बनाकर 9 विकेट से

जीत लिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका फजलहक फारुकी ने क्विंटन डिकॉक को बोल्ड कर दिया। क्विंटन डिकॉक (5) रन बनाए। रीजा हेंड्रिक्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद (29) तथा कप्तान एडन मारक्रम ने 21 गेदों में चार चौकों की मदद से नाबाद (23) रनों की पारी खेली। अफगानिस्तान की ओर फजलहक फारूकी को एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

# भारत कर रहा 2032 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी : मुर्मू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि युवाओं को खेलों में भी आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे और भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति ने आज संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड संख्या में मेडल्स जीत रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद पेरिस ओलंपिक भी शुरू होने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'ओलंपिक्स में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हर खिलाड़ी पर हमें गर्व है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देती हूं। इन उपलब्धियों को और आगे ले जाने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी भी कर रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### लुइस किम्बर ने रॉबिन्सन को एक ओवर में रिकॉर्ड 43 रन ठोके

**चेम्सफोर्ड, एजेंसी।** लीसेस्टरशायर के लुइस किम्बर ने बुधवार को काउंटी चैंपियनशिप मैच में ससेक्स के ओली रॉबिन्सन के ओवर में 43 रन ठोककर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाकर क्रिकेट इतिहास रच दिया। डिवीजन टू काउंटी चैम्पियनशिप मैच के चौथे और अंतिम दिन, ससेक्स के रॉबिन्सन ने किम्बर को काउंटी चैम्पियनशिप के इतिहास का सबसे महंगा ओवर दिया। इस ओवर में किम्बर ने 43 रन बनाए, जो इंग्लिश प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड है। रॉबिन्सन ने वास्तव में नौ गेंदें फेंकी, जिनमें से तीन नो-बॉल थीं। ऐसा माना जाता है कि किम्बर की उपलब्धि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। यह 38 रनों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देता है, जो 1998 में एलेक्स ट्यूडर और एंड्रयू फ्लिंटॉफ द्वारा संयुक्त रूप से और इस सप्ताह के शुरू में शोएब बशीर की गेंद पर डैन लॉरेंस द्वारा बनाया गया था। लंच के समय तक किम्बर की आश्चर्यजनक पारी केवल 95 गेंदों पर 192 रन तक पहुंच गई, जो बेन कॉक्स के साथ आठवें विकेट के लिए 200 रनों की साझेदारी का हिस्सा थी। लीसेस्टरशायर सुबह के सत्र में 29 ओवरों में 236 रन बनाने में सफल रहा। किम्बर 127 गेंदों में 20 चौकों और 21 छक्कों की मदद से 243 रन बनाकर आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए और ससेक्स ने यह मैच 18 रन से जीत लिया।

### राशिद खान के बल्ला पटकने पर आईसीसी ने लिया एक्शन

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के दौरान अपने साथी करीब जनत के रन लेने से मना करने के बाद हताशा में बल्ला जमीन पर फेंकने के लिए आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है। यह घटना अफगानिस्तान की पारी के अंतिम ओवर में घटी, जब जनत के दूसरा रन लेने से मना करने के बाद राशिद अपना आपा खो बैठे।

आईसीसी ने विज्ञप्ति में कहा कि राशिद को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन करते हुए पाया गया जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद (या क्रिकेट उपकरण का कोई अन्य सामान) फेंकने से संबंधित है। इसमें कहा गया कि इसके अलावा राशिद के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, यह 24 महीने में उनका पहला अपराध था। राशिद ने आईसीसी मैच रैफरी के एमिरेट्स पैनल के रिची रिचर्डसन द्वारा प्रस्तावित प्रतिबंध स्वीकार लिया है। बता दें कि राशिद इस टी20 विश्व कप में अपनी टीम को सेमीफाइनल तक ले गए हैं। यह देखकर अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान अगसर अफगान ने उनकी खूब तारीफ की। अगसर ने कहा कि मुझे लगता है कि राशिद टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान है। वह प्रेरणादायी कप्तान है। वह गेंदबाजी में मैच विजेता है जो बल्लेबाजी में भी अपनी छाप छोड़ता है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम है। यही वजह है कि अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा।

# विश्वकप के फाइनल में पहुंच तो गये हैं, अब क्या होगा?

## 11 मौकों पर साउथ अफ्रीका की किस्मत ने दिया धोखा

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** विश्व कप नॉकआउट में दक्षिण अफ्रीका का दिल बार बार टूटता आया है। उसकी दास्तां शेक्सपियर की किसी 'ट्रेजेडी' की तरह ही रही जिसमें सुखांत का बस इंतजार ही रहता था। आलम यह था कि दक्षिण अफ्रीका को दबाव के आगे घुटने टेकने वाले 'चोकर्स' कहा जाने लगा लेकिन एक मैच ने दास्तां बदल दी, वक्त बदल दिया और जज्बात बदल दिए। अफगानिस्तान को तारोबा में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में नौ विकेट से हराकर पहली बार दक्षिण अफ्रीका टीम फाइनल में पहुंची तो न जाने कितने सालों के जख्मों पर मरहम लग गया। दक्षिण अफ्रीका के आईसीसी टूर्नामेंटों में निराशाजनक अतीत की बानगी इस प्रकार है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1992 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल- दबाव के आगे घुटने नहीं टेके लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया। रंगभेद के कारण बाईस साल का निष्कासन झेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटी दक्षिण अफ्रीका के पास बेहतरीन तेज गेंदबाज और चुस्त फील्डर थे। लेकिन सेमीफाइनल में बारिश आई और उसे सात गेंद से 22 रन की बजाय अब एक गेंद में 22 रन बनाने का संशोधित लक्ष्य मिला।

**वेस्टइंडीज के खिलाफ 1996 विश्व कप क्वार्टर फाइनल** - सभी ग्रुप मैच जीतने के बाद हैंसी क्रोन्ए की टीम का पलड़ा

भारी माना जा रहा था लेकिन ब्रायन लारा की जबर्दस्त बल्लेबाजी के बाद रोजर हार्पर और जिम्मी एडम्स की फिरकी के जाल में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फंसते चले गए और 19 रन से हार गए।

**ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1999 विश्व कप सेमीफाइनल** - दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट इतिहास का सबसे निराशाजनक मैच। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे लांस क्लूसनर को जिसने 'ट्रेजेडी किंग' बना दिया। जीत के लिए 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में नौ रन बनाने थे। आखिरी जोड़ी क्रीज पर थी। क्लूसनर ने पहली दो गेंद पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद पर एलेन डोनाल्ड रन आउट हो गए और मैच टाई हो गया। सुपर सिक्स चरण में जीत दर्ज करने के कारण ऑस्ट्रेलिया फाइनल में पहुंचा।

ऑस्ट्रेलिया **के खिलाफ 2007 विश्व कप सेमीफाइनल** - पहले बल्लेबाजी का दक्षिण अफ्रीका का फैसला गलत साबित हुआ। ग्रीम स्मिथ, हर्शल गिब्स , जाक कैलिस, एबी डिविलियर्स और मार्क बाउचर जैसे धुरंधर 149 के स्कोर पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर बाकी रहते मैच जीता।

**पाकिस्तान के खिलाफ 2009 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल** - दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, भारत को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। लेकिन शाहिद अफरीदी की शानदार स्पिन गेंदबाजी के सामने टीम 150 रन का लक्ष्य भी हासिल नहीं कर सकी।

**न्यूजीलैंड के खिलाफ 2011 वनडे विश्व कप क्वार्टर फाइनल** - एबी डिविलियर्स, फाफ डु प्लेसी, ग्रीम स्मिथ, जाक कैलिस और जेपी डुमिनी जैसे दिग्गज न्यूजीलैंड के खिलाफ 222 रन का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए। एक समय 25 ओवर में आठ विकेट पर 108 रन बनाने के बाद अगले सात विकेट 64 रन पर गंवा दिए।

**इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल** - दक्षिण अफ्रीका का स्कोर आठ विकेट पर 80 रन था जिसके बाद डेविड मिलर और रोरी क्लेनवेल्ट ने इसे 175 रन तक पहुंचाया। जोनाथन ट्रॉट के नाबाद 82 रन की मदद से इंग्लैंड ने 12 ओवर और सात विकेट बाकी रहते जीत दर्ज की।

**भारत के खिलाफ 2014 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल** - भारतीय टीम ने एक ईकाई के रूप में शानदार प्रदर्शन करके दक्षिण अफ्रीका को हराया।

**न्यूजीलैंड के खिलाफ 2015 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल** - दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटरों की सुनहरी पीढी। हर विभाग में उत्तम लेकिन फिर सेमीफाइनल हारे। न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में हराकर फिर दक्षिण अफ्रीका का दिल तोड़ा।

**नीदरलैंड के खिलाफ 2022 टी20 विश्व कप सुपर 12** - सेमीफाइनल से एक जीत दूर दक्षिण अफ्रीकी टीम को नीदरलैंड ने 13 रन से हराकर उलटफेर कर दिया था।

**ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप सेमीफाइनल** - लीग चरण में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अंतिम चार के अहम मुकाबले में एक बार फिर 'चोकर ' साबित हुई दक्षिण अफ्रीका टीम।

# इस तरह की पिच पर कोई भी विश्व कप सेमीफाइनल नहीं खेलना चाहेगा: अफगानिस्तान कोच

**तारोबा (त्रिनिदाद) (एजेंसी)।** अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े मुकाबले के लिए यह उपयुक्त नहीं थी। इस पिच से तेज गेंदबाजों को मूवमेंट मिल रहा था और इसमें अनिश्चित उछाल दी थी। अफगानिस्तान की टीम इस पिच पर केवल 56 रन बनाकर आउट हो गई जो टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूनतम स्कोर है। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर दिया लेकिन उसके बल्लेबाजों को भी संघर्ष करना पड़ा।

ट्रॉट ने मैच के बाद कहा, 'मैं खुद को परेशानी में नहीं डालना चाहता और

मैं अंगूर खट्टे हैं जैसा मामला भी नहीं बनना चाहता लेकिन यह उस तरह की पिच नहीं थी जिस पर कोई विश्व कप का सेमीफाइनल खेलना चाहेगा। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इस पिच ने बल्लेबाजी को पूरी तरह से खेल से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुकाबला बराबरी का होना चाहिए। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि यह सपाट होनी चाहिए जिसमें स्पिन या सीम मूवमेंट न हो। मेरे कहने का मतलब है कि आपको बल्लेबाजों की भी चिंता होनी चाहिए। बल्लेबाजों को अपने पांव के मूवमेंट पर विश्वास होना चाहिए और उन्हें अपने कौशल का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।

ट्रॉट ने कहा, 'टी20 का खेल आक्रामकता तथा रन बनाने और विकेट लेने से जुड़ा है। यह प्रारूप क्रीज पर टिके रहने के लिए नहीं बना है। तारोबा में विश्व कप के पांच मैच खेले गए जिनमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम केवल एक बार 100 रन के पार पहुंची। मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 149 रन बनाए और उसका सफलतापूर्वक बचाव भी किया। अफगानिस्तान का अपना पहला विश्व कप सेमीफाइनल खेलने से पहले काफी व्यस्त कार्यक्रम था और ट्रॉट ने कहा कि उनके खिलाड़ी थके हुए थे।

उन्होंने कहा, 'हम पिछले मैच के बाद तीन बजे होटल पहुंच पाए थे और इसके 5 घंटे बाद हमें निकलना पड़ा। इस तरह से हमें सोने का बहुत अधिक वक्त नहीं मिला और खिलाड़ी वास्तव में थके हुए थे। ट्रॉट ने कहा, 'लेकिन हम अपने कार्यक्रम से अवगत थे और यह कोई बहाना नहीं है। जब आप विश्व कप या किसी टूर्नामेंट में खेलते हैं तो सभी चीजें आपके अनुरूप नहीं होती हैं और आपको इन मुश्किलों का सामना करते हुए आगे बढ़ना होता है।

# टी20 वर्ल्ड कप के पहले राउंड से बाहर होते ही श्रीलंका क्रिकेट में बवाल, दो बड़े नामों ने दिया इस्तीफे

**कोलंबो(एजेंसी)।** श्रीलंका के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी सलाहकार कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। वानिंदु हसरंगा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम टी20 वर्ल्ड कप के पहले ही राउंड से बाहर हो गई थी। उसे बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका से हार मिली। नेपाल और श्रीलंका का मैच बारिश में धुल गया था।

**सिल्वरवुड ने क्या बताई वजह** - इंग्लैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके क्रिस सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिये फख्र की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं।'

**श्रीलंका ने जीता था एशिया कप** - अप्रैल 2022 में क्रिस सिल्वरवुड श्रीलंका क्रिकेट टीम के हेड कोच बने थे। उससे कुछ महीने पहले ही उनकी कोचिंग में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में 4-0 की बार मिली थी। वह कोच के रूप में इंग्लैंड के लिए उनकी आखिरी सीरीज थी। सिल्वरवुड ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही सफलता हासिल की, क्योंकि श्रीलंका ने 2022 में एशिया कप जीता। उन्होंने देश के आर्थिक संकट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका को वनडे सीरीज में जीत दिलाई।

**चैंपियंस ट्रॉफी में भी जगह नहीं** - क्रिस सिल्वरवुड और श्रीलंका के लिए पिछला करीब एक साल बेहद खराब रहा है। उनकी कोचिंग में श्रीलंकाई टीम वर्ल्ड कप 2023 में 9वें स्थान पर रही। इसकी वजह से वह अगले साल पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप के फाइनल में श्रीलंकाई टीम भारत के खिलाफ 50 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। अब टी20 वर्ल्ड कप में भी टीम फेल रही।

# डरना मना है, पहली बार फाइनल में पहुंचने के बाद टीम से बोले दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडेन माक्ररम

**तारोबा (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका को पहली बार टी20 विश्व कप फाइनल में ले जाने वाले कप्तान एडेन माक्ररम ने खिलाड़ियों से शांतचित्त रहने और खिताबी मुकाबले से नहीं डरने का आग्रह किया है। दक्षिण अफ्रीका ने पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराया। अब फाइनल में उसका सामना इंग्लैंड या भारत से होगा।

मैच के बाद माक्ररम ने कहा, 'यह हमारे लिए अगला कदम है। फाइनल हम

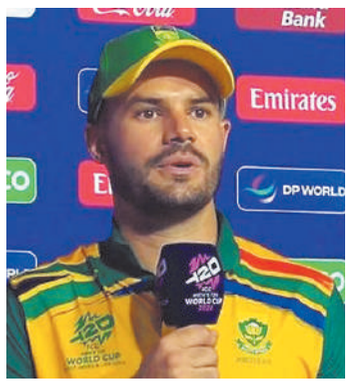

पहली बार खेलने जा रहे हैं लेकिन डरने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'यह जीत हमारे लिए काफी मायने रखती है। हमारे पास कई विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं लेकिन इस तरह के प्रदर्शन के लिए पूरी टीम को एक ईकाई के रूप में खेलना होता है।

अफगानिस्तान को 56 रन पर समेटने वाले अपने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने शानदार गेंदबाजी की। सही जगहों पर गेंद डाली। गेंदबाजों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। माक्ररम ने कहा, 'इन हालात में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण था। किस्मत ने हमारा साथ दिया कि हम साझेदारी निभा सके। कुछ मुकाबले करीबी रहे और दक्षिण अफ्रीका में भोर में उठकर मैच देखने वालों की सांसें थम गई होगी लेकिन शुक्र है कि आज ऐसा नहीं हुआ।

प्लेयर आफ द मैच मार्को जेनसन ने कहा कि उनका फोकस सही जगहों पर गेंद डालने पर था। उन्होंने कहा, 'शानदार लग रहा है। हमने अच्छा खेला और रणनीति पर बखूबी अमल किया। हम सही जगहों पर गेंद डालने पर ही फोकस कर रहे थे।

## सेमीफाइनल में हार के बाद राशिद खान का बड़ा बयान

# 'हमारे लिए यह शुरूआत है'

**तारोबा (एजेंसी)।** अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान दक्षिण अफ्रीका के हाथों टी20 विश्व कप के एकतरफा सेमीफाइनल में मिली हार से दुखी हैं लेकिन उन्होंने कहा कि यह उनकी टीम के लिए शुरूआत है और इस टूर्नामेंट से उन्हें किसी भी टीम को हराने का आत्मविश्वास मिला है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में अपने न्यूनतम स्कोर 56 रन पर आउट होने के बाद अफगानिस्तान को पराजय झेलनी पड़ी।

राशिद ने मैच के बाद कहा, 'एक टीम के रूप में हमारे लिए यह कठिन था। हमने बेहतर प्रदर्शन किया होता लेकिन हालात ने हमारा साथ नहीं दिया। टी20 क्रिकेट यही है जिसमें आपको हर परिस्थिति के अनुरूप ढलना होता है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने इस टूर्नामेंट से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए यह शुरूआत भर है। हमारे भीतर किसी भी टीम को हराने का आत्मविश्वास आ रहा है। हमे प्रक्रिया पर ध्यान देना है। हमने यहां से बहुत कुछ सीखा है।

राशिद ने कहा, 'इस टूर्नामेंट से हम आत्मविश्वास लेकर जा रहे हैं। हमें पता है कि हमारे पास कौशल है लेकिन यहां हमने कठिन और दबाव भरे हालात में खेलना सीखा। एक टीम के रूप में किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, यह पूछने पर राशिद ने कहा, 'कुछ सुधार तो करना होगा। खासकर मध्यक्रम की बल्लेबाजी में। अभी तक नतीजे अच्छे रहे हैं लेकिन हमें बल्लेबाजी में और मेहनत करनी होगी।

उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका ने बेहतरीन गेंदबाजी की। हमें अपने गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर टूर्नामेंट में अब तक कामयाबी मिली। अच्छी शुरूआत की जरूरत होती है। इस बेहतरीन स्पिनर ने कहा, 'हम बदकिस्मत रहे कि मुजीब को चोट लग गई लेकिन हमारे तेज गेंदबाजों और मोहम्मद नबी ने भी नई गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया जिससे स्पिनरों का काम आसान हो गया।

# रियल एस्टेट में जीएसटी छूट का उचित लाभ मिले : कंपनियां

**नई दिल्ली ।**

नई सरकार के गठन के साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए बजट बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वित्त मंत्रालय के अधिकारी और खुद वित्त मंत्री भी उद्योग जगत के विभिन्न क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिल रही हैं। इसी क्रम में रियल एस्टेट जगत भी अपनी मांगों को वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष मांग कर रहा है। यह क्षेत्र चाहता है कि रियल एस्टेट सेक्टर में वस्तु एवं सेवा कर या जीएसटी छूट का उचित लाभ अभी नहीं मिल पाता है। इसमें सुधार किया जाए। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल नारेडको के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू का कहना है कि सरकार को किफायती और सस्टेनेबल आवास के लिए पहलों को प्राथमिकता देना जारी रखना चाहिए। सस्ते मकान का समर्थन करने वाली नीतियां आवास की कमी को पूरा करने के साथ ही सभी नागरिकों के लिए आवश्यक जीवन स्तर को सुनिश्चित करने में मदद करेंगी। इसके साथ ही सस्टेनेबल आवास को बढ़ावा देना वैश्विक रुझानों व मानको के अनुरूप है जो पर्यावरण संबंधी चिंताओं को हल करता है, जिससे भारत हरित विकास में अग्रणी बन सकता है। इसके अनुरूप, वित्त मंत्रालय को आगामी केंद्रीय बजट में किफायती एवं मध्यम आय आवास के लिए विशेष विंडो के तहत 50,000 करोड़ रुपये की

दूसरी सहायता और जीएसटी के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट की अनुमति देना और सभी के लिए आवास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किराये के आवास के लिए प्रोत्साहन देना चाहिए।

## कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के भाव हल्के घटे-बढ़े

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें हल्के दबाव के साथ कारोबार कर रही हैं। इस बीच सुबह 6 बजे देश की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के नए दाम जारी कर दिए हैं। छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा और केरल समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़े हैं। वहीं अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार और गुजरात समेत कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। इसके अलावा, देश के 4 महानगरों समेत प्रमुख शहरों में भी पेट्रोल-डीजल के दामों में हल्की घटत और बढ़त देखने को मिली है। वहीं दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, गोवा में पेट्रोल 96.45 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.22 रुपये प्रति लीटर है।

## दुनिया की पहली सीएनजी बाइक होगी जुलाई में लांच

### -बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज ने किया खुलासा

**नई दिल्ली ।**

टू-व्हीलर निर्माता स्वदेशी बजाज ऑटो कंपनी देश ही नहीं बल्कि दुनिया की पहली सीएनजी बाइक लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इसे 5 जुलाई को अपने पुणे स्थित चाकन प्लांट में लॉन्च कर सकती है। बाइक में पेट्रोल के साथ-साथ सीएनजी टैंक भी लगाया गया है।

यह बाइक तब चर्चा में आई थी जब बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज ने इसका खुलासा एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने कहा था कि बजाज क्लीन फ्यूल पर चलने वाला इंजन विकसित कर रही है और ये दुनिया की पहली सीएनजी बाइक हो सकती है। अब बजाज की सीएनजी बाइक के कुछ नई तस्वीरें सामने आईं हैं, जिन्हें रशलेन ने शेयर किया है। तस्वीरों से पता चलता है कि ये एक नेकेड डिजाइन की बाइक होने वाली है, जिसमें आगे टेलीस्कोपिक फोर्क और पीछे मोनोशॉक सस्पेंशन सेटअप दिया गया है। इसके अलावा बाइक में राउंड शेप में एलईडी हेडलाइट, छोटा साइलेंसर, अलॉय व्हील्स, ग्रैब रेल जैसे फीचर दिए गए हैं। बाइक का डिजाइन देखकर लगता है कि कंपनी इसे 125सीसी इंजन में पेश कर सकती है। हालांकि, ये बाइक का टेस्टिंग मॉडल है और प्रोडक्शन मॉडल इससे कुछ अलग भी हो सकता है। बजाज कीसीएनजीमोटरसाइकिल में डुअल फ्यूल सिस्टम दिया जा सकता है यानी बाइक सीएनजी के साथ-साथ पेट्रोल से भी चलेगी। फ्यूल को बदलने के लिए बाइक में एक डेडिकेटेड स्विच भी मिल सकता है, जो चालक को सीएनजी से पेट्रोल या पेट्रोल से सीएनजी पर स्विच करने की सुविधा देगा।

इसके एबीएस और नॉन-एबीएस दोनों वैरिएंट पेश किए जा सकते हैं। सीएनजी मोटरसाइकिल में गियर इंडिकेटर, गियर गाइडेंस और एबीएस इंडिकेटर जैसी डिटेल के साथ सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल मिलने की उम्मीद है। स्पाई शॉट्स में एलईडी हेडलाइट देखी जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी ने इस बाइक में सीएनजी टैंक सीट के नीचे फिट किया है, जबकि पेट्रोल टैंक अपनी सामान्य जगह में होगा।बजाज की सीएनजी मोटरसाइकिल के फीचर्स की बात करें तो इसके दोनों सिरों पर 17-इंच के व्हील और 80/100 ट्यूबलेस टायर्स मिलने की उम्मीद है।

## भारतीयों ने एक साल में वीडियो शॉपिंग में 20 लाख घंटे बिताए: फ्लिपकार्ट

**नई दिल्ली ।**

ई-वाणिज्य मंच फ्लिपकार्ट ने गुरुवार को कहा कि वीडियो प्रारूप तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और पिछले एक साल में भारतीय ग्राहकों ने उसकी वीडियो वाणिज्य पेशकशों पर 20 लाख घंटे से अधिक समय बिताया है। भारत इंटरनेट डेटा के शीर्ष उपभोक्ताओं में से एक है।

भारतीय उपभोक्ताओं के तेजी से प्रौद्योगिकी को लेकर बढ़ते प्रेम तथा उनके डिजिटल प्रारूपों की ओर आकर्षित होने से देश में वीडियो वाणिज्य में बड़ी संभावनाएं हैं। फ्लिपकार्ट के अनुसार भारतीयों ने जून 2023 से मई 2024 तक उसकी वीडियो वाणिज्य पेशकशों पर 20 लाख घंटे से अधिक समय बिताया है। कंपनी के अनुसार इसमें छोटे तथा मझोले क्षेत्रों का योगदान 65 प्रतिशत है।

लोग अधिकतर फैशन, ब्यूटी, पर्सनल केयर, होम डेकोर और फर्निशिंग जैसी श्रेणियों से जुड़ी वीडियो देखते हैं।

सीधे प्रसारित वाणिज्य वीडियो पर अधिकतम दर्शकों की संख्या 14 लाख रही। फ्लिपकार्ट की एक

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि फ्लिपकार्ट के वीडियो वाणिज्य पेशकश को विभिन्न उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। इसका मकसद न केवल बेहतर खरीदारी अनुभव प्रदान करना है, बल्कि ऑनलाइन शॉपिंग के मामले में मौजूद संभावित बाधाओं को दूर करना भी है।

## साल 2026 में ओला की पहली इलेक्ट्रिक बाइक होगी लांच

### -चार इलेक्ट्रिक बाइक का प्रोडक्शन करने की योजना

**नई दिल्ली ।**

जानी-मानी कंपनी ओला की साल 2026 में पहली इलेक्ट्रिक बाइक इंडियन मार्केट में दस्तक देगी। ओला ने चार इलेक्ट्रिक बाइक का प्रोडक्शन करने की योजना बनाई है।पिछले साल ओला ने चार नई बाइक्स को शोकेस किया था, जिनमें डायमंडहेड, एडवेंचर, रोडस्टर और क्रूजर डिजाइन की बाइक्स शामिल थीं। ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी शुरुआती पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) में ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि 'हम 2026 के शुरुआती छह महीनों में ही इन मोटरसाइकलों को डिलीवर करने की योजना पर काम कर रहे हैं। हम मोटरसाइकिल के साथ ही अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाने के लिए योजना बना रहे हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में अपनी तीन मोटरसाइकिलों के डिजाइन और एक रिमूवेबल इलेक्ट्रिक बैटरी के लिए पेटेंट कराया है। लोगों ने ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटर को अपनाकर बेहतरीन प्रतिक्रिया दी है। ओला के कई इलेक्ट्रिक स्कूटर मार्केट में हैं, जो इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में 30 फीसदी मार्केट शेयर रखते हैं। ओला के तीन इलेक्ट्रिक स्कूटर एस1 प्रो, एस1 एयर और एस1 एक्स भारतीय बाजार में बिक रहे हैं। एस1 एक्स के तीन अलग-अलग बैटरी वैरिएंट और रेंज के साथ मार्केट में उपलब्ध हैं। ओला के इलेक्ट्रिक स्कूटरों का मुकाबला बजाज ऑटो, टीवीएस मोटर और एथर के इलेक्ट्रिक स्कूटरों से है। एथर ने हाल ही में फैमिली स्कूटर रिज्टा को मार्केट में उतारा है। वहीं बाइक सेगमेंट में ओला का मुकाबला ओबेन, हॉप, ओकिनावा, रिवोल्ट और कबीरा समेत कई अन्य कंपनियों से होगा। हीरो मोटोकॉर्प, जो भारत के सबसे बड़े टू-व्हीलर निर्माताओं में से एक है, भी इलेक्ट्रिक सेगमेंट में बाइक उतारने की तैयारी कर रही है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, हीरो मोटोकॉर्प अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक साल 2025-26 में लॉन्च कर सकती है। हीरो के लाइन-अप में विदा रेंज के छह मॉडल आ सकते हैं। साथ ही हीरो के चार मॉडल जीरो मोटर्स के साथ पार्टनरशिप के तहत भी मार्केट में उतारे जा सकते हैं।

## इंडस टावर्स ने छह महीने में 90 फीसदी रिटर्न दिया

**मुंबई ।**

शेयर बाजार की तेज़ी जारी है और गुरुवार को निफ्टी ने निचले स्तरों पर खुलने के बावजूद 23950 के पार जाकर कारोबार किया। विशेषज्ञ बताते हैं कि मार्केट में स्टॉक स्पेसिफिक एक्शन जारी रहेंगे। इंडस टावर्स के शेयरों में तेजी का रुख देखने को मिल रहा है। हाल के महीनों में शेयर में काफी उछाल आया है, जिससे निवेशकों को अच्छा लाभ हुआ है। इंडस टावर्स लिमिटेड के शेयर गुरुवार सुबह 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 361.25 रुपए के लेवल पर कारोबार कर रहे थे। बाजार ` विशेषज्ञ के अनुसार बाज़ार और इंडस्ट्री के हालात इंडस टावर्स के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने कहा हे` कि लंबे समय तक निवेश कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस टावर्स को वोडाफोन आइडिया के नियोजित नेटवर्क विस्तार से लाभ होगा। वोडाफोन आइडिया द्वारा हाल ही में जुटाया गया फंड इंडस टावर्स के लिए पॉज़िटिव है। उन्होंने इंडस टावर्स के लिए 370 रुपये का टारगेट प्राइस निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि रिस्क को प्रभावी ढंग से मैनेज करने के लिए स्टॉप लॉस 348-350 रुपये के आसपास होना चाहिए। इंडस टावर्स वायरलेस संचार टावरों की स्थापना, संचालन और मैंटेनेंस के व्यवसाय में लगी हुई है। यह देश में टावर और संबंधित इंफ्रा स्ट्रक्चर को साझा करने वाली सेवाओं की टॉप सर्विस प्रोवाइडर है।

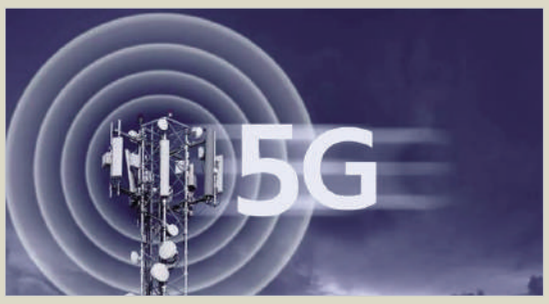


## 2029 तक 65 फीसदी पहुंच जाएंगे 5जी ग्राहक

**मुंबई ।** देश में 5जी ग्राहकों की संख्या 2029 तक बढ़कर 65 फीसदी पहुंच जाएगी। वर्तमान में कुल मोबाइल कनेक्शन में 5जी की हिस्सेदारी करीब 10 फीसदी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 के ओ खिरी तक भारत में 11.9 करोड़ लोग 5जी सेवा का उपयोग कर रहे थे। 2029 तक इन ग्राहकों की संख्या बढ़कर 84 करोड़ पहुंच जाएगी। वहीं दुनियाभर में 5जी सेवा का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर करीब 60 फीसदी पहुंच जाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने बड़े पैमाने पर मिड-बैंड की तैनाती की है। इससे 2023 ओ खिर तक 90 फीसदी से अधिक आबादी तक इंटरनेट पहुंच गया।

## अप्रैल-जून में 7 महानगरों में आवासीय बिक्री पांच प्रतिशत बढ़ीः एनारॉक

**नई दिल्ली ।** देश के सात प्रमुख शहरों में अप्रैल-जून में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.2 लाख इकाई हो गई। कीमतों में बढ़ोतरी से मांग में पिछली तिमाही की तुलना में आठ प्रतिशत की गिरावट आई है। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने चालू अप्रैल-जून तिमाही के लिए हाउसिंग मार्केट के आंकड़े गुरुवार को जारी किए। एनारॉक के अनुसार अप्रैल-जून 2024 में सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 1,20,340 इकाई रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले समान अवधि में 1,15,090 इकाई थी। हालांकि जनवरी-मार्च तिमाही की तुलना में बिक्री में आठ प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान है। जनवरी-मार्च तिमाही में 1,30,170 इकाइयों की बिक्री हुई थी। एनारॉक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि आवासीय बिक्री में तिमाही आधार पर गिरावट पिछले एक साल में संपत्ति की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण है। वार्षिक आधार पर दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद में बिक्री में वृद्धि देखी गई है, जबकि चेन्नई तथा कोलकाता में मांग में गिरावट आई।

## फॉक्सकॉन प्लांट से श्रम मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** श्रम और रोजगार मंत्रालय ने फॉक्सकॉन इंडिया के एप्पल आईफोन संयंत्र में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं देने के मुद्दे पर तमिलनाडु के श्रम विभाग से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस बारे में मीडिया में खबरें आई हैं जिसके बाद श्रम विभाग ने यह कदम उठाया है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 की धारा 5 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरुष और महिला श्रमिकों की भर्ती करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है कि चूंकि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों के प्रवर्तन और प्रशासन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी है, इसलिए उससे रिपोर्ट मांगी गई है। साथ ही इसने कहा कि क्षेत्रीय मुख्य श्रम आयुक्त के कार्यालय को भी श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने मीडिया में आई उन खबरों पर संज्ञान लिया है जिनमें कहा गया है कि विवाहित महिलाओं को फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन संयंत्र में काम करने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

## वोल्टास की रेटिंग में सुधार की संभावनाएं

**नई दिल्ली ।**

देश की प्रमुख रूम एयर कंडीशनर बनाने वाली वोल्टास के शेयर मई के निचले स्तर से 17 प्रतिशत और पिछले तीन महीनों में 36 प्रतिशत बढ़ चुके हैं। गर्मी के सीजन की मजबूत मांग, डिस्ट्रीब्यूशन में विस्तार, नए लॉन्च और बैकवर्ड इंटीग्रेशन की वजह से कंपनी की ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस में सुधार की संभावना है। कंपनी के मुख्य आरएसी सेगमेंट में कई सकारात्मक पहलू हैं। भीषण गर्मी के कारण कम इन्वेंट्री और ऑफ-सीजन के मुकाबले 50 फीसदी ज्यादा मांग ने एसी कंपनियों को अपने उत्पादों की कीमत बढ़ाने में मदद की है। एक शोधकर्ता के अनुसार, वोल्टास ने अपनी कीमतों में 3-5 फीसदी की बढ़ोतरी की है। डोमेस्टिक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल प्रोजेक्ट्स और सर्विसेज बिजनेस में बेहतर ऑर्डर बुक की वजह से सालाना आधार पर 38 फीसदी की वृद्धि हुई है। कंपनी ने समय पर एग्जिक्यूशन, सर्टिफिकेशन पर ध्यान और अन्य संबंधित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट पहलों के कारण पिछले साल के मुकाबले मजबूत मुनाफे में बढ़ोतरी को हाइलाइट किया है। बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च को देखते हुए कंपनी ने घरेलू परियोजनाओं के व्यवसाय के लिए पॉजिटिव आउटलुक बनाए रखा है।

# सेंसेक्स पहली बार 79 हजार के पार निफ्टी ने भी लगायी लंबी छलांग

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को रिकार्ड तेजी रही। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीदारी हावी होने से बाजार अपने अब तक के सबसे उच्च स्तर पर जाकर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुनार घरेलू अर्थव्यवस्था के मजबूत आंकड़ों के साथ ही विदेशी निवेशकों की लिवाली (खरीददारी) से बाजार रिकॉर्ड लेवल पर बंद हुआ। इसके अलावा इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस जैसी कंपनियों के शेयरों में तेजी से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स पहली बार 79 हजार जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24 हजार के ऊपर निकल गया।

सेंसेक्स आज 0.72 फीसदी करीब 568.93 अंक बढ़कर 79,243.18 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार निफ्टी भी 0.74 फीसदी तकरीबन 175.70 अंक बढ़कर 24,044.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट का शेयर सबसे ज्यादा 5.07 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। कंपनी के इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड में 23 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की बात से भी अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 5 प्रतिशत से अधिक बढ़ गये। इसके साथ ही एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, टीसीएस, कोटक बैंक, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, लार्सन एंड टुब्रो का शेयर सबसे ज्यादा 1.11 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा सन फार्मा, नेस्ले, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर भी गिरे हैं। बाजार जानकारों के अनुसार ज्यादा क्षेत्रों में आज बढ़त दर्ज की गई, जिनमें आईटी और उर्जा सबसे ज्यादा वृद्धि हासिल करने वाले क्षेत्रों में रहे। वहीं व्यापक सूचकांकों में आज मिलाजुला असर रहा क्योंकि मिडकैप सूचकांक लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप सूचकांक में आधे फीसदी से अधिक की गिरावट रही। गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों की वजह से बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत हुई। बाजार के प्रमुख इंडेक्स लाल निशान में

कारोबार कर रहे हैं। बीएसई सेंसेक्स 0.11 फीसदी लुढ़क कर 78,583 पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी50 0.12 फीसदी गिरकर 23,839.90 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं एशिया-प्रशांत बाजार में गिरावट देखने को मिली। जापान का निक्केई और कोरिया का कोस्पी 0.94 फीसदी नीचे कारोबार करते दिखे, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 1.50 फीसदी गिर गया। इसके विपरीत वॉल स्ट्रीट में बढ़त दर्ज की गई। नैस्डैक 0.49 फीसदी बढ़ा, डॉव जोन्स 0.16 फीसदी ऊपर और एसएंडपी 500 0.04 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

# एयर इंडिया से सिर्फ 883 रुपये में भर सकेंगे उड़ान

**नई दिल्ली ।**

हवाई जहाज में यात्रा करने वालों के लिए टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस ने खास ऑफर की पेशकश की है। इस ऑफर के जरिए हवाई यात्री मात्र 883 रुपये में उड़ान भर सकेंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस मोबाइल ऐप और अन्य प्रमुख बुकिंग प्लेटफार्मों पर सेल की घोषणा की। जो यात्री एयर इं डिया एक्सप्रेसडॉटकॉम और मोबाइल ऐप के माध्यम से बुकिंग करते हैं तो एक्सप्रेस लाइट का किराया 883 रुपये से शुरू होगा। वहीं अन्य बुकिंग चैनलों के माध्यम से एक्सप्रेस वेल्यू का किराया 1,096 से शुरू होगा। इस ऑफर का लाभ यात्री 28 जून तक उठा सकते हैं। हालांकि, यात्रा 30 सितंबर तक मान्य रहेगी। ग्राहक जो एयर इं डिया एक्सप्रेसडॉटकॉम पर बुकिंग करते हैं, वे खास फायदे उठा सकते हैं। इनमें जीरो चेक-इन बैगेज एक्सप्रेस लाइट किराए पर विशेष छूट शामिल है। आप बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 3 किलोग्राम कैबिन बैगेज

प्री-बुक कर सकते हैं। इसके अलावा चेक-इन बैगेज की फीस पर भी छूट है। घरेलू उड़ानों पर 15 किलोग्राम के लिए 1000 से और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 20 किलोग्राम के लिए 1300 से डिस्काउंट मिल सकता है। एयर इंडिया एक्सप्रेस के लॉयल्टी सदस्य 100 से 400 तक की विशेष छूट पा सकते हैं और वेबसाइट पर 8 फीसदी तक न्यू काइन कमा सकते हैं।

## स्पेक्ट्रम नीलामी से केंद्र को मिले 11340 करोड़

**नई दिल्ली ।** दूरसंचार स्पेक्ट्रम की नीलामी से सरकार को अनुमानित 96 हजार करोड़ रुपये की तुलना में मात्र 11,340 करोड़ रुपये ही मिल पाया जबकि इसके लिए आरक्षित मूल्य 96238.45 करोड़ रुपये रखा गया था। दूरसंचार विभाग ने स्पेक्ट्रम नीलामी पूरी होने पर जारी बयान में कहा कि इस नीलामी में देश की तीनों प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं रिलांयस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने बोली लगायी है। इन तीनों ने कुल मिलाकर 141.4 मेगाहट्र्ज अर्थात नीलामी के लिए पेश स्पेक्ट्रम का 26.4 प्रतिशत के लिये बोली लगायी। नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य पर 96,238.45 करोड़ रुपये रखे गये थे। इसमें विभिन्न बैंडों में 10,522.35 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की नीलामी होनी थी। दूरसंचार ऑपरेटरों ने जिन स्पेक्ट्रम बैंडों में भाग लिया, उनमें 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज, 2300 मेगाहट्र्ज, 2500 मेगाहट्र्ज, 3300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज शामिल है। दूरसंचार ऑपरेटरों ने 900 मेगाहट्र्ज, 1800 मेगाहट्र्ज, 2100 मेगाहट्र्ज और 2500 मेगाहट्र्ज बैंड के लिए बोली लगायी। इसमें भारती एयरटेल ने सबसे अधिक 6856.76 करोड़ रुपये की, वोडाफोन आइडिया ने 3510.40 करोड़ रुपये की और रिलांयस जियो ने सबसे कम 973.62 करोड़ रुपये की बोली लगाई।

# सुधा एंड अरमान चैरिटेबल ट्रस्ट वाईएमसीए में करलयं कार्जक्रम

**रांची।** पत्रकारिता के अदमी आइज पेसा कर नजइर से देखे लाइग हयं, मकिल ई पेसा नखे मिसन आहे। स्व. सुधा सिन्हा हमेसा समाज के जोइड़ के पत्रकारिता करेक में बिस्वास करत रहयं। आइज कर ई कार्जक्रम भी साबित करेला कि पत्रकारमन कर भूमिका समाज के जोड़ेक में हमेसा आगे रइह हे। ई कहेक रहे रांची प्रेस क्लब कर अध्यछ सुरेंद्र सोरेन कर।

श्री सोरेन आइज कांटाटोली इस्थित वाईएमसीए हॉल में सुधा एंड अरमान मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट कर ब्लड डोनेसन संगे पौधा रोपन कार्जक्रम में बतौर मुध गोतिया बोलत रहयं।

ई अवसर में ऊ कहलयं कि सुधा सिन्हा महिला पत्रकारिता कर एक गो मजबूत आधार स्तंभ रइह हयं। आइज भी उनकर कमी खलेला। ई अवसर में ट्रस्ट कर अध्यछ शुभ नारायण दत्ता होवल कार्जक्रम में बिस्तार से प्रकास डाललयं। वाइएमसीए कर स्टेट सेक्रेटरी जोन्हास कुजूर गोतियामन कर सोवागत करलयं। कार्जक्रम कर दौरान ब्लड डोनेसन, आई चेकअप आउर पौधा रोपन भी करल गेलक। कार्जक्रम में बरिस्ठ पत्रकार अमरकांत, मनोज श्रीवास्तव, शुभ नारायण दत्ता आदि रक्तदान कइर के समाज के संदेस देलयं।

# मई माह में 100 गो अदमीमन कर ड्राईविंग लाईसेंस करल गेलक रद्द

- देवघर उपायुक्त सड़क सुरछा से जुड़ल बिंदुमन कर समीछा करलयं

**देवघर।** देवघर सहरी परिवहन, यातायात एवं सड़क सुरछा से जुड़ल बिभिन्न बिंदुमन कर समीछा बैठकी समाहरनालय सभागार में उपायुक्त विशाल सागर करलयं। ई दौरान ऊ पहिले कर बैठकी में देवल गेल निरदेस कर अनुपालन कर समीछा करलयं। बम्पास टाउन पुलिया कर मरम्मत के लेइ के तैयार कार्जयोजना आउर प्राक्कलित रासि के मुख्यालय भेजेक कर आदेस देलयं।

बैठकी में उपायुक्त विशाल सागर देवघर जिला अन्तर्गत होवेक वाला सड़क हादसा में कमी लानेक कर उदेस से थानावार हादसा से जुड़ल जानकारी आउर आंकड़ामन के जमा कइर के एनालाईसिस करेक कर संगे हादसा के लेइ के करल जायेक वाला कार्रवाई कर ब्यौरा उपायुक्त कार्जालय के समर्पित करेक कर निरदेस देलयं, ताकि सड़क हादसा कर कारन कर जानकारी इकठा कइर के ऊ दिसा में काम करते सड़क हादसा में कमी लानल जाए सके। उपायुक्त सहरी छेतर अन्तर्गत यातायात बेवस्था के सुगम बनाएक कर उद्देस से बिभिन्न बिन्दुमन कर समीछा करलयं। नगर निगम छेतर अन्तर्गत सघन जांच अभियान चलाए के सड़क कर आदेस देलयं। उपायुक्त कर द्वारा जानकारी देल गेलक कि जनवरी, 2024 से लेइ के मार्च, 2024 तक ओभर लोडिंग, ओभर स्पीड, बिना हेलमेट, नसा सेवन कइर के, मोबाइल फोन कर प्रयोग कइर के वाहन चलाएक कर चलते मई में 100 गो अदमीमन कर ड्राईविंग लाईसेंस के रद्द करल जाए चुइक हे। बैठकी में अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर आशीष अग्रवाल, सिभिल सर्जन रंजन सिन्हा, जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, उत्पाद अधीछक, कार्यपालक अभियंता रास्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल देवघर, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल देवघर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, सड़क सुरछा कर प्रबंधक शिव कुमार आउर संबंधित बिभाग कर अधिकारी चैंबर ऑफ कॉमर्स कर प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहयं।

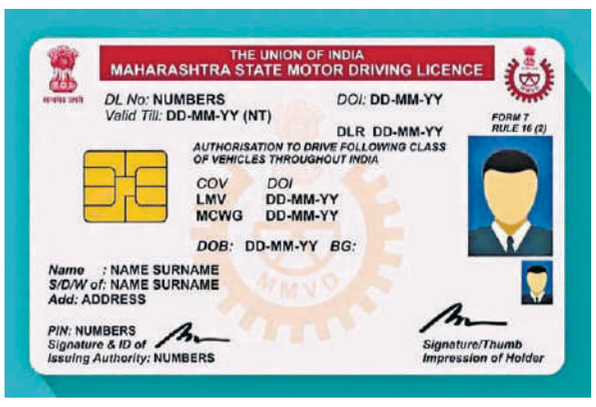

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन झारखंड मंत्रालय में आयोजित नियुक्ति पत्र बितरन समारोह में सामिल होलयं। मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक आउर पिछड़ा वर्ग कल्यान बिभाग कर बिसेस प्रयोजन वाहिनी कर रूप में काम करेक वाका प्रेझा फाउंडेसन कर द्वारा संचालित कल्यान गुरुकुल आउर कौसल कॉलेज कर छात्र- छात्रामन के नियुक्ति पत्र प्रदान करलयं।

## झारखंड कर बिकास में सहकारिता कर भूमिका महतपूर्न : सत्यानंद भोक्ता

- एक दिनक सहकार समागम कार्जसाला कर आयोजन

**रांची।** श्रम मंत्री सत्यानन्द भोगता पुराना झारखंड विधानसभा कर सभाकछ में भारतीय लोक सहकार महासंघ कर दन से आयोजित एक दिनक 'सहकार समागम' कार्जसाला कर सुभारंभ करलयं।

कार्जक्रम के संबोधित करते मंत्री झारखंड कर बिकास में सहकारिता कर भूमिका महतपूर्न हय। सहकारिता समितिमन कर अच्छा काम ले सराहना करलयं। मंत्री कहलयं कि देस में आजादी कर बाद आर्थिक बिकास आउर अदमीमन कर कल्यान में तेजी लानेक साधन कर रूप में सहकारिता उपरे बहुते भरोसा करल गेलक।

सहकारी संस्थामन आत्मनिर्भर आउर लोकतांत्रिक रूप से अर्थबेवस्था में भरपूर जोगदान देइ हे। उक्त कार्जक्रम कर मौका में अध्यछ जैलन्दर सिंह, संगीता कुमारी संगे कई गनमान्य उपस्थित रहयं।

## मुख्यमंत्री से मिललक पासवा कर प्रतिनिधमंडल, देलयं निमंत्रन

**रांची।** मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से झारखंड मंत्रालय में पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) कर एक ठो प्रतिनिधिमंडल 27 जून के मुलाकात करलक। ई अवसर में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधिमंडल पासवा कर द्वारा 2 जुलाई, 2024 के खेलगांव इस्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुध गोतिया सम्मिलित होवेक ले सादर आमंत्रित करलयं।

मौका में पासवा कर रास्ट्रीय अध्यछ आलोक कुमार दुबे संगे अन्य सदस्य उपस्थित रहयं। मालूम होवी कि पासवा कर द्वारा ई अवसर में राइज से जैक, सीबीएसई आउर आईसीएसई बोर्ड कर 10वीं आउर 12वीं कछा में 70 प्रतिसत से बेसी अंक लेइ के पास होवल 15 हजार मेधावी बिद्यार्थीमन के सम्मानित करल जाई।

## स्वच्छता अभियान कर होवी दूरगामी असर: डाक्टर चंद्र किशोर शाही

**रांची।** स्वास्थ्य बिभाग कर निदेसक प्रमुख डाक्टर चंद्र किशोर शाही कहलयं कि स्वछता अभियान कर असर दूरगामी होवी। उ कहलंय कि स्वछ आदत अपनायेक से अदमीमन कर सेहत बेस होवी। निदेसक प्रमुख आइज नामकुम इस्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में मुध गोतिया कर रूप में बोलत रहयं।

हियां सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारीमन कर परसिछन कार्जक्रम चलत हे। ई कार्जक्रम दुई दिन तक चली। इकर आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिसन कर आईईसी कोसांग आउर सीपीएचसी कोसांग कर संजुक्त प्रयास से होवत हे। पहिल बैच में बोकारो, धनबाद, देवघर आउर चतरा कर सीएचओमन के परसिछन देवल जात हे। परसिछन कर बिसय सोसल बिहेवियर कम्युनिकेसन चेंज आउर इंटर पर्सनल कम्युनिकेसन आहे। निदेसक प्रमुख कहलंय कि बेवहार परिवर्तन करेक ले समुदाय के जागरुक करेक चाही। डाक्टर लाल मांझी कहलंय कि आईपीसी कर परजोग से समाज में बदलाव आवी। कार्जक्रम में डाक्टर जॉन एफ कैनेडी आउर डाक्टर पुष्पा भी आपन बिचार बेयक्त करलंय।

## बेयस्त वाला इलाका में परसासन चलालक अतिक्रमन हटाओ अभियान

**गुमला।** जिला कर चैनपुर परखंड मुख्यालय कर बेयस्त वाला इलाका में परसासन अतिक्रमन हटाओ अभियान चलालक। इकर में सोहन चौक कर नजिक दुकान कर सामने लगाल गेल बोर्ड, समान आदि के हटाल गेलक। दुकानदारमन के हिदायत देल गेलक कि ऊ मन आपन दुकान कर समान आपन दायरा में ही राखयं।

मौका में उपस्थित चैनपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमिता लकड़ा कहलयं कि रोज दिन दुकानदारमन आपन दुकान कर सामने सामान रइख देवयंना। इकर से आवागमन में ढेइरे परेसानी होवेला। कहियों-कहियों जाम तक कर इस्थिति उत्पन्न होए जायेला। इके लेइ के अतिक्रमन हटाओ अभियान चलाल जात हे। अतिक्रमन हटाओ अभियान कर सुरुआत चैनपुर बस स्टैंड से करल गेलक। ई अल्बर्ट एक्का चौक होते बजार टांड़ सोहन चौक तक चललक। मौका में चैनपुर थाना प्रभारी अजय यादव, एएसआई मदन शर्मा, ज़िप सदस्य मेरी लकड़ा, मुखिया शोभा देवी संगे पुलिस कर जवान मौजूद रहयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडीः** jharkhandwanitaudyog@gmail.com